फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 168 प्रभात जयपुर, सोमवार 19 जनवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

Saavdhaan! There's A Beast Within!

I got conned transferring a large sum of money. And when I went to the police, they mocked me, saying 'You make Saavdhan India!'

Beyond Forts And Palaces

Russia, Ukraine and the European Story

तृणमूल सरकार का घुसपैठियों को संरक्षण, सुरक्षा से खिलवाड़ है- मोदी

प्रधानमंत्री ने हुगली में विशाल आमसभा को संबोधित करते हुए ममता सरकार को कठघरे में खड़ा किया

- प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठ, कानून व्यवस्था की बदहाली, भ्रष्टाचार और केन्द्र सरकार की योजनाओं को रोकने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सीधे जिम्मेदार ठहराया।
- प्रधानमंत्री ने कहा कि शायद पिछले 100 वर्ष में पहली बार ऐसा हुआ है, जब 24 घंटे के भीतर बंगाल की रेल संरचना को लेकर इतने बड़े फैसले लिए गये हों।

कोलकाता/नयी दिल्ली, 18 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि तृणमूल सरकार घुसपैठियों को संरक्षण देकर बंगाल और देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है, क्योंकि ये घुसपैठिए उनके लिये पक्का वोट बैंक हैं।

मोदी ने रविवार को हुगली में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राज्य में अवैध घुसपैठ, कानून-व्यवस्था की बदहाली, भ्रष्टाचार और केन्द्र सरकार की योजनाओं को रोकने को लेकर मुख्यमंत्री को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए पूर्वी भारत का विकास बेहद जरूरी है और इसी सोच के साथ केन्द्र सरकार निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा "कल मैं मालदा में था और आज हुगली में आप सभी के बीच हूं। पिछले 24 घंटे पश्चिम बंगाल के रेल और आधारभूत ढ ांचे के विकास के लिए ऐतिहासिक रहे हैं।"

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सिंगुर की जनसभा में उमड़ा जनसैलाब इस बात का संकेत है कि पश्चिम बंगाल बदलाव चाहता है। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोग 15 साल के महा-जंगलराज से मुक्ति चाहते हैं। जैसे बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने जंगलराज को रोका, वैसे ही बंगाल अब तृणमूल के महा-जंगलराज को विदा करने के लिए तैयार है।

मोदी ने अवैध घुसपैठ को बंगाल की सबसे बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि तृणमूल सरकार घुसपैठियों को खुली छूट दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल घुसपैठियों के समर्थन में धरने-प्रदर्शन तक करती है, क्योंकि वह उनके लिए वोट बैंक हैं और सरकार को देश तथा बंगाल की सुरक्षा की कोई चिंता नहीं है। यह सरकार घुसपैठियों को बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। उन्होंने बंगाल के युवाओं से विशेष रूप से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि राज्य की सुरक्षा से खिलवाड़ किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जा सकती।

मोदी ने बताया कि पश्चिम बंगाल से देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की शुरुआत हो चुकी है। इसके अलावा, बंगाल को करीब आधा दर्जन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें मिली हैं, जिनमें से तीन ट्रेनें आज ही शुरू की गई हैं। इनमें एक ट्रेन उनके संसदीय क्षेत्र काशी को बंगाल से जोड़ने वाली है और अन्य ट्रेनें दिल्ली और तमिलनाडु के लिए चलाई गई हैं।

उन्होंने कहा कि शायद पिछले 100 वर्षों में पहली बार ऐसा हुआ है, जब 24 घंटे के भीतर बंगाल की रेल संरचना को लेकर इतने बड़े फैसले लिए गए हों।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप के विरोध में ग्रीनलैंड व डेनमार्क में विशाल विरोध प्रदर्शन

कोपेनहेगन, 18 जनवरी। ग्रीनलैंड पर नियंत्रण करने के अमेरिकी प्रयासों और बयानों के विरोध में डेनमार्क और ग्रीनलैंड के कई शहरों में विशाल विरोध प्रदर्शन देखने को मिले हैं।

डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन के सिटी हॉल स्क्वायर पर शनिवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12 बजे (भारतीय समयानुसार अपराह्न 4:30 बजे) भारी भीड़ जमा हुई, जिसने अमेरिकी दूतावास तक मार्च निकाला।

- ग्रीनलैंड की राजधानी नूक में हुए प्रदर्शन में प्रधानमंत्री निल्सन भी शामिल हुए।

इस प्रदर्शन में डेनमार्क और ग्रीनलैंड दोनों देशों के नागरिक शामिल हुए, जो अपने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे हुए थे।

इस बीच ग्रीनलैंड की राजधानी नूक में भी दोपहर से ही लोग जुटना शुरू हो गए और "ग्रीनलैंडवासियों का है ग्रीनलैंड" के नारे लगाए। इस प्रदर्शन में ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक निल्सन भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने पारंपरिक इनुइट गीत गाए और कई लोग "मेक अमेरिका गो अवे" (अमेरिका को वापस भेजो) लिखी हुई टोपियां पहने नजर आये।

यूरोपीय यूनियन ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर रोक लगाई

अमेरिका द्वारा यूरोपीय यूनियन व डेनमार्क पर आयात शुल्क की घोषणा के बाद यह कदम उठाया गया

- ईयू के नेताओं ने डेनमार्क व ग्रीनलैंड को पूर्ण समर्थन दोहराते हुए कहा कि संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता ऐसे सिद्धांत हैं, जिन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

ब्रुसेल्स, 18 जनवरी। ग्रीनलैंड मामले में अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच बढ़ते तनाव के बीच ईयू ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी है।

ईयू ने यह कदम डेनमार्क और संघ के कई देशों पर अमेरिका द्वारा आयात शुल्क लगाने की चेतावनी के बाद उठाया है। ईयू के नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा है कि ये आयात शुल्क संघ और अमेरिका के संबंधों को नुकसान पहुँचा सकते हैं। साथ ही, उन्होंने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के प्रति अपना पूर्ण समर्थन दोहराते हुए इस बात पर जोर दिया कि संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता ऐसे सिद्धांत हैं, जिन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

गौरतलब है कि जुलाई 2025 में प्रस्तावित समझौते को आयात शुल्क कम करने और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए तैयार किया गया था। हालांकि ग्रीनलैंड पर ट्रंप के रुख और आयात शुल्क लगाने की उनकी चेतावनी के बाद संघ ने इस प्रस्तावित समझौते के अनुमोदन को रोकने का आ ान किया है।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड के रणनीतिक स्थान और खनिज संसाधनों को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए चेतावनी दी, "एक फरवरी 2026 से, उपर्युक्त सभी देशों द्वारा अमेरिका को भेजे जाने वाले सभी सामानों पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। एक जून 2026 को यह शुल्क बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया जाएगा। यह तब तक लागू रहेगा, जब तक ग्रीनलैंड को खरीदने के लिए कोई समझौता नहीं हो जाता।"

यूरोपियन पीपल्स पार्टी के उपाध्यक्ष सिगफ्राइड मूरसन और अन्य यूरोपीय अधिकारियों ने इसपर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह घोषणा उस स्थिरता को कमजोर करती है, जिसे सुनिश्चित करने के लिए यह व्यापार समझौता किया गया था।

मूरसन ने कहा, "पिछले साल अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच हुए व्यापार समझौते से स्थिरता ही एकमात्र लाभ होता। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कई ईयू सदस्य देशों पर नए आयात लगाने की आज की घोषणा उस स्थिरता को छीन लेती है। यही कारण है कि उस व्यापार समझौते के अनुसमर्थन को स्थगित करना उचित है।"

मूरसन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "हमें पिछले जुलाई के ईयू-यूएस व्यापार समझौते को बहुत जल्द अनुमोदित करना था, जिससे अमेरिका से यूरोपीय संघ में होने वाले आयात पर आयात शुल्क शून्य हो जाता। हालांकि, हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए इस मंजूरी के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा।"

अमेरिकी राष्ट्रपति राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए डेनमार्क के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

धर्म ही मुझे और नरेन्द्र मोदी को चला रहा है- भागवत

संघ प्रमुख ने महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर में आरएसएस के कार्यक्रम को संबोधित किया

- मोहन भागवत ने कहा कि देश को सदैव संतों व ऋषियों का मार्गदर्शन मिलता रहा है। जब तक ऐसा धर्म भारत को चलायेगा, वह विश्व गुरु बना रहेगा।

मुंबई, 18 जनवरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में आरएसएस के कार्यक्रम में अपनी बात रखी।

उन्होंने कहा कि धर्म ही मुझे और नरेन्द्र मोदी को चला रहा है। उन्होंने कहा कि धर्म पूरे ब्रह्मांड का चालक है। जब सृष्टि अस्तित्व में आई, तो उसके कामकाज को नियंत्रण करने वाले नियम धर्म बन गए। सब कुछ उसी सिद्धांत पर चलता है।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में मोहन भागवत ने भारत की सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि देश को सदैव संतों और ऋषियों से मार्गदर्शन मिलता रहा है। जब तक ऐसा धर्म भारत को चलाएगा, वह विश्वगुरु बना रहेगा। मोहन भागवत ने धर्म को केवल पूजा-पाठ तक सीमित न मानते हुए कहा कि प्रकृति की हर वस्तु में कर्तव्य और अनुशासन निहित है।

सृष्टि बनने के बाद उसके संचालन के नियम ही धर्म बने और सब कुछ उन्हीं नियमों पर चलता है। दुनिया में आध्यात्मिकता की कमी है, इसलिए ऐसा ज्ञान वहां नहीं मिलता।

उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई राज्य धर्मनिरपेक्ष हो सकता है, लेकिन कोई व्यक्ति या रचना धर्म के बिना नहीं हो सकती।

जाति व्यवस्था पर चर्चा करते हुए भागवत ने कहा कि इसे समाप्त करने के लिए मन से जाति की भावना को मिटाना आवश्यक है। पहले जाति काम और पेशे से जुड़ी थी, लेकिन बाद में यह भेदभाव का कारण बन गई।

भागवत ने आरएसएस की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन का लक्ष्य समाज के साथ मिलकर भारत को उसके सर्वोच्च गौरव तक पहुंचाना है।

संघ व्यक्ति के चरित्र निर्माण के जरिए राष्ट्र निर्माण करता है। उन्होंने साफ किया कि आरएसएस किसी से प्रतिस्पर्धा नहीं करता और न ही किसी प्रतिक्रिया में बना है।

संघ खुद बड़ा नहीं बनना चाहता, बल्कि पूरे समाज को आगे बढ़ ाना चाहता है। जो लोग संघ को समझना चाहते हैं, उन्हें उसकी शाखाओं में आना चाहिए।

कोई नहीं चाहता, मुंबई में भाजपा का मेयर बने- राउत

मुंबई, 18 जनवरी। बीएमसी चुनाव के नतीजे आने के बाद मुंबई की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। शिवसेना-यूबीटी के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि शिंदे गुट ने अपने नवनिर्वाचित पार्षदों को मुंबई के ताज होटल में बंधक बनाकर रखा है। राउत के इस बयान ने नगर निगम चुनाव के बाद मेयर पद की जंग को और भी दिलचस्प बना दिया है।

- संजय राउत ने आरोप लगाया कि शिंदे ने 29 पार्षदों को मुंबई के ताज होटल में बंधक बना रखा है।

संजय राउत ने एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव जीतकर आए पार्षदों को होटल में कैद कर दिया गया है। राउत ने कहा,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिंदे ने मुम्बई के महापौर पद पर दावा किया, भाजपा नाराज़

चर्चा के अनुसार, यह विवाद कल्याण-डोंबिवली नगर निगम में वर्चस्व से भी जुड़ा हुआ है

- केडीएमसी शिंदे के लिए राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह क्षेत्र उनका गढ़ माना जाता है। यहाँ के नगर निगम में शिंदे को भाजपा से एक सीट अधिक प्राप्त हुई है।

मुंबई, 18 जनवरी। महाराष्ट्र की राजनीति में महायुति गठबंधन के भीतर हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना द्वारा मुंबई महानगरपालिका के महापौर और स्थायी समिति अध्यक्ष पद पर दावे किए जाने से भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं में नाराजगी है।

सूत्र बताते हैं कि भाजपा नेताओं का मानना है कि मुंबई की जनता ने महायुति पर भरोसा जताया है, लेकिन ऐसे समय में सहयोगी दल द्वारा दबाव की राजनीति अच्छे संकेत नहीं देती। यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा नेताओं ने अपनी यह नाराजगी सीधे उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के सामने रखी है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यह पूरा विवाद केवल मुंबई के पदों की लड़ाई नहीं है, बल्कि कल्याण-डोंबिवली नगर निगम (केडीएमसी) की राजनीति से भी जुड़ सकता है। कुछ सूत्रों का दावा है कि शिंदे गुट, जो केडीएमसी में भाजपा से सिर्फ एक सीट आगे है, अब अप्रत्यक्ष दबाव बनाकर गठबंधन के भीतर अधिक पद हासिल करने की रणनीति अपना रहा है।

शुक्रवार को घोषित अंतिम नतीजों में 122 सीटों वाली केडीएमसी में एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने 52 सीटें, जबकि भाजपा ने 51 सीटें जीतीं। यानी शिंदे गुट मात्र एक सीट से आगे रहा। वहीं उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को केवल 11 सीटें, एमएनएस को 5, कांग्रेस को 2 और एनसीपी (शरद पवार) को 1 सीट मिली।

विश्लेषकों का कहना है कि शिंदे के लिए केडीएमसी राजनीतिक रूप से बेहद अहम है, क्योंकि यह उनका गढ़ माना जाता है, जबकि मुंबई में भाजपा की मजबूत पकड़ है। ऐसे में दोनों नगर निगमों में सहयोग के बिना सरकार गठन और सत्ता संतुलन मुश्किल हो सकता है। यही वजह है कि शिंदे गुट अब अधिक निगोशिएशन पावर दिखाने की कोशिश में है, जबकि भाजपा इसे दबाव की राजनीति मानकर नाखुश है। गठबंधन के दोनों दलों को एक-दूसरे की ज़रूरत है, विशेषकर मुंबई और केडीएमसी दोनों ही जगहों पर।

त्रिवेणी में मौनी अमावस्या पर 4 करोड़ ने डुबकी लगाई

प्रयागराज , 18 जनवरी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के माघ मेले में मौनी अमावस्या के अवसर पर रविवार शाम पांच बजे तक चार करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु त्रिवेणी में पावन डुबकी लगा चुके थे। आज सुबह चार बजे से ही मौनी अमावस्या का स्नान शुरू हो गया था।

- सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं ने स्नान शुरु कर दिया था तथा शाम 5 बजे तक चार करोड़ से अधिक लोग डुबकी लगा चुके थे।

जैसे-जैसे सूरज निकला उसी, रफ़्तार से श्रद्धालुओं की भीड़ भी बढ़ने लगी। भीड़ का आलम ये था कि 11 बजे सुबह तक ही एक करोड़ लोगों ने स्नान कर लिया था। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस ने भी अपनी योजना में बदलाव करते हुए लोगों को दूसरे रास्ते से स्नान घाट तक पहुंचाया। मौसम ने भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति आज दिल्ली आएंगे

नयी दिल्ली, 18 जनवरी। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान सोमवार को भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे।

शेख नाहयान की यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही है।

- भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच मजबूत ऊर्जा साझेदारी है, जिसमें दीर्घकालीन ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था शामिल है।

संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद उनकी भारत की यह तीसरी आधिकारिक यात्रा होगी, और पिछले एक दशक में यह उनकी भारत की पाँचवीं यात्रा होगी। यह यात्रा हाल ही में हुए उच्च-स्तरीय आदान-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्णतया डॉलर पर अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय लेन-देन के लिए निर्भर नहीं रहना चाहता भारत

इस पूर्ण निर्भरता का दुष्परिणाम भारत के सामने है, क्योंकि यूक्रेन युद्ध ने रूस को विदेशी मुद्रा के रिज़र्व्स को ब्रेफ्रीज कर दिया था

- भारत ने डॉलर पर पूर्ण निर्भरता से बचने के लिए "ब्रिक्स ब्रिज" सिस्टम शुरु किया है। "ब्रिक्स ब्रिज" के मार्फत नए विकासशील देश, माल निर्यात-आयात का सैंटलमैंट अपनी स्वयं की मुद्रा से कर सकेंगे।
- यह नया "ब्रिक्स ब्रिज" सिस्टम भारत के लिए आवश्यक है, क्योंकि भारत अपनी ऑयल की खपत का 80 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है तथा रूस से भी पुराने व मजबूत सामरिक संबंध रखता है। अतः यूरोपियन द्वारा सीधे रूस से ऑयल खरीद पर प्रतिबंध लगाने पर, भारत ने वैकल्पिक पैमेंट की व्यवस्था का इस्तेमाल किया।
- भारत यह "इम्प्रेशन" भी नहीं देना चाहता कि वह डॉलर विरोधी है, पर सारे निर्यात-आयात के लिए केवल एक "गेट कीपर" पर ही निर्भर रहना नहीं चाहता। इसलिए भारत "ब्रिक्स ब्रिज" सिस्टम को प्रोत्साहित कर रहा है। भारत यह जानता है कि "ब्रिक्स ब्रिज" सिस्टम पूर्णतया विकसित होने में काफी समय लगेगा, तब तक भारत डॉलर विरोधी होने की छवि भी नहीं ओढ़ना चाहता, जिससे वह अमेरिका का कोप-भाजन बने।

-सुकुमार साह---

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। जैसे-जैसे ग्लोबल फाइनेंस एक तेज़ी से विवादित जियोपॉलिटिकल एरिया बनता जा रहा है, भारत सावधानी से खुद को एक ऐसे एक्सपेरिमेंट के साथ जोड़ रहा है, जो समय के अनुसार, यू.एस. डॉलर के साथ सीधा टकराव किए बिना, उसके दबदबे को कम कर सकता है। यह पहल, जिसे ब्रिक्स ब्रिज के नाम से जाना जाता है, एक नया डिजिटल पेमेंट और सेटलमेंट सिस्टम है जिसे वेस्टर्न कंट्रोल वाले फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर, खासकर स्विफ्ट मैसेजिंग नेटवर्क और डॉलर-बेस्ड कॉरेस्पोंडेंट बैंकिंग सिस्टम पर निर्भरता कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो ग्लोबल ट्रेड को सपोर्ट करता है।

नई दिल्ली के लिए, इस प्रोजेक्ट का महत्व डॉलर को सीधे चुनौती देने में नहीं है, बल्कि भविष्य में अलग-अलग रास्ते चुनने की रणनीतिक आज़ादी में है। यह एक समानांतर वित्तीय रास्ता बनाने के बारे में है, जिससे भारत को ट्रेड, एनर्जी खरीद और क्रॉस-बॉर्डर भुगतानों में ज्यादा स्वायत्तता मिले, ऐसे समय में, जब जियोपॉलिटिक्स फाइनेंस तक पहुंच को तेज़ी से आकार दे रही है।

भारत कभी भी वैचारिक रुप से डॉलर का विरोधी नहीं रहा है। यू.ए. करेंसी भारत के ट्रेड इनवॉइसिंग, फॉरेन कैपिटल इनफ्लो और फॉरेन एक्सचेंज रिज़र्व में केन्द्रीय भूमिका निभाती है, लेकिन हाल की वैश्विक घटनाओं ने यह दिखा दिया है कि एक ऐसी वित्तीय व्यवस्था पर अत्यधिक निर्भरता कितनी जोखिम भरी हो सकती है, जहाँ देश के बाहर लिए गए पोलिटिकल फैसलों से एक्सेस को रोका जा सकता है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस के फॉरेन एक्सचेंज रिज़र्व को फ्रीज़ करने और स्विफ्ट से रूसी बैंकों को कुछ हद तक बाहर करने से भारत सहित उभरती हुई इकॉनमी में एक मज़बूत मैसेज गया। इस घटना ने दिखाया कि कैसे फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर को हथियार बनाया जा सकता है, और कैसे बड़ी इकॉनमी भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ने गाज़ा "बोर्ड ऑफ पीस" के लिए भारत को आमंत्रित किया

वॉशिंगटन, 18 जनवरी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को गाजा में शांति बहाली के लिए बनाए जा रहे 'बोर्ड ऑफ पीस' का हिस्सा बनने का निमंत्रण दिया है। यह बोर्ड गाजा में चल रहे संघर्ष को खत्म करने और शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ ाने के लिए बनाया जा रहा है।

- यह बोर्ड गाज़ा में चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए बनाया जा रहा है।

भारत को यह न्योता उसकी वैश्विक साख, संतुलित विदेश नीति और शांति प्रयासों में भूमिका को देखते हुए दिया गया है। माना जा रहा है कि इस बोर्ड में शामिल देश गाजा की स्थिति पर नजर रखेंगे, मानवीय सहायता, पुनर्निर्माण और संघर्ष रोकने से जुड़े कदमों पर विचार करेंगे। हालांकि, इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मनुष्य को आपत्ति का सामना करने, सहायता देने के लिए मुस्कान से बड़ी कोई चीज़ नहीं है। –तिरुवल्लुवर

यही तो जीवन है!

यह सप्ताह भारत में दो बड़े साहित्यिक आयोजनों का रहा। देश की राजधानी दिल्ली में विश्व पुस्तक मेला संपन्न हुआ और राजस्थान की राजधानी में जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन हुआ। नौ दिन तक चले विश्व पुस्तक मेले में 35 देशों के लगभग एक हज़ार प्रकाशकों ने भाग लिया, यह 53 वां पुस्तक मेला था। जयपुर में आयोजित हुए साहित्य उत्सव का यह 19वां संस्करण था और आयोजकों के अनुसार यह 'ग्रेटेस्टलिटरेरी शो ऑन अर्थ' है। दिल्ली का पुस्तक मेला और जयपुर का साहित्य उत्सव दोनों ही अपनी प्रकृति में उत्सवधर्मा हैं। दिल्ली के मेले में लोग किताबें देखने-खरीदने के साथ-साथ मेल मिलाप के लिए भी जाते हैं और लेखक गण इसे अपनी नव प्रकाशित पुस्तकों के वार्षिक लोकार्पण उत्सव की तरह भी देखते हैं। जयपुर का आयोजन तो बकौल आयोजकगण, फेस्टिवल ही है। दिक्कत तब होती है जब हम एक फेस्टिवल में जाकर गंभीर विमर्श की अपेक्षा करते हैं और फिर निराश होते हैं। जयपुर उत्सव की एक और आलोचना इसमें भारतीय भाषाओं की कम उपस्थिति को लेकर भी होती है।यह एक तथ्य है कि इसमें भारतीय भाषाओं की उपस्थित न केवल कम है, वह कम होती भी गई है। वैसे भी इसमें भारतीय भाषाओं के रूप में सर्वाधिक उपस्थिति हिंदी और राजस्थानी की ही होती है। राजस्थानी की उपस्थिति का एक बड़ा कारण इस आयोजन का राजस्थान की धरती पर आयोजित होना भी है। अन्य भारतीय भाषाओं की सहभागिता तो नाम मात्र को ही होती है। और प्राय: उस सहभागिता का माध्यम अंग्रेज़ी ही होती है।

हिंदी समाज में आम तौर पर जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल को लेकर अस्वीकार और असहमति का ही भाव विद्यमान रहा है। यह कहा जाता रहा है कि इस फेस्टिवल की मूल अवधारणा ही पूंजीवादी है और यहां जन सरोकारों तथा गंभीर विमर्श के लिए कोई जगह नहीं है। वैसे हिंदी के बहुत सारे नामचीन लेखकों ने समय-समय पर इस फेस्टिवल में भाग लिया है और उनमें से कई इसी वजह से तीखी आलोचना के शिकार भी हुए हैं। यह बात भी कम दिलचस्प नहीं है कि कई लेखकों को जब इसमें बुलाया गया, वे सहर्ष सम्मिलित हुए और उससे पहले और बाद में इसके आलोचक बने रहे। यह भी हुआ कि इसकी आलोचना करने वालों ने भी इसमें आकर सम्मानित होने से परहेज़ नहीं किया। जहां तक इस आयोजन की पूंजीवादी अवधारणा का सवाल है, जितने बड़े पैमाने पर यह होता है उसके लिए बड़ी पूंजी अपरिहार्य है, और जब पूंजी होगी तो पूंजीवाद कैसे पीछे रहेगा? आप फेस्टिवल के समर्थक हों, या विरोधी, इस बात को तो स्वीकार किया ही जाना चाहिए कि यह हमारे समय के सर्वाधिक सफल आयोजनों में से एक है। मुझे यह कहने में भी कोई संकोच नहीं है कि जिन लेखकों-विचारकों के पास कहने को कुछ है और उस कुछ को नपे तुले शब्दों में कहने का कौशल है वे इस फेस्टिवल में भी मानीखेज़ बातें कहते हैं और उनको सुनने-सराहने वाले भी बहुत बड़ी संख्या में मौज़ूद रहते हैं। मुझे तो यह बात भी कम आश्चर्यजनक नहीं लगती है कि इसके आयोजक लेखन और विचार के इर्द-गिर्द ऐसा भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन संभव कर सके हैं।

और यहीं मैं एक अन्य मुद्दे की तरफ ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। असल में हमारे हिंदी समाज में सफलता और समृद्धि को लेकर एक अजीब-सा भाव विद्यमान है। हमें उस हर सफलता और समृद्धि से शिकायत होती है जिसमें हम नहीं होते हैं। अगर किसी को बड़ी रॉयल्टी मिल जाए तो हम उसमें अनेक खोट निकालने लगते हैं, अगर कोई मंच पर सफल हो जाए तो हमें उसमें स्तरहीनता की दरारें नज़र आने लगती हैं, अगर किसी को ज़्यादा पाठक मिल जाएं तो हमारे पेट में दर्द होने लगता है और वह दर्द उसकी आलोचना के रूप में प्रकट होता है। हमारे यहां ऐसे भी अहंकारी और आत्म मुग्ध लोग मौज़ूद हैं जो समय-समय पर किसी के कवि न होने के फतवे ज़ारी करते रहते हैं। अच्छे और बुरे को हमने अपनी तरह से परिभाषित कर रखा है। लोकप्रिय माध्यमों में कभी कोई गुण और गुणवत्ता हमें नज़र आते ही नहीं है। हमारे जो लेखक फ़िल्मों में गए, उनका नाम साहित्य के रजिस्टर से काटने में हमने पल भर की भी देर नहीं की। जब उनकी जन्म शताब्दी का साल आया तो हमने संकोच से माना कि शैलेंद्र भी अच्छे कवि थेऔर नीरज को अपने कवित्व को हमसे स्वीकार करवाने के लिए स्वर्गीय होना पड़ा। और भी अनेक नाम आपको याद आ जाएंगे जिनको हमारे साहित्यिक समाज ने स्वीकार नहीं किया तो नहीं ही किया। उनका दोष केवल इतना था कि वे लोकप्रिय हो गए थे। वैसे लोकप्रिय और स्तरीय के बीच की यह विभेदक दीवार है बड़ी मज़ेदार। जो साहित्यिक है उसकी भी आकांक्षा होती है कि वह लोकप्रिय हो जाए, लेकिन हो नहीं पाता है। और इसी तरह जो लोकप्रिय है वह साहित्यिक समुदाय की सराहना चाहता है लेकिन वह उसकी पहुंच से दूर रह जाती है। यही बात लेखन से होने वाली आय को लेकर भी है। भला कौन नहीं चाहेगा कि उसकी लिखी किताबें बिकें और उस बिक्री से प्रकाशक को जो आय हो उसका एक हिस्सा लेखक को भी मिले। बहुत थोड़े लेखक ऐसे हैं जिन्हें अपने लेखन से इतनी आय होती है कि वे उसी पर निर्भर रहकर भी सम्मानजनक ज़िंदगी जी सकते हैं। अधिकांश लेखक तो यह ख़्वाब ही देखते रह जाते हैं। लेकिन वे यह बात मानने को कभी तैयार नहीं होते हैं कि जिनकी किताबें बिक रही हैं उनके लेखन में कोई ख़ासियत भी है। इसके अलावा, हम तो किसी की किताब खरीदेंगे नहीं लेकिन यह चाहेंगे कि हमारी किताबें धड़ाधड़ बिकें। खरीदने वाले किसी और दुनिया के नागरिक हों, शायद।

हमारा हिंदी साहित्य विचारधारा के मामले में दो स्पष्ट खेमों में विभाजित है। एक वाम वाला खेमा जिसका प्रतिनिधित्व प्रगतिशील लेखक संघ और जनवादी लेखक संघ करते हैं, और दूसरा दक्षिण वाला खेमा जिसमें भारतीय साहित्य परिषद जैसे वे संगठन हैं जो स्वयं को राष्ट्रवादी कहते हैं। वाम खेमे के पास वर्तमान की समस्याओं के विश्लेषण के अतिरिक्त भविष्य के लिए भी एक स्वप्न है, तो दक्षिण वाले समूह के पास अतीत की गौरव गाथाएं और चमकदार नारे हैं।

इस बात को स्वीकार करने में कोई झिझक नहीं होनी चाहिए कि हम हिंदी समाज वाले किताबों और लेखन के पक्ष में सकारात्मक माहौल बनाने में नाकामयाब रहे हैं। बल्कि सच तो यह कहना होगा कि हमने इस दिशा में प्रयत्न किया ही नहीं। कब हमने अपने सिवा किसी और के लेखन पर खुलकर बात की? हालत तो यह है कि हम लेखक भी इसी बात से भयभीत रहते हैं कि अगर हमारा सामना किसी अन्य लेखक से हो गया तो वह अपने लेखन के कसीदे पढ़-पढ़कर हमारे प्राण ले लेगा। क्या पता बशीर बद्र साहब ने यह शेर हम जैसों को ध्यान में रखकर ही लिखा हो – 'ख़ुदा हम को ऐसी ख़ुदाई न दे/ कि अपने सिवा कुछ दिखाई न दे।' अगर हम अध्यापक है तो कब हमने कोशिश की कि अपने विद्यार्थियों को अच्छी किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करें। हमारी साहित्यिक गोष्ठियों में क्या होता है? कभी हमने कोशिश की कि उनमें नए लोग भी आने लगें? और जो आएं, उन्हें भी अपनी बात कहने का मौका मिले! इतने लंबे, उबाऊ और बे-सिरपैर के वक्तव्य अपनी गोष्ठियों में हम देते हैं कि बेचारा नया आने वाला उस क्षण को कोसता रह जाता है जब उसने हमारी गोष्ठी में आने का फैसला किया था। सलीके से और संक्षेप में बात कहने से हमें सख़्त परहेज़ होता है।

हमारा हिंदी साहित्य विचारधारा के मामले में दो स्पष्ट खेमों में विभाजित है। एक वाम वाला खेमा जिसका प्रतिनिधित्व प्रगतिशील लेखक संघ और जनवादी लेखक संघ करते हैं, और दूसरा दक्षिण वाला खेमा जिसमें भारतीय साहित्य परिषद जैसे वे संगठन हैं जो स्वयं को राष्ट्रवादी कहते हैं। वाम खेमे के पास वर्तमान की समस्याओं के विश्लेषण के अतिरिक्त भविष्य के लिए भी एक स्वप्न है, तो दक्षिण वाले समूह के पास अतीत की गौरव गाथाएं और चमकदार नारे हैं। बहुत रोचक बात यह भी कि इस खेमे के पास ऐसा कोई लेखक नहीं है जिसकी थोड़ी बहुत भी पहचान साहित्य जगत में हो। बहुत सारे लेखक ऐसे भी हैं जो इनमें से किसी एक में ख़ुद को शामिल नहीं करते हैं, दोनों की आलोचना करते हैं और अपने बारे में कहते हैं कि वे तटस्थ हैं, जबकि दुनिया में तटस्थता जैसी कोई चीज़ होती ही नहीं है। ऐसे भी अनेक लेखक हैं जिनका लेखन किसी वैचारिक संलग्नता की मांग ही नहीं करता है। वे पेड़, नदी, पहाड़, मानवीय रिश्तों जैसे विषयों पर लिखते रहते हैं और ऐसे किसी मुद्दे को छूने से सायास बचते हैं जहां उन्हें सत्ता की या किसी विचार विशेष की आलोचना करनी पड़े। कुछ लोग साहित्य को जनवाद और कलावाद के खांचों में भी बांट कर देखते हैं और रोचक बात यह कि जो घोषित कलावादी हैं उनके लेखन में भी जनवादी तत्त्व मिल जाते हैं और जो जनवादी हैं उनके यहां कलावाद मिल जाता है। लेकिन किसी पर एक ब्रांड का ठप्पा लग गया तो उसे उसी तरह देखा जाता है। अलग-अलग विचारधारा के लोग दूसरी विचारधारा के आयोजनों में जाएं न जाएं इस पर प्राय: विवाद होते रहते हैं। जब हम किसी और के आयोजन में चले जाते हैं तो वह हमारा वैचारिक खुलापन होता है लेकिन जब कोई दूसरा ऐसा करता है तो यह उसका विचलन होता है या उसका पतन होता है। यही बात सम्मानों पुरस्कारों के मामले में भी होती है। अपने और दूसरों के बारे में हमारी कसौटियां भिन्न-भिन्न होती हैं।

लेकिन इतनी सारी बातों, इतने सारे विरोधाभासों और इतने सारे अंतर्विरोधों के बावज़ूद हम सब लिख रहे हैं, लिखे जा रहे हैं। पहले से ज़्यादा ऊर्जा के साथ लिख रहे हैं। लेखन से किसी को, बहुत थोड़े अपवादों को छोड़ दें, कुछ भी तो नहीं मिलता है। फिर भी लोग लिखते हैं। लिखने वालों की बिरादरी बढ़ती जाती है। पुस्तक मेले होते हैं, साहित्य उत्सव होते हैं और तमाम कमियों, असहमतियों, नाराज़गियों के बावज़ूद हम उनमें शरीक़ होते हैं। यही तो जीवन है!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

शांति अधिनियम: सुरक्षा, शांतिपूर्ण, स्वच्छ-सतत ऊर्जा और नवाचार है आधार

शांतिपूर्ण उद्देश्यों वाले परमाणु ऊर्जा संबंधित पेटेंट मिलने में आसानी होगी

विकास आसावत

हाल ही संसद के शीतकालीन सत्र में पारित हुआ सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया यानि शांति अधिनियम, 2025 राष्ट्रपति की मंज़ूरी मिलने के बाद 21 दिसंबर, 2025 को अधिसूचित किया गया। शांति विधेयक परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और परमाणु क्षित के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 को निरस्त करता है। यह कानून सिविल नुक्लिअर सेक्टर से संबंधित सभी कानूनों को समाहित करता है।

यह कानून लाइसेंसिंग और अन्य प्रक्रियाओं को बरकरार रखते हुए सुरक्षा, संप्रभुता और जनहित के अटूट मानकों को बनाए रखकर ही निजी भागीदारी की अनुमति देता है। निजी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों को परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण, स्वामित्व, संचालन और परिसमापन करने की अनुमति देता है जबकि नियामक नियंत्रण केंद्र के पास रहेगा। कानून उन गतिविधियों की स्पष्ट सीमाएँ निर्धारित करता है जो सरकार के पास रहेंगी।

यह विधेयक भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता प्राप्त करने के दीर्घकालिक लक्ष्य का समर्थन करता है जो भारत की लगभग 10 प्रतिशत बिजली आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है।

पेटेंट कानून में बदलाव:

यदि परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 की धारा 20 यानि की वर्तमान कानून से पूर्व स्तिथि के व्यापक दायरे में 'परमाणु ऊर्जा' से संबंधित कोई आविष्कार होता था, तो उसे पेटेंट प्रदान नहीं किया जा सकता था, चाहे विषय वस्तु ईंधन चक्र चरण हो, एनरिचमेंट हो, सुरक्षा सेंसर हो या अस्पताल इमेजिंग उपकरण हो।

पूर्व धारा 4 जो परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 की धारा 20 (1) पर आधारित के तहत, परमाणु ऊर्जा से संबंधित सभी आविष्कारों के लिए पेटेंट निषिद्ध थे, जिसमें केंद्र सरकार को अनिवार्य रूप से खुलासा करना, केंद्र सरकार की अनुमति के बिना भारत के बाहर पेटेंट आवेदन दाखिल करने पर प्रतिबंध और सरकारी प्रतिष्ठानों में या सरकारी अनुबंधों के तहत विकसित आविष्कारों का सरकारी स्वामित्व शामिल था।

नई व्यवस्था में परमाणु ऊर्जा और विकिरण के शांतिपूर्ण, नागरिक अनुप्रयोगों के आविष्कारों के लिए पेटेंट दिए जा सकते हैं, जो पेटेंट अधिनियम, 1970, और शांति एक्ट, 2025 की धारा 38 के सुरक्षा उपायों के अधीन होंगे।

पेटेंट योग्य विषय: औद्योगिक माप, चिकित्सा और कृषि संबंधी परमाणु अनुप्रयोग:

कैंसर उपचार के लिए रेडियोफार्मास्युटिकल्स, रेडियोथेरेपी सॉफ्टवेयर और नियंत्रण प्रणालियाँ।

सटीक निदान: उन्नत परमाणु इमेजिंग, एआई-सक्षम न्यूक्लियर डायग्नोस्टिक, निदान या उपचार के लिए नियंत्रित विकिरण से संबंधित प्रौद्योगिकियां और अनुकूलित ऑन्कोलॉजी।

नुक्लिअर डाटा एनालिटिक्स, पर्यावरण सुरक्षा, निगरानी और पर्यावरणीय अनुप्रयोग।

परमाणु अनुसंधान वातावरण में उपयोग किए जाने वाले दक्षता बढ़ाने वाले घटक, विकिरण वितरण प्रणालियों, रिएक्टर सुरक्षा प्रणालियाँ।।

मापन उपकरण, औद्योगिक निगरानी उपकरण, दबाव नियामक।

परमाणु संयंत्रों में प्रयुक्त नियंत्रण एल्गोरिदम, सिमुलेशन सिस्टम, रिसाव का पता लगाने और उसे रोकने की तकनीकें।

छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों, अनुसंधान एवं विकास तथा नॉन-पावर ऍप्लिकेशन्स।

अर्थात इन आविष्कारों का स्पष्ट उद्देश्य शांतिपूर्ण, नागरिक या नियामक अनुमोदन के तहत लाइसेंस प्राप्त उपयोग होना चाहिए।

सरकार का नियंत्रण रहेगा:

पेटेंट कानून की धारा 35, 39 व 157ए के तहत जो अविष्कार राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए, संवेदनशील, जो रणनीतिक सरकारी गतिविधियों से संबंधित हैं, या जो राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर डालते हैं, उन्हें पेटेंट नहीं कराया जा सकता।

गतिविधिया जो केंद्र सरकार या उसके पूर्ण स्वामित्व वाली किसी संस्था या कारखाने द्वारा ही स्थापित या संचालित की जाएंगी:

निर्धारित या रेडियोएक्टिव पदार्थों का एनरिचमेंट या आइसोटोपिक सेपरेशन (जब तक कि अन्यथा सूचित न किया जाए)।

खर्च किए गए ईंधन का प्रबंधन जैसे रीप्रोसेसिंग, रीसाइक्लिंग, रेडियोन्यूक्लाइड सेपरेशन, और उच्च-स्तरीय कचरे को संभालना।

भारी पानी का उत्पादन और अपग्रेडेशन।

सरकार द्वारा विशेष रूप से अधिसूचित कोई अन्य सुविधाएं या गतिविधियां।

कुछ महत्वपूर्ण पहलू:

आवेदक पेटेंट फाइलिंग से पूर्व विषय-वस्तु को अच्छे से विश्लेषण कर ले, तब दावों में परमाणु शब्दावली को आसानी से प्रयुक्त कर सकेंगे ((शांति अधिनियम की धारा 38(1) और 3(5) आधार बनेगा)।

पेटेंट पात्रता का मूल्यांकन अब पेटेंट कानून और क्षेत्र में संप्रभु सुरक्षा प्रावधानों और विषय विशिष्ट एक्सक्लूशन पर आधारित होगा।

रिसर्च और उद्योग में अनिश्चितता कम करके, शांतिपूर्ण अनुप्रयोगों- में नवाचार को सक्षम बनाकर भारत के रणनीतिक बौद्धिक संपदा पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करेंगे।

पेटेंट ऑफिस द्वारा समबन्धित प्राधिकरण के सहयोग से परमाणु ऊर्जा संबंधी आविष्कारों के परीक्षण के दिशानिर्देश जारी हो।

शांतिपूर्ण परमाणु प्रौद्योगिकी को परिभाषित करने के लिए कानूनी मानदंड निर्धारित हो।

नया कानून उन नवप्रवर्तकों, वाणिज्यिक के साथ साथ अनुसंधान व विकास संस्थानों के लिए मायने रखता है, जिन्हें पहले लगता था कि भारत में नुक्लियर ऊर्जा व रेडिएशन समन्धित समस्त श्रेणीयों पेटेंट के लिए पूर्ण रूप से बंद है।

यह बदलाव उस समय पर परिलक्षित हुआ है जब भारत अपनी क्लीन एनर्जी के दायरे को बढ़ाने के साथ अन्य क्षेत्र जैसे हाई-एन्ड मैन्युफैक्चरिंग सहित अन्य स्ट्रेटेजिक एरिया में निवेश कर रहा है। आने वाला नजदीक समय महत्वपूर्ण होगा जिसमे पेटेंट ऑफिस के संभावित दिशानिर्देश, पेटेंट ऑफिस द्वारा परीक्षण रिपोर्ट, सम्बंधित न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय, समबन्धित विभाग द्वारा जारी कोई स्पष्टीकरण, स्टेकहोल्डर्स के सुझाव आदि से पेटेंट योग्यता में स्पष्टता आएगी।

-विकास आसावत,
पेटेंट अटॉर्नी एवं एडवोकेट

राज्यपाल बागड़े ने पुष्कर में श्री साईं धाम मंदिर का लोकार्पण किया

पुष्कर, (निसं)। तीर्थ नगरी पुष्कर के खरेखड़ी रोड पर नवनिर्मित श्री साईं बाबा मंदिर का लोकार्पण रविवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ किया। इस अवसर पर पुलिस एवं प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

रविवार सुबह राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े समारोह में भाग लेने श्री साईं धाम पहुंचे। उन्होंने साईं बाबा के दर्शन कर दीप प्रज्ज्वलन के साथ पूजा-अर्चना की तथा नवनिर्मित मंदिर का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, पुष्कर नगर परिषद के निवर्तमान सभापति कमल पाठक, उपसभापति शिव स्वरूप महर्षि, भाजपा नेता अरुण वैष्णव एवं सामाजिक कार्यकर्ता अरुण पाराशर ने राज्यपाल का माला पहनाकर स्वागत किया। लोकार्पण के पश्चात राज्यपाल बागड़े ने साईं धाम परिसर में स्थित नवग्रह मंदिर सहित अन्य देवी-देवताओं के मंदिरों के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। साईं मंदिर के पदाधिकारी विशाल नवाल ने बताया कि मंदिर परिसर में देवी-देवताओं की प्रतिमाओं के साथ नवग्रह, नक्षत्रों से संबंधित पौधों का रोपण भी किया गया है।

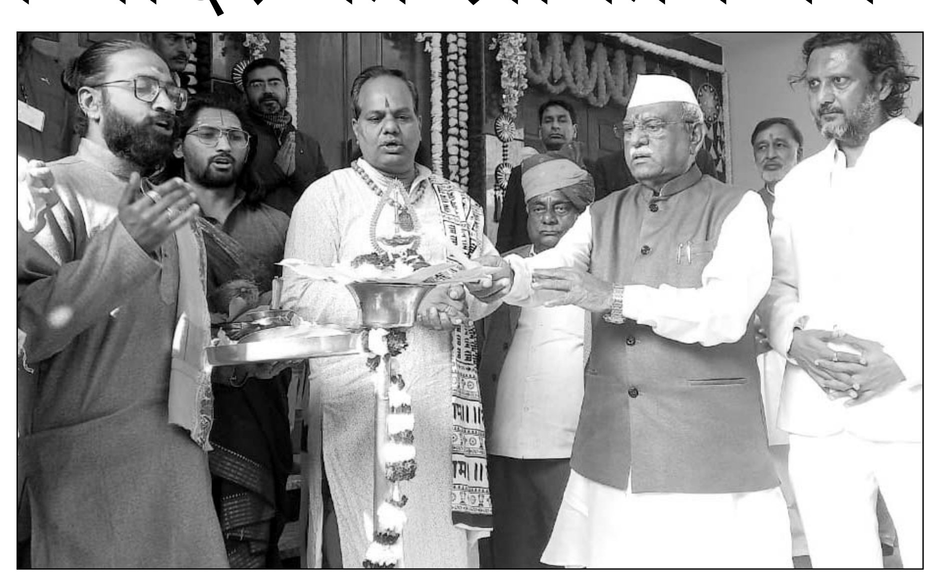

पुष्कर में नवनिर्मित श्री साईं बाबा मंदिर का लोकार्पण राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने किया।

पत्रकारों से बातचीत में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि पुष्कर के खरेखड़ी स्थित साईं धाम को राजस्थान वासियों के लिए शिर्डी के साईं बाबा धाम की तर्ज पर विकसित किया गया है, जिससे प्रदेशवासियों को यहीं शिर्डी जैसे आध्यात्मिक अनुभव का लाभ मिलेगा। उन्होंने आमजन से पर्यावरण संरक्षण का आव्हान करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के पुष्कर आगमन पर जवाहर फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। फाउंडेशन के प्रभारी शिवकुमार बंसल ने राज्यपाल को संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी।

■ लोकार्पण के पश्चात राज्यपाल बागड़े ने साईं धाम परिसर में स्थित नवग्रह मंदिर सहित अन्य देवी-देवताओं के मंदिरों के दर्शन कर आशीर्वाद लिया

उन्होंने बताया कि जवाहर फाउंडेशन द्वारा समाजसेवी एवं उद्योगपति रिजु झुनझुनवाला के मार्गदर्शन में अजमेर सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों में 11 स्वाभिमान भोज रसोई संचालित की जा रही हैं। इन रसोइयों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग पांच हजार जरूरतमंदों को मात्र एक रुपये में शुद्ध, स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इस अवसर पर फाउंडेशन के मनीष अग्रवाल, मुकेश राठौर, भारत सिंह राणा, राजेंद्र वर्मा एवं मनीष सेन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मौनी अमावस्या पर पुष्कर में आस्था का महासंगम दिखा

देश के विभिन्न हिस्सों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र सरोवर में स्नान किया

पुष्कर, (निसं)। माघ मास की पावन मौनी अमावस्या के अवसर पर तीर्थराज पुष्कर में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत नज़ारा देखने को मिला। रविवार तड़के से ही पुष्कर सरोवर के बावन घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। देश के विभिन्न हिस्सों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र सरोवर में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया तथा अपने दिवंगत पूर्वजों की आत्मशांति के लिए पिंडदान एवं तर्पण किया।

ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। सरोवर के घाटों पर वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का वातावरण बना रहा। श्रद्धालु स्नान के उपरांत दान-पुण्य कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते नजर आए। कथा वाचक पंडित आशुतोष शास्त्री ने बताया कि शास्त्रों में मौनी अमावस्या का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन मौन रहकर स्नान, दान और पुण्य कर्म करने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है तथा पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि पुष्कर सरोवर में इस दिन किया गया स्नान समस्त तीर्थों के स्नान के समान फलदायी माना गया है।

तीर्थ पुरोहित फूलचंद पाराशर ने बताया कि बावन घाटों पर सुबह से लेकर दोपहर तक श्रद्धालुओं का निरंतर सैलाब देखने को मिला। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध कर्म संपन्न कराए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों पर पुरोहितों एवं सेवाधारियों की व्यवस्था रही। मौनी अमावस्या के चलते पुष्कर में मेला सा

■ श्रद्धालुओं ने दान-पुण्य कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के इंतजाम किए गए। पुलिस बल घाटों एवं प्रमुख मार्गों पर तैनात रहा, वहीं पालिका द्वारा सफाई एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। दिनभर पुष्कर में भक्ति, आस्था और अध्यात्म का अनुपम संगम दिखाई दिया। सरोवर के घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने एक बार फिर पुष्कर को आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बना दिया।

माघ मास की पावन मौनी अमावस्या पर पुष्कर सरोवर के बावन घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ नजर आई।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 19 जनवरी, 2026

माघ मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र दिन 11:52 तक, वज्रयोग रात्रि 8:45 तक, किस्तुघ्न करण दिन 1:48 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मकर, बुध-मकर, गुरू-मिथुन, शुक्र-मकर, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज कुमार योग दिन 11:52 से 2:15 तक है। आज श्री वल्लभ जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:40 तक, शुभ 9:59 से 11:18 तक, चर 1:57 से 3:16 तक, लाभ-अमृत 3:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:54

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

वृष
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण एवं धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

सिंह
वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है।

कन्या
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सेगमेंट में पहली बार ऐसे फ़ीचर्स#

- हाई इंटेंसिटी पोज़िशन लैम्प के साथ LED हेडलाइट
- हैज़र्ड लाइट विंकर
- SMS और कॉल अलर्ट के साथ ब्लूटूथ
- इको इंडिकेटर के साथ फुली डिज़िटल मीटर

Splendor+ WORLD'S NO.1 MOTORCYCLE

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

TOLL FREE NO. 1800-266-0018

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - IL. New Delhi - 110070, India. | CIN: L.35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com . Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ˜Based on the combined & cumulative dispatch volume of the Splendor range of motorcycles till March 2025. #Internal benchmarking on the basis of data available in public forums for 100cc segment bikes in India. Hero MotoCorp reserves the rights to modify or withdraw any or all the offers without prior notice. #Ex-showroom price of SPLENDOR+ XTEC 2.0 DRUM BRAKE in Rajasthan.

अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड़, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, सुप्रीम हीरो, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, आकड़ हीरो, अजमेर रोड, 9289922192, शुभम हीरो, सहकार मार्ग, 9289922207, कोटपूतली: चौधरी हीरो, 9289922797, एसोशिएट डीलर: मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स, 9579258884, जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स, 8003088062, करबला (जयपुर): सुपर मोटर्स, 8824088678, सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन, 9261499995, बगरू: लाम्बा मोटर्स, 97728 81888, भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स, 9314013185, चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल, 9950560918, बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स, 9414312552, सरफि ऑटोमोबाइल्स, 9414751333, दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स, 9352727667, शाहपुरा: सत्यम मोटर्स, 8104361919, हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स, 9314050594, फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414818930, जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स, 9828090676, जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स, 8769505565, पावटा: पंकज मोटर्स, 96104 26700, कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स, 9414228404, मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स, 8560000816, 9414643816, अचरोल: हैप्पी ऑटोमोबाइल, 9829321200, 7073888288 आंतेला: सैनी ऑटोमोबाइल्स, 7790999997, जयपुर: हार्दिक मोटर, 9828085118, रेनवाल मांजी: सालासर मोटर्स, 9001094391, मेढ़: किरण मोटर्स, 9314039090, झोटवाड़ा: प्राइम मोटर्स, 9358048181, वाटिका: बालाजी मोटर्स, 8875558222, 9549997999, तुंगा: जय बालाजी मोटर्स, 8094528008, 9549652279, कोटखावादा: श्री राम मोटर्स, 9414866716, विराटनगर: बागड़ा मोटर्स, 9928776482, वैशाली नगर: सिद्धिक मोटर्स, 9610444469, कुकस: आदित्य मोटर्स, 9829494009, दौलतपुरा: त्रिवेणी मोटर्स 6377644292, प्रताप नगर: आनंद मोटर्स 9773343232.

RS/Hero/06/25

पावटा में हाइवे पर टैंकर-ट्रेलर में भिड़ंत, केमिकल रिसाव से भीषण आग लगी

हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, दोनों वाहनों के चालकों ने कूदकर अपनी जान बचाई

पावटा में जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर टैंकर-ट्रेलर में टक्कर के बाद वाहनों में आग लग गई।

- बताया जा रहा है कि अनियंत्रित होकर केमिकल से भरा एक टैंकर अचानक अपनी लेन छोड़ते हुए दूसरे रोड पर जा पहुंचा और सामने से आ रहे ट्रेलर से भीषण टक्कर हो गई
- हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई, मौके पर मौजूद लोगों ने जान बचाकर इधर-उधर भागकर खुद को सुरक्षित किया
- केमिकल रिसाव से भीषण आग में जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग 48 व एक किलोमीटर एरिया घिर गया, मौके पर पहुंची दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पाया

पावटा, (निसं)। जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर रविवार देर रात को अनियंत्रित होकर केमिकल से भरा एक टैंकर अचानक अपनी लेन छोड़ते हुए दूसरे रोड पर जा पहुंचा और सामने से आ रहे ट्रेलर से भीषण टक्कर हो गई। टक्कर के साथ ही टैंकर में भरे ज्वलनशील केमिकल ने आग पकड़ ली और कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। बताया जा रहा है कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। वहीं दोनों वाहनों के चालकों ने कूदकर अपनी जान बचाई।

जानकारी के अनुसार हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की ऊंची-ऊंची लपटें और काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर तक दिखाई देने लगा। देखते ही देखते एक किलोमीटर का एरिया केमिकल बिखरने से आग की चपेट में आ गया। मौके पर मौजूद लोगों ने जान बचाकर इधर-उधर भागकर खुद को सुरक्षित किया। सूचना मिलते ही प्रागपुरा थाना पुलिस, प्रशासन और दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग बुझाने के लिए घंटों मशक्कत करनी पड़ी। एहतियातन दोनों ओर का यातायात पूरी तरह बंद कर दिया गया, जिससे हाइवे पर लंबा जाम लग गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन आग का गोला बन गए। अगर समय रहते ट्रैफिक नहीं रोका जाता तो बड़ा जनहानि का हादसा हो सकता था। फिलहाल आग पर काबू पाने के प्रयास जारी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

वहीं मौके पर कोटपूतली-बहरोड़ जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी, एसपी देवेन्द्र विश्नोई सहित आसपास के थाना क्षेत्रों के थाना अधिकारी सहित पुलिस जाब्ता तैनात है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि घटनास्थल के आसपास न जाएं और सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करें।

बड़ी घटना को अंजाम देने की आशंका में पांच बदमाश गिरफ्तार

उनियारा थाना पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर थार गाड़ी जब्त की।

- उनियारा थाना पुलिस ने काले रंग की थार गाड़ी भी जब्त की

टोंक, (निसं)। अति. पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन में चलाए जा रहे संदिग्ध व आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों की धरपकड़ अभियान के तहत उनियारा थाना पुलिस ने शनिवार को एक काले रंग की थार गाड़ी के साथ पांच आरोपी गिरफ्तार किए हैं। पुलिस ने मुखबिर से सूचना के बाद आपराधिक प्रवृत्ति में लिप्त एक कार में सवार पांच संदिग्ध अपराधियों किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की आशंका के तहत गिरफ्तार किया गया है।

उनियारा थानाधिकारी कालूराम ने बताया कि अभियान के तहत आरोपियों ने पुलिस को देखकर सवाई माधोपुर की ओर कार को दौड़ाया, तो पुलिस ने बड़ी घटना को अंजाम देने की आशंका के बाद आरोपियों की काली रंग की थार गाड़ी को बंसल पेट्रोल पंप के आगे शराब के ठेके के पास रुकवा लिया। कार सवार 5 अपराधियों से पूछताछ के बाद सन्तोषजनक जवाब नहीं देने बाद उनको गिरफ्तार किया गया। इस दौरान गाड़ी में तलाशी के बाद उनके कब्जे से 6 मोबाइल, 2 लोहे के पाइप जप्त किये गये, जिससे यह प्रतीत हो रहा था कि वे आपराधिक प्रवृत्ति के थे। मामले में पुलिस अपराधियों के आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य पहलुओं पर जांच कर रही है।

इस कार्रवाई में आरोपी राजकुमार पुत्र रामदयाल मीणा, बहादुर सिंह पुत्र नरेन्द्र सिंह पवार, ऋषि कुमार पुत्र तरुण कुमार, हेमेन्द्र सिंह पुत्र घलपत सिंह नरुकाएवं गणपत पुत्र राधेश्याम खटीक समस्त निवासी जिला सवाईमाधोपुर को गिरफ्तार किया है।

25 पैसे के इनामी हिस्ट्रीशीटर आदिल मिर्जा के अवैध निर्माण ध्वस्त किये

नगर पालिका सांगोद ने कार्रवाई कर हिस्ट्रीशीटर के दो मकानों पर चलाया बुलडोजर

- कार्रवाई के दौरान एसडीएम, तहसीलदार, पालिका अधिकारी एवं पुलिस के उच्च अधिकारियों के साथ अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा

कोटा, (निसं)। सांगोद इलाके में हिस्ट्रीशीटर आदिल मिर्जा के दो मकानों को नगर पालिका सांगोद ने कार्रवाई करते हुए ध्वस्त किया, अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई के दौरान पुलिस का अतिरिक्त जाप्ता मौके पर तैनात किया गया।

जानकारी के अनुसार नगर पालिका सांगोद ने क्षेत्र के अमृतखेड़ी गांव में कोटा ग्रामीण के 25 पैसे के इनामी हिस्ट्रीशीटर आदिल मिर्जा के बावड़ी क्षेत्र की सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करके बनाया गया दो मंजिला मकान एवं दूसरी जगह दो कमरों के मकान, दोनों मकानों पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त करने की कार्रवाई की। सांगोद थानाधिकारी अनिल गौतम ने बताया कि नगर पालिका सांगोद ने आरोपी आदिल मिर्जा के मकानों पर 10 जनवरी को अतिक्रमण हटाने का नोटिस चस्पा किया था, आदिल मिर्जा के दो अलग-अलग मकान जो अतिक्रमण करके बनाये गये थे, थानाधिकारी ने बताया कि नगर पालिका सांगोद ने कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माण को ध्वस्त किया। थानाधिकारी ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के लिये 100 से अधिक पुलिस जवानों का अतिरिक्त जाप्ता तैनात किया गया था। कार्रवाई के दौरान एसडीएम, तहसीलदार, नगर पालिका के अधिकारी एवं पुलिस के उच्च अधिकारियो के साथ-साथ अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया हुआ था।

हिस्ट्रीशीटर के घर दबिश में 17 लाख रुपये और सात कारतूस बरामद

- हिस्ट्रीशीटर लाला गिरफ्तार, भाई के साथ एमडी बेचता है, 5.29 ग्राम एमडी भी जब्त की
- दोनों भाई एमडी खरीदने वाले ग्राहकों से ऑनलाइन पेमेंट लेते थे, पुलिस ने क्यूआर कोड जब्त किये

बीकानेर, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर मोहम्मद राशिद उर्फ लाला के घर दबिश देकर 5.29 ग्राम एमडी और सात कारतूस बरामद किए है। हिस्ट्रीशीटर अपने भाई के साथ मिलकर एमडी बेचता है जिसकी बिक्री के 17 लाख रुपए भी जब्त किए गए है।

जानकारी के अनुसार सुबह सदर थाना पुलिस को इत्तला मिली थी कि एचएस राशिद उर्फ लाला के भुट्टों का बास सुभाषपुरा स्थित घर में मादक पदार्थ और अवैध हथियार है। एसएचओ सुरेन्द्र पचार और उनकी टीम ने पूरे घर की घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस ने घर के कमरे में मिले राशिद को गिरफ्त में लिया। घर की तलाशी ली तो कमरे में खिड़की के पास पर्दे के पीछे से एक पिट्ठू बैग मिला जिसमें से 17,05440 रुपए नकद, 5.29 ग्राम एमडी और प्लास्टिक की जिपर वाली थैलियां बरामद हुई। इसके अलावा सात कारतूस मिले। पुलिस ने नकदी, एमडी, कारतूस जब्त कर लिए। राशिद से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह अपने भाई जाहिद हुसैन के साथ मिलकर एमडी बेचता है। जाहिद बाहर गया हुआ है। पुलिस ने राशिद के खिलाफ एनडीपीएस का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच व्यास कॉलोनी पुलिस थाने के एसएचओ विक्रम तिवाड़ी को सौंपी गई है।

एसएचओ ने बताया कि राशिद सदर पुलिस थाने के एचएस है और उसके खिलाफ पुलिस थानों में 11 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस की टीम में एसआई हंसराज, एएसआई मदनलाल, कांस्टेबल शब्दल अली, भागीरथ, ममता और संतराम शामिल थे। पुलिस को एचएस राशिद के घर से तीन क्यूआर कोड मिले है। दोनों भाई एमडी खरीदने वाले ग्राहकों से ऑनलाइन पेमेंट लेते थे। इसके लिए दो पेटीएम और एक एयरटेल पेमेंट्स बैंक का क्यूआर कोड रखा हुआ था। पुलिस ने क्यूआर कोड जब्त कर लिए है। एचएस राशिद उर्फ लाला और उसका भाई जाहिद प्लास्टिक की जिपर वाली थैलियों में एमडी बेचते है। फलौदी में उनके रिश्तेदार उमरदीन से एमडी लाई जाती है जो वहां काबड़ीसर का रहने वाला है। भुट्टों का बास निवासी भाई खान फलौदी से एमडी लाकर राशिद और जाहिद को देता है। पुलिस ने दो मोबाइल भी जब्त किए है जिनकी कॉल डिटेल खंगाली जाएगी। आरोपियों से पूछताछ कर एमडी के नेटवर्क का पता लगाएगी।

भरतपुर में रेलवे के रिटायर्ड कर्मचारी से 3.50 लाख की सायबर ठगी

सायबर ठगी के आरोपी को गांधीनगर गुजरात से गिरफ्तार किया, पुलिस ने आरोपी से ठगी की पूरी रकम पीड़ित को वापस दिलवाई

पुलिस ने सायबर ठगी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

भरतपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मचारी का मोबाइल हैक कर 3 लाख 50 हजार रुपये की सायबर ठगी करने वाले एक आरोपी को भरतपुर पुलिस ने गांधीनगर (गुजरात) से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से ठगी की पूरी रकम पीड़ित को वापस दिलवा दी है।

जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनन्द के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय धर्मेन्द्र यादव एवं सहायक पुलिस अधीक्षक पंकज यादव के निकटतम सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। थाना कोतवाली भरतपुर के थानाधिकारी जितेन्द्र गंगवानी के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीम ने सायबर ठग को गुजरात से गिरफ्तार किया है। कोतवाल जितेंद्र गंगवानी ने बताया कि 15 नवंबर 2025 को मुस्तगीस गिरीज कॉलोनी, भरतपुर निवासी रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मचारी जयचन्द ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका मोबाइल हैक कर उनके बैंक खाते से आईएमपीएस के माध्यम से 3 लाख 50 हजार रुपये अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए।

इसके बाद आरोपी ने उक्त राशि को अन्य बैंक खातों में ट्रांसफर कर नकद निकाल लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। अनुसंधान के दौरान तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी समीर शशीकान्त भाई गज्जर पुत्र शशीकान्त भाई गज्जर, सुथार निवासी एल-205 शाल्विक सुकन फ्लैट, बावोल, थाना सेक्टर-7, गांधीनगर (गुजरात) को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपी के कब्जे से पीड़ित रेलकर्मी को ठगी की पूरी राशि वापस दिलवा दी गई है। आरोपी गांधीनगर (गुजरात) में दवाइयां एवं पैथोलॉजी लैब का व्यवसाय करता है। फिलहाल आरोपी के बैंक खातों एवं मोबाइल की गहनता से जांच की जा रही है, जिससे सायबर ठगी से जुड़े अन्य खुलासे होने की संभावना है।

डूंगरपुर में पेड़ से लटके मिले नाबालिग प्रेमी युगल के शव

दोनों के शव 15 दिन पुराने बताए जा रहे हैं, जिस वजह से बदबू भी आ रही थी

- 18 दिन से लापता थे, एक ही गोत्र के होने से परिजन शादी के लिए तैयार नहीं थे

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर के वरदा थाना क्षेत्र के मांडव गांव के पास पेड़ से नाबालिग प्रेमी युगल के शव लटके मिले। दोनों के शव 15 दिन पुराने बताए जा रहे हैं, जिस वजह से बदबू भी आ रही थी। दोनों एक जनवरी से घर से गायब थे। एक ही गोत्र के होने से परिजन शादी के लिए तैयार नहीं थे। घर से करीब 500 मीटर दूर पर दोनों के शव मिले हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

वरदा थानाधिकारी मोहम्मद रिजवान खान ने बताया कि सूचना मिली थी कि मांडव गांव के सांगेला तालाब के पास जंगल में एक पेड़ से युवक व युवती के शव लटके हुए है। वहीं शव काफी पुराने बताए जा रहे हैं, जिस वजह से काफी बदबू भी आ रही थी। सूचना पर वरदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर शवों की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी करवाई। जांच के दौरान शवों की पहचान होने के बाद पुलिस ने परिजनों को मामले की सूचना दी। सूचना पर दोनों के परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में दोनों शवों को पेड़ से उतरवाया और सागवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। परिजनों के अनुसार दोनों एक दूसरे से प्रेम करते थे और शादी करना चाहते थे, लेकिन दोनों का गोत्र एक होने से परिजन शादी के लिए तैयार नहीं हुए। जिसके बाद एक जनवरी को दोनों घर से निकल गए थे और तब से गायब चल रहे थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मादक पदार्थ सहित तीन गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने नशे के खिलाफ चलाये जा रहे ऑपरेशन गरूड़व्यूह के तहत नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए एक कार से अवैध मादक पदार्थ 06.94 ग्राम एमडीएमए बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि गुमानपुरा थानाधिकारी महेश कुमार ने मय जाप्ता रामचन्द्र पुलिया के नीचे कैथून रोड पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। शहर एसपी ने बताया कि चैकिंग के दौरान पुलिस टीम ने एक कार को रोककर उसकी तलाशी ली तो कार में तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ 06.94 ग्राम एमडीएमए पदार्थ मिला। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए तालाब गांव निवासी साजिद हुसैन (25), कैथून निवासी मोहम्मद इमरान उर्फ चिकना (35) एवं मोहम्मद इरफान उर्फ काका को गिरफ्तार किया।

कोटा में नौ लाख कीमत का अवैध डोडा-चूरा सहित दो तस्कर गिरफ्तार

मंडाना पुलिस टीम ने 48 किलो डोडा-चूरा सहित कार जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

कोटा, (निसं)। मंडाना पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए कार से अवैध मादक पदार्थ 48 किलो 820 ग्राम डोडा-चूरा सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये अवैध मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब नौ लाख रूपये बताई गई है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध गतिविधियों की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस उप अधीक्षक राजेश ढाका के सुपरविजन में मंडाना थाने के कार्यवाहक उपनिरीक्षक थानाधिकारी उत्तमसिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कोटा-झालावाड़ एनएच-52 पर टोल प्लाजा मंडाना के पास नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। ग्रामीण एसपी ने बताया कि वाहन चैकिंग के दौरान एक कार को रोककर उसकी तलाशी ली गई तो कार से पुलिस टीम को 48 किलो अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद हुआ। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा बरामद किये गये अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत 9 लाख रूपये करीब है। पुलिस टीम ने मौके पर मादक पदार्थ एवं कार को जब्त किया एवं एनडीपीएस एक्ट में जिला जैसलमेर के साकडिया निवासी प्रकाश राजपुरोहित (25) एवं देवीकोट निवासी सोमेन्द्र सिंह राजपुरोहित (22) को गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

प्रिंसिपल प्रमोशन के लिये काउंसलिंग स्थगित

- हाईकोर्ट के आदेश के बाद शिक्षा विभाग का फैसला

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग की ओर से प्रिंसिपल पदोन्नति के लिए शुरू की गई काउंसलिंग प्रक्रिया फिलहाल स्थगित कर दी गई है।

विभाग ने पिछले दिनों प्रिंसिपल के प्रमोशन के लिए काउंसलिंग की तैयारियां शुरू की थीं और इसके लिए एक मेरिट लिस्ट भी जारी कर दी गई थी। शिक्षा विभाग ने हाल ही में प्रिंसिपल पदोन्नति के लिए काउंसलिंग की तैयारी शुरू की थी। काउंसलिंग कैलेंडर के अनुसार 3801 प्रमोटी प्रिंसिपलों की वरियता सूची भी जारी कर दी गई थी। इस सूची के आधार पर काउंसलिंग के जरिए पदस्थापन किया जाना प्रस्तावित था। मेरिट के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के जरिए पदस्थापन दिया जाना था। इसके लिए विभागीय स्तर पर तिथियों और प्रक्रिया को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई थी। इसी बीच राजस्थान हाईकोर्ट ने इस संबंध में एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश जारी किया। हाईकोर्ट के आदेश के बाद शिक्षा विभाग ने काउंसलिंग प्रक्रिया को अगली आदेश तक के लिए स्थगित कर दिया है।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार हाईकोर्ट के निर्देशों की पालना में यह निर्णय लिया गया है। अब कोर्ट से आगे के आदेश आने के बाद ही काउंसलिंग को लेकर अगली कार्रवाई की जाएगी।

काउंसलिंग स्थगित होने से प्रिंसिपल पदोन्नति का इंतजार कर रहे शिक्षकों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। सभी की नजरें अब हाईकोर्ट के आगामी आदेश और शिक्षा विभाग के अगले फैसले पर टिकी हुई हैं।

पाटन में कछुआ बेचने के नाम पर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पाटन, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने कछुआ बेचने के नाम पर ठगी के मामले में फरार चल रहे पांच हजार रुपये के इनामी आरोपी घोलूराम बावरिया को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले चार वर्षों से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था।

पाटन थानाधिकारी रमेश मीणा ने बताया कि 12 मार्च 2021 को किशोरी लाल निवासी कांकड़ का तिबारा, दरीबा ने थाने में ठगी का मामला दर्ज कराया था। शिकायत के अनुसार, कृष्ण कुमार बावरिया ने मनोज कुमार और दिनेश कुमार को बिजली फिटिंग के काम के लिए अपने घर बुलाया था। इसी दौरान उनकी आपस में जान-पहचान हो गई। काम के दौरान कृष्ण बावरिया ने दोनों को बड़े मुनाफे का लालच दिया और अपनी बोलेरो, ब्रेजा गाड़ी व ट्रैक्टर दिखाकर भरोसा जीत लिया। 3 अप्रैल 2021 को कृष्ण बावरिया ने मनोज को फोन कर बताया कि दौसा की एक पार्टी के पास 'माल' है। इसके बाद उसने मनोज और दिनेश को पावटा बुलाकर सस्ते में कछुआ खरीदकर महंगे दामों में बेचने का झांसा दिया और 4 लाख 20 हजार रुपये की ठगी कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान मुख्य आरोपी कृष्ण बावरिया को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है, जबकि घोलूराम बावरिया और मामराज बावरिया घटना के बाद से फरार चल रहे थे। सीकर पुलिस अधीक्षक ने दोनों फरार आरोपियों पर 5-5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। वांछित आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम ने बल्लपुरा, छाजा की नांगल, नारनौल, झुंझुनूं, कोटपूतली, मुंडावर, थानागाजी और अलवर सहित कई संभावित ठिकानों पर दबिश दी। सायबर सेल सीकर के सहयोग से कॉल डिटेल रिकॉर्ड प्राप्त कर आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की गई। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने इनामी आरोपी घोलूराम बावरिया को गिरफ्तार कर लिया।

उधार सामान नहीं देने पर तीन युवकों ने दुकान की तोड़फोड़ की

जयपुर। तुगां थाना इलाके में एक दुकानदार को उधार सामान देने के लिए मना करना भारी पड़ गया। आवेश में आए तीन युवकों ने डंडे -सरिए से दुकान में जमकर तोड़फोड की और दुकानदार को मारने का प्रयास किया। गनीमत रहीं मौके पर मौजूद अन्य ग्राहकों बीचबचाव करते हुए दुकानदार को बचा लिया। वारदात के बाद आरोपी तीनों युवक बाइक पर बैठकर फरार हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

थानाधिकारी श्रीराम मीना ने बताया की थाना इलाके में स्थित देव गांव में किराने की दुकान है। बुधवार शाम चीता की ढाणी में रहने वाला एक लड़का दुकान पर आया और उधार सामान मांगने लगे। पीड़ित दुकानदार ने उधार सामान देने से मना कर दिया। इस दौरान कहासुनी कर के युवक वहां से वापस लौट गए। लेकिन रात करीब साढ़े 7 बजे युवक कार में सवार होकर तीन युवक आए और दुकान से कुछ ही दूरी पर बाइक को खड़ा कर लाठी-डंडे से दुकानदार पर हमला कर दिया और डंडे-सरिए से शॉप के बाहर रखे सामान में तोड़फोड़ की।

जयपुर में एरिया डोमिनेशन अभियान में 442 वांछित व असामाजिक तत्व गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट जयपुर में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से रविवार को एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत व्यापक स्तर पर कार्रवाई की गई। इस विशेष अभियान में शहर के उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम सभी जिलों में एक साथ दबिश देकर 442 वांछित व असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया गया।

यह अभियान पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के मार्गदर्शन में, विशेष पुलिस कमिश्नर(ऑपरेशन्स) राहुल प्रकाश के निर्देशन एवं पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह के निकट सुपरविजन में चलाया गया।

अभियान के तहत हार्डकोर अपराधी, हिस्ट्रीशीटर, आदतन अपराधी, महिला अत्याचार के मामलों में वांछित, जघन्य अपराधों के आरोपी, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, आबकारी एक्ट, साइबर अपराध, इनामी अपराधी, भगोड़े, स्थायी व गिरफ्तारी वारंटी सहित विभिन्न श्रेणियों के अपराधियों को चिह्नित कर अलग-अलग टीमें गठित की गईं।

अभियान में शहर के उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम सभी जिलों में एक साथ दबिश देकर 442 वांछित व असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया ।

सभी जिलों के डीसीपी द्वारा वांछित अपराधियों की सूची तैयार कर रेड टीम और रेड रूट बनाए गए। अभियान के दौरान कुल 204 पुलिस टीमों ने 827 स्थानों पर एक साथ दबिश दी। अधिकतम पुलिस बल की उपस्थिति सुनिश्चित की गई और वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं टीमों को ब्रीफ कर रवाना किया।

एरिया डोमिनेशन के दौरान कुल 204 टीमों ने 827 स्थानों पर दबिश दी। कार्रवाई में 442 वांछित व असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही स्थानीय व विशेष अधिनियमों के तहत 84 नए प्रकरण दर्ज कर 91 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 71 स्थाई वारंटी, उद्घोषित अपराधी व इनामी बदमाश, आर्म्स एक्ट के 4, एनडीपीएस एक्ट के 10 और आबकारी एक्ट के 61 मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार किया। एनडीपीएस एक्ट के तहत 21.65 ग्राम स्मैक तथा आबकारी एक्ट में 544 लीटर अवैध शराब जब्त की गई। वहीं 196 व्यक्तियों को धारा 170

पुलिस जांचकर्ता है जज नहीं, मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना बैंक खाता नहीं कर सकती फ्रीज

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने साइबर अपराधों के दौरान पुलिस की ओर से बैंक के संबंधित खातों को पूरी तरह फ्रीज करने को गलत माना है। अदालत ने कहा कि केवल संदेह के आधार पर किसी व्यक्ति का पूरा बैंक खाता फ्रीज करना विधि सम्मत नहीं है। ऐसे मामलों में खाता फ्रीज करने के लिए मजिस्ट्रेट के आदेश की जरूरत होती है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश विक्रम सिंह व अन्य की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि बीएनएसएस की धारा 106 पुलिस को संपत्ति की सीमित जब्ती का अधिकार देती है। वहीं धारा 107 के तहत किसी भी तरह की फ्रीजिंग केवल मजिस्ट्रेट के आधार पर हो सकती है। पुलिस को यह समझना होगा कि भुगतान की प्रणाली आरबीआई और भुगतान निपटान प्रणाली अधिनियम से नियंत्रित होती है, न कि पुलिस के विवेकाधिकार पर। अदालत ने सुझाव दिया कि केवल विवादित राशि पर लियन लगाया जाए, ताकि आरोपी की आजीविका प्रभावित न हो। अदालत ने कहा कि बीते साल साइबर अपराध से जुडी सौ जमानत याचिकाएं हाईकोर्ट में आई।

सार-समाचार

सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

जयपुर। श्योपुर रोड, सांगानेर स्थित एम्बिशन किड्स एकेडमी में सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत रैली निकाली गई। इस मौके पर आमजन को सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। प्राचार्या डॉ. अलका जैन व कार्यक्रम संचालिका उप आचार्या अनीता जैन ने बताया कि शुभारंभ संस्थान के अध्यक्ष डॉ. एमएल जैन 'मणि' तथा डॉ. शांति जैन 'मणि' ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सड़क सुरक्षा सप्ताह तहत अंतिम दिन निकली रैली में छात्र एवं शिक्षकों ने भाग लिया। इस मौके पर पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से सड़क सुरक्षा के विभिन्न स्वरूपों को प्रदर्शित किया गया तथा विशेष प्रार्थना सभाओं के माध्यम से सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों ने स्वयं सड़क नियमों का पालन करने और अपने परिवार व समाज को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ ली। सप्ताह भर चले इस आयोजन के दौरान विद्यार्थियों ने पोस्टर निर्माण, नारा लेखन, जागरूकता सत्र तथा संवादात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्हें यातायात नियमों, पैदल यात्रियों की सुरक्षा, हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग तथा ट्रैफिक संकेतों के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर शिक्षकों ने ड्राइविंग के दौरान तथा सड़क पर चलते समय मोबाइल के उपयोग को प्रतिबंधित करने पर जोर दिया तथा सुरक्षित आवागमन और अनुशासित व्यवहार के महत्व को रेखांकित किया।विद्यालय प्रबंधन की ओर से निदेशक डॉ. मनीष जैन ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

शिविर में 166 मरीजों की नेत्र जांच

जयपुर। शेखावाटी अग्रवाल समाज संस्था के बैनर तले व संजय एंड ज्योति अग्रवाल फाउंडेशन के सौजन्य से 155 वां निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर रविवार को विद्याधर नगर, सेक्टर-7 स्थित महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर शिविर में 166 मरीजों ने आंखों की जांच करवाई, जिसमें 113 व्यक्तियों को चश्मे वितरित किए साथ ही 16 व्यक्तियों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। इस अवसर पर संस्था के सदस्य नथमल बंसल ने बताया कि शिविर में सुरेश अग्रवाल, विनोद गुप्ता, अनिल सिंगड़ोदिया, सुरेश सिंगड़ोदिया, नाथूराम बिजाका, विनोद कुमार बजाज, , विशाल चमड़िया,, शिव कुमार जालान, ,अनिल शर्मा ,मुकेश बंसल, राजेश नालपुरिया, मुकेश मीणा व राजेंद्र सिंह मौजूद रहे।

दस साल से फरार चल रहे भू-माफिया रमेश मोरानी गिरफ्तार

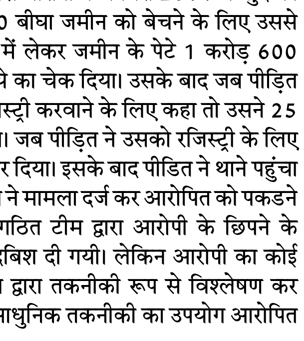

जयपुर। श्याम नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दस साल से फरार चल रहे एक शातिर भू-माफिया रमेश मोरानी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना नरैना जयपुर ग्रामीण में स्थाई गिरफ्तारी वारंट है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ललित किशोर शर्मा ने बताया कि श्याम नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दस साल से फरार चल रहे एक शातिर भू-माफिया रमेश मोरानी निवासी रानी सती नगर श्याम नगर को गिरफ्तार किया गया है। थानाधिकारी दलबीर सिंह ने बताया कि 5 फरवरी 2016 को परिवादी जगदीश प्रसाद शर्मा निवासी बगरू ने मामला दर्ज करवाया था कि आरोपित रमेश मोरानी ने जनवरी 2014 में खुद की मजबूरी बताते हुए स्वयं की 300 बीघा जमीन को बेचने के लिए उससे सम्पर्क किया और उसे विश्वास में लेकर जमीन के पेटे 1 करोड़ 600 लाख रुपये नकद व 5 लाख रुपये का चेक दिया। उसके बाद जब पीड़ित ने आरोपित रमेश मोरानी को रजिस्ट्री करवाने के लिए कहा तो उसने 25 लाख रुपए और देने के लिए कहा। जब पीड़ित ने उसको रजिस्ट्री के लिए फोन किया तो फोन उठाना बंद कर दिया। इसके बाद पीडित ने थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित को पकडने के लिए टीम गठित की गयी। गठित टीम द्वारा आरोपी के छिपने के सम्भावित स्थानों पर बार-बार दबिश दी गयी। लेकिन आरोपी का कोई पता नहीं चल पाया। गठित टीम द्वारा तकनीकी रूप से विश्लेषण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाये गये व आधुनिक तकनीकी का उपयोग आरोपित रमेश मोरानी को पकडा।

खेत में पतंग उड़ा रहीं आठ साल की नाबालिग से छेड़छाड

जयपुर। तुंगा थाना पतंग उड़ा रहीं आठ साल की बच्ची से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने परिजनो की शिकायत पर आरोपी युवक को शनिवार देर शाम पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि थाना इलाके में रहने वाले पीड़ित युवक ने मामला दर्ज कराया है कि उसकी आठ साल की बेटी गुरुवार शाम को खेत में पतंग उड़ा रहीं थी। इसी दौरान नाबालिंग को अकेला पाकर एक युवक उसके पास आया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। जिसके बाद आरोपी नाबालिंग को धमका कर मौके से चला गया। नाबालिग रोते -रोते घर पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई। आरोपी युवक की हरकतों के बारे में पता चलने के बाद परिजन पीड़ित नाबालिग को लेकर थाने पहुंचे और आरोपी युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी युवक को दबोच लिया।

आठ साल से फरार चल रहा राजेन्द्र कुमार गिरफ्तार

जयपुर। रामगंज थाना पुलिस ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 08 वर्षों से फरार चल रहे भरण पोषण के लिए कुर्की वसूली वारन्टी राजेन्द्र कुमार को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित वारन्टी के विरूध अलग-अलग न्यायालयो से प्राप्त 16 कुर्की वसूली वारन्टों का निस्तारण किया गया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि पुलिस मुख्यालय राजस्थान जयपुर द्वारा अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्यवाही रामगंज थाना पुलिस ने आठ साल से फरार चल रहे कुर्की वसूली वारन्टी राजेन्द्र कुमार निवासी भरतपुर हाल रामगंज जयपुर को गिरफ्तार कर कुल 16 कुर्की वसूली वारन्टों का निस्तारण किया गया।

रामगंज में पुलिस ने चौदह सक्रिय बदमाश पकड़े

जयपुर। रामगंज थाना पुलिस ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में सक्रिय चौदह आदतन अपराधियों को दबिश देकर पकड़ा है। अचानक हुई इस कार्रवाई से बदमाशों में दहशत का माहौल देखने को मिला। पुलिस ने सभी को थाने लाकर पूछताछ की और उनकी आपराधिक गतिविधियों की जानकारी जुटाई।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि पूर्व में चालान शुदा अपराधी और हिस्ट्रीशीटर समय-समय पर हत्या, लूट सहित गंभीर वारदातों को अंजाम देते रहे हैं। हाल के दिनों में जयपुर शहर में सक्रिय अपराधियों द्वारा की गई घटनाओं को देखते हुए कानून व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस आयुक्त जयपुर द्वारा एरिया डोमिनेशन के तहत प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।

इन निर्देशों की पालना में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर प्रथम नीरज पाठक के सुपरविजन और सहायक पुलिस आयुक्त रामगंज

- **चालान शुदा अपराधी और हिस्ट्रीशीटर समय-समय पर हत्या, लूट सहित गंभीर वारदातों को अंजाम देते रहे है**

आदित्य पुनिया के निर्देशन में थानाधिकारी रामगंज सुभाष चंद यादव के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन किया गया।गठित टीमों ने रामगंज क्षेत्र में निवासरत हार्डकोर हिस्ट्रीशीटरों और गुंडा तत्वों को चिन्हित कर उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखी। इसके बाद सुनियोजित ढंग से उनके निवास स्थानों पर दबिश देकर संदिग्धों को थाने लाया गया, जहां उनसे गहन पूछताछ की गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की कार्रवाइयां आगे भी लगातार जारी रहेंगी। ताकि असामाजिक तत्वों पर नकेल कसी जा सके और क्षेत्र में शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

जिन नियमों पर सवाल, वही उनके कार्यकाल में बने : देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के आगामी सत्र को लेकर कांग्रेस नेताओं और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की आपत्तियों पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कड़ा पलटवार किया है। देवनानी ने कहा कि गहलोत को पहले विधानसभा के नियम पढ़ने चाहिए, क्योंकि जिन प्रावधानों पर वे सवाल खड़े कर रहे हैं, वे उनके ही मुख्यमंत्री रहते हुए तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी के कार्यकाल में तय किए गए थे।

विधानसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि 16वीं विधानसभा के पंचम सत्र में किसी भी प्रकार का नया नियम या प्रावधान नहीं जोड़ा गया है। सदन की कार्यप्रणाली पूरी तरह पूर्ववत है और प्रश्नकाल, शून्यकाल, पर्ची व्यवस्था तथा प्रश्न पूछने की प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

देवनानी ने बताया कि जनवरी 2020 से ही प्रश्नों की ग्राह्यता, समयसीमा और संख्या से जुड़े नियम विधानसभा बुलेटिन में दर्ज हैं, जो निरंतर

- **विधानसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि 16वीं विधानसभा के पंचम सत्र में किसी भी प्रकार का नया नियम या प्रावधान नहीं जोड़ा गया है। सदन की कार्यप्रणाली पूरी तरह पूर्ववत है**

जारी होते रहे हैं। वर्तमान सत्र में भी वही प्रावधान लागू किए गए हैं।

पर्ची व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवालों पर उन्होंने कहा कि यह प्रणाली पहली बार वर्ष 1995 में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष हरिशंकर भाभड़ा के समय शुरू की गई थी। वर्ष 2021 में सी.पी. जोशी के कार्यकाल में इसे बंद किया गया, लेकिन बाद में जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के उद्देश्य से इसे दोबारा लागू किया गया। वर्तमान में केवल पर्ची और प्रश्न ऑनलाइन जमा करने की सुविधा जोड़ी गई है, प्रक्रिया में कोई मौलिक बदलाव नहीं हुआ है।

तुच्छ विषय शब्द के प्रयोग को लेकर देवनानी ने स्पष्ट किया कि यह प्रावधान राजस्थान विधानसभा की नियमावली में वर्ष 1956 से शामिल है। यही व्यवस्था लोकसभा और देश की अन्य विधानसभाओं में भी लागू है और इसमें कोई नया संशोधन नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रश्नों को सीमित क्षेत्र और यथासंभव हाल की जानकारी तक रखने का उद्देश्य विभागों को समय पर और सटीक उत्तर देने में सुविधा देना है, ताकि विधायक सदन में अपना पक्ष मजबूती से रख सकें।

देवनानी ने दो टूक कहा कि विधायकों पर किसी भी तरह की पाबंदी नहीं लगाई गई है। विधानसभा सदन निर्धारित नियमों और स्वस्थ संसदीय परंपराओं के अनुसार संचालित होता है और सभी सदस्य उन्हीं नियमों के तहत कार्य करते हैं।

अवैध हथियार और शराब सहित दो गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस थाना कोटखावदा की टीम ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत पूर्व में चालान शुदा अपराधियों की चेकिंग और मुखबिर की सूचना पर अलग-अलग कार्यवाहियों में अवैध हथियार और शराब सहित अपराधियों को निशाना बनाया। इस कार्रवाई में दो अभियुक्त गिरफ्तार किए गए, जबकि एक फरार है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि रविवार अलसुबह थाना कोटखावदा की टीम ने अभियान के दौरान दो अलग-अलग अभियुक्तों के कब्जे से अवैध हथियार बरामद किए। इनमें एक देशी बंदूक और एक धारदार पूरो शामिल है। इसके अलावा त्रिलोकीनाथ पुरा में सरसों की फसल के बीच हथकढ़ शराब बनाने की सूचना पर पुलिस ने 20 लीटर हथकढ़ शराब और करीब 5 हजार लीटर वाश को नष्ट किया। वहीं आदित्य पाटीदार उर्फ टिकू निवासी कोटखावदा और सुरजमाल बावरिया निवासी गोपाल नगर को गिरफ्तार किया गया और वहीं एक अन्य आरोपित श्रीराम मीणा निवासी त्रिलोकीनाथ पुरा फरार चल रहा है।

मालगाड़ी की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

जयपुर। बिंदायका थाना इलाके के सिंवार में स्थित श्री नंदेश्वर महादेव गौशाला के पास रविवार सुबह 46 वर्षीय व्यक्ति शिशुपाल मीणा की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही बिंदायका थाना ड्यूटी ऑफिसर शंकर लाल और कनकपुरा आरपीएफ चौकी प्रभारी हरिसिंह गुर्जर मय पुलिस जाप्ते तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे।

पुलिस ने मृतक का शव कब्जे में लेकर परिजनों को इसकी जानकारी दी।

पुलिस ने शव को एंबुलेंस की मदद से एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने बताया कि बिंदायका थाना क्षेत्र में हुई इस घटना की जांच शुरू कर दी गई है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

आईडीए राजस्थान की कार्यकारिणी की बैठक व राज्य स्तरीय कार्यशाला हुई

जयपुर। रविवार को इंडियन डेंटल एसोसिएशन राजस्थान द्वारा रोड जयपुर स्तिथ होटल में बायोमिमैटिक डेंटिस्ट्री विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ । आईडीए राजस्थान के सचिव डॉ जे एस वालिया ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि आईडीए राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष डॉ विनोद बिहानी थे ।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि आईडीए के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ हरीश भारद्वाज व प्रोफेसर डॉ नागेश बिंजू थे ।कार्यक्रम की अध्यक्षता आईडीए राजस्थान के प्रेसिडेंट इलेक्ट उदयपुर के डॉ भगवान दास राय ने की ।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ अरुण बाटड़ थे जिन्होंने दंत चिकित्सा से संबंधित नई तकनीक के बारे में जानकारी दी ।

कार्यक्रम के प्रारंभ मे आईडीए राजस्थान के अध्यक्ष डॉ प्रदीप जैन ने स्वागत भाषण दिया और आईडीए राजस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों

रोड जयपुर स्तिथ होटल में बायोमिमैटिक डेंटिस्ट्री विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ ।

की जानकारी दी।इस कार्यशाला में लगभग अस्सी दंत चिकित्सकों ने भाग लिया ।

आईडीए राजस्थान की कार्यकारिणी की बैठक में वर्षपर्यंत होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई जिसके तहत राजस्थान के विभिन्न स्थानों पर सीडीएच व सीडीई कार्यक्रमों कराने का निर्णय लिया गया ।इस अवसर पर प्रति वर्ष राज्यस्तरीय कांफ्रेंस भी आयोजित करवाने के बारे में विचार किया गया ।इस बैठक में डॉ राजा साध भीलवाड़ा से डॉ साबिर सीकर से डॉ रजत श्रीवास्तव जोधपुर से डॉ अभिजीत अस्थाना धौलपुर से डॉ सुनील राघव जयपुर ग्रेटर ब्रांच से कार्यक्रम में शामिल हुए ।

पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन

जयपुर। जगतपुरा महल रोड स्थित अक्षय पात्र के सामने स्थित घुमन्तु जाति बस्ती में रविवार को पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया।आचार्य पीठ से रेनू भट्ट ने विधि-विधान से यज्ञ संपन्न कराया। उन्होंने अपने उद्बोधन में स्वच्छता, शिक्षा और नशा मुक्ति पर विशेष जोर देते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण से तन-मन प्रफुल्लित रहता है। घुमन्तु समाज को हर प्रकार के नशे से दूर रहकर बच्चों की शिक्षा और श्रेष्ठ कार्यों में संसाधनों का उपयोग करना चाहिए।

यज्ञ का समापन शांति पाठ के साथ हुआ। सभी श्रद्धालुओं ने विश्व कल्याण की कामना के साथ एकाग्र भाव से आहुतियां अर्पित कीं। कार्यक्रम के प्रारंभ में वेदमाता गायत्री, पं. श्रीराम शर्मा आचार्य एवं भगवती देवी शर्मा जी के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजन किया गया।

इससे पूर्व घुमन्तु जाति समाज की महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। घुमन्तु जाति कार्य के महानगर संयोजक राकेश कुमार शर्मा के नेतृत्व मे बड़ी संख्या में महिलाएं मंगल कलश लेकर निकली।

कार्यक्रम संयोजक सर्वेश्वर शर्मा ने बताया कि घुमन्तु जाति बस्ती की महिलाओं ने गाजे-बाजे व डीजे के साथ नाचते-गाते हुए कलश यात्रा निकाली, जो पूरे बस्ती क्षेत्र में भ्रमण करती हुई यज्ञ स्थल तक पहुँची। इस अवसर पर घुमन्तु कार्य के मालवीय भाग के संयोजक किशन बंशीवाल ,

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मदन यादव एवं विशिष्ट अतिथि आशीष शर्मा रहे। साथ ही धर्म-आस्था से जुड़ीं डॉ. अलका गौड़, गालव भाग के संयोजक ओम श्रीमाल, अभिषेक शर्मा, गोविंद चोटिया, महेंद्र ज्योतिषी, श्रीराम दाधीच सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने यज्ञ में भाग लिया तथा प्रसादी ग्रहण की।

गुजरात में डॉ. सतीश पूनियां की पुस्तक 'अग्निपथ नहीं, जनपथ' का विमोचन'

जयपुर/सूरत। भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती से लेकर जनसेवा के सच्चे अर्थ को रेखांकित करने वाला प्रेरणादायी संदेश रविवार को गुजरात के सूरत में गूंजा। अवसर था भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां की पुस्तक अग्निपथ नहीं जनपथ के विमोचन समारोह का। यह पुस्तक जयपुर, दिल्ली के बाद अब गुजरात के सूरत में लॉन्च हुई, जिसके साक्षी बने राजस्थान, गुजरात, हरियाणा के प्रवासी गणमान्य लोग जो गुजरात में निवास करते हैं।

पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. पूनियां ने कहा कि राजनीति कोई अग्नि का रास्ता नहीं, बल्कि जनता की सेवा का जनपथ है। यह वह माध्यम है, जिससे आमजन की आवाज को मजबूती मिलती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राजनीति से

राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां की पुस्तक 'अग्निपथ नहीं जनपथ' का विमोचन हुआ।

भागने के बजाय उसे समझने और अपनाने की जरूरत है, क्योंकि बिना राजनीति के सदन में जनता की आवाज बुलंद नहीं हो सकती।

डॉ. पूनिया ने कहा कि, वर्ष 2018-2023 के कार्यकाल में राजस्थान विधानसभा का सदस्य रहा, मुझे आमेर की जनता ने विधायक चुनकर सदन में भेजा, इसके बाद भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने मुझे भाजपा राजस्थान अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी, तो एक विधायक होने के साथ-साथ

- **राजनीति आमजन की सशक्त आवाज, विधायक क्या होता है, जनहित के मुद्दे, विधानसभा की प्रकिया सहित तमाम लोकतांत्रिक बातें इस पुस्तक में समाहित**

मुझे राजस्थान में भाजपा संगठन की मजबूती को लेकर भी कार्य करने का अवसर मिला इस दौरान राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में गुलाबचंद कटारिया उपनेत प्रतिपक्ष के रूप में राजेंद्र राठौड़ जैसे वरिष्ठ और संसदीय परंपरा को बारीकी से समझने वाले अनुभवी नेताओं का मुझे मार्गदर्शन एवं नेतृत्व मिला और हम तीनों ने मिलकर सड़क से सदन तक कांग्रेस की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ बिगुल बजाया, आंदोलन किये और विधानसभा में युवाओं, किसानों और जनहित के मुद्दों को मुखरता से उठाया, जिसकी बदौलत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में 2023 में राजस्थान में भाजपा की सरकार बनी जो विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने के लिए कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि जब मैं भाजपा राजस्थान का प्रदेश अध्यक्ष था तो कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत मुख्यमंत्री थे उन्होंने पिछले दिनों फ्लाइट में मुलाकात के दौरान कहा था की गुलाबचंद कटारिया, राजेंद्र राठौड़ और सतीश पूनिया आप तीनों ने मिलकर हमारी कांग्रेस सरकार के खिलाफ जो प्रदेश में धरने प्रदर्शन किये, विधानसभा में जो मुद्दे उठाए उस वजह से हमारी कांग्रेस सरकार चली गई और भाजपा की सरकार बनी यह बात मैं स्वीकार करता हूं।

मोबाइल और नकदी लूट के दो आरोपित गिरफ्तार

जयपुर। विश्वकर्मा थाना पुलिस ने मोबाइल फोन और नकद रुपये लूटने की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीना हुआ मोबाइल फोन और नकद 13 हजार रुपये बरामद किए हैं। साथ ही वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी जब्त किया गया है। फिलहाल दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि 16 जनवरी को दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपित जगमोहन उर्फ संजय (42) निवासी पानीपेच और राम गोस्वामी (30) निवासी शास्त्री नगर को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों ने राहगीर को रोककर बातों में उलझाया और फिर मोबाइल व नकदी छीनकर फरार हो गए थे।पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपित आदतन अपराधी हैं और इनके खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

Brew Monday

Brew Monday, observed on the third Monday of January, is a day dedicated to mental health and community connection. Originally inspired by "Blue Monday," often called the most depressing day of the year, Brew Monday encourages people to reach out, share a cup of tea or coffee, and check in with friends, family, or colleagues. The day highlights the power of conversation and companionship in combating loneliness and stress during winter. By fostering small, meaningful connections over a simple brew, it reminds everyone that even a short chat can uplift spirits and support emotional well-being.

#DYNASTIES TO DEMOCRACY

Beyond Forts And Palaces

About cyclical change of government every five years, BJP leader Satish Poonia said the public of Rajasthan does not spare any, if you haven't worked, one pays

L-R Tabeenah Anjum, Deep Mukherjee, Anish Gawande, Satish Poonia, CP Joshi.

Tabeenah Anjum.

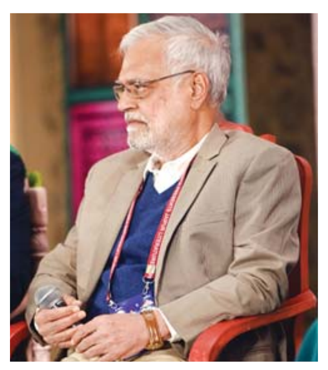

CP Joshi.

Rakhee Roytalukdar

There is so much beyond the magnificent palaces and forts of Rajasthan. The desert land is state of contradictions, has interesting people, whose political acumen needs to be applauded because it strongly believes in the 'revolving door policy,' having not repeated its government between the period 1993 to 2023. It actually isn't a state which just votes on the basis of caste, so said the young authors and journalists, Deep Mukherjee and Tabeenah Anjum of their newly released book 'From Dynasties to Democracy: Politics, Caste and Power Struggles-Rajasthan.'

The book was launched by Congress leader C P Joshi and BJP's Satish Poonia on the third day of the Jaipur Literature Festival being held here today. The session was moderated by Anish Gawande, author and national spokesperson of NCP.

Tabeenah, while talking about the idea of the book, said both of them have been reporting and doing ground reports since the last 16 years, and hence, they thought of collating their work in the form of a book in 2020, when the state was going through political turmoil. "But it has taken us five years to complete it as we researched thoroughly and deeply and tried including our field notes, read up the Assembly proceedings and wrote it in the form of case studies. Rajasthan is the biggest state and we have tried to fit in its story from 1949 to 2024 and writing it has not been an easy task. We have examined and analysed caste, power struggles and also talked to people, politicians who have given us fresh insights and rich anecdotes."

While talking about political maturity and contradictions of the desert state, Deep said, "It can be seen that Rajasthan has had an Opposition since 1952, unlike other states where there has usually been a majority party dominance. Despite talks of caste-driven politics of Rajasthan, it has had chief ministers, not always from the dominant castes. During our research, we also found that some of the issues which impact us now have their roots in the past. And that we have to connect the contemporary times with past. While on our reportage, we encountered many unique experiences which did not find place in the newspapers because of space crunch and restrictive bylines but we have tried to bring forth those stories in our book, also giving a sort of analysis as where is the politics of the state headed."

Anish Gawande.

Congress leader C P Joshi, talked about a unique tradition in the state, started by Mohan Lal Sukhadia, who believed there may be difference of opinion between leaders and parties but that should not derail the personal relations making it democratic process and without malice. And this continues till today.

On a question about cyclical change of government every five years, BJP leader Satish Poonia said that the public of Rajasthan does not spare any party or any leader, if you haven't worked, one has to pay the price.

The book takes a look at Rajasthan's political evolution from a feudal state ruled by kings and jagirdars to a dynamic electoral democracy. They delve beyond common perceptions to chart Rajasthan's political journey from its formation in 1949 to the 2024 Lok Sabha elections and beyond. The duo meticulously examines crucial historical moments - the rise of kisan sabhas and praja mandals, caste violence and Dalit agitations, Adivasi self-assertion and episodes of unrest, riots and lynchings.

Extensive firsthand reporting and rigorous archival research illuminate the power struggles between the BJP and the Congress, the pervasive influence of the RSS, persistent infighting within political parties and the formidable challenges faced by prominent leaders like Bhairon Singh Shekhawat, Baldev Ram Mirdha, Ashok Gehlot, Sachin Pilot, Vasundhara Raje and others.

Amrita Mahale.

Saavdhaan! There's A Beast Within!

Anirban said, "I am a strong believer of serendipity and things that are sometimes fated to happen. And this is something I noticed when writing my first book on India's serial killers. Why was that one person chosen to be killed out of the thousands or why a six-year old was killed, questions for which answers are difficult to find. There is no justification for this. And it was simply destiny that the lives of four people in the Jaipur Tinder murder case collided and led to destruction. And that is what gets me excited as a non-fiction writer because as the saying goes, 'fact is much stranger than fiction' and you don't know what is waiting for you."

Rakhee Roytalukdar

Two intriguing real-life crimes. And two racy, gripping crime thrillers. Stories that make you edgy and uneasy as the police force unravel the mysteries step by step in the books. But their authors, Rudraneil Sengupta and Anirban Bhattacharyya, made it a fun-filled session, interspersing with crime and witty quips on the fourth day of Jaipur Literature Festival here at Surya Mahal, when they asserted that there can be no such thing as a perfect crime and it isn't possible in the present day.

The session titled The Murder Dualogue discussed Sengupta's debut novel 'The Beast Within', which deals with the mysterious death of a maid in an affluent family and Bhattacharyya's 'Swipe Right to Kill,' which is about the infamous Jaipur Tinder murder about how a young girl, who wished to become rich, conned thousands of men, murdered one and left him packed in a suitcase on a highway. The session was moderated by Amrita Mahale, author of the Himalayan mystery, Real Life. The trio discussed and unearthed uncanny realities of the crime world through fact and fiction.

Sengupta said he wanted his book to be centered around someone whose death is very, very easily forgotten in our society. 'The Beast Within' deals with the death of a young orphan girl from Jharkhand who worked as a domestic maid. He added, "One thing in India is that we are a very stratified society divided by caste, class, religion. And the treatment of people from different walks of life is extremely different. How the police will look at a crime and investigate and follow it up entirely depends on who you are and from what background you are from. And in my book, I try to find some catharsis to the fact that a young orphan girl is actually not forgotten."

Bhattacharyya said his book is about a girl, Priya Seth from a small town called Falna in Rajasthan's Pali district, who came to Jaipur and wanted to turn rich easily. She conned around 1000 men through dating apps like Tinder and websites and ultimately murdered one of them Dushyant Sharma and left him packed in a suitcase. "It is a human story of greed, of how four people wanted to reach beyond what was in their grasp and which culminated into this heinous crime."

On why such crimes happen and on the choice of the victim, Anirban said, "I am a strong believer of serendipity and things that are sometimes fated to happen. And this is something I noticed when writing my first book on India's serial killers. Why was that one person chosen to be killed out of the thousands or why a six-year old was killed, questions for which answers are difficult to find. There is no justification for this. And it was simply destiny that the lives of four people in the Jaipur Tinder murder case collided and led to destruction. And that is what gets me excited as a non-fiction writer because as the saying goes, 'fact is much stranger than fiction' and you don't know what is waiting for you."

Real life observations made their way into their book. Rudraneil used to do long form reporting for newspapers and worked on topics like how crime affects society. His "The Beast Within' taps on years of embedded reporting with the Delhi Police, crafting a gripping narrative following the mysterious death of a young domestic worker.

Sengupta said, "And so while reporting, I met police officers, and I went back to them not as a reporter but as someone who wanted to know more about their lives, how they spoke, how they moved and looked at not just the police procedures while working on cases. Thankfully, I found some police officers who agreed to my proposal and I shadowed them for some months and all of that is in my book. A lot of dialogue and observations are in my book, real-life situations, I even went on raids with police."

Bhattacharyya revealed that he got help from the police all through while writing this thriller. "I got access to the cop, Sardar Bhupendra Singh, who solved the case, that is from the horse's mouth. I got access to the crime scene and I could smell blood. Many believe when the accused gets arrested, it is the end of the mystery but actually it is the beginning when the police have to prove the crime in the court of law. They have to create a water tight case, forensics. One has to harden oneself up to write such crime cases."

Anirban Bhattacharyya.

#THE BEAST WITHIN

Talking about Priya Seth, the murderer, Anirban said, "She was a big fish in a small town, celebrated in her town but when she came to Jaipur, she found herself to be a small fish in a big town, she was also attracted to the affluence and wanted to earn money so that she could live a lavish life. Once she tasted chicken tandoori, she yearned for more and did not want to go back to square one. But she was brainy and had the acumen to pull off the con job."

Rudraneil Sengupta.

Rudraneil says he was tired of the crime reportage where one can only write only what is told to you on record. "I wanted to put a bit of myself in the story and I wanted to show the readers the things I see them as they were. Often, there have been situations where your sources have told you things far more interesting off the record but you could not pen them in your report. I didn't want to be restricted by off record and on record. And I thought fiction would work better than non-fiction in such a case."

For Bhattacharyya, also an actor and creator-producer of Savdhaan India and producer of Crime Patrol, it worked the other way around. He said, "I had to stick to the facts. I decided to take the approach of fictional narrative, like Syed Hussain Zaidi, an investigative journalist. That is the way I chose, I had my facts and research and decided to tell it in the form of an interesting story for the reader to enjoy, so that you do not get caught up in dry facts. And to read between lines and decipher emotions and that gives one the joy of reading."

L-R - Amrita Mahale, Rudraneil Sengupta, Anirban Bhattacharyya.

On the sensation title especially "The Beast Within,' and who exactly is the beast, is it the beast within all of us or is it the corrupt, indifferent, cynical system or is it the honest, upright individual who refuses to adapt to it and shakes it up from within, Rudraneil says, "My protagonist inspector Prashant Kumar doesn't think of himself as somebody who can shake things up. He thinks of himself as someone dull and all other characters in my book are fighting personal battles like pain or grief that drags them down or past events they haven't gotten over, so that is the beast within each. We think of criminals as a different class of people but it is true that all of us have an ability to commit crime depending on our circumstances and what is triggering us. I actually wonder there is not so much more crime considering we have so much poverty. Probably, there is some innate goodness still left amongst people, that is why we don't have more crimes."

Bhattacharyya echoed, "There is a beast within us. One of us needs just one trigger, on the surface, we are all novel people and then, there is that one moment we lose the part. And that is the grainiest moment, and inside, we all flip and in the book, I have drawn up a chart that if they had not killed the boy, they would have got seven years for kidnapping."

About the tech-driven crimes which are on the rise, Bhattacharyya said, "This crime could have not taken place in 2010 or 2015. The face of the criminal has changed, criminals have become faceless. And at least in the Tinder case, we knew who we were dealing with but with cyber crime, we do not even know with whom we are dealing. I got conned myself transferring a large sum of money. And when I went to the police, they mocked me, saying 'You make Savdhan India'," making the audience erupt in laughter.

On a question about what kind of feeling they would want their readers to feel after reading the book, Bhattacharyya stressed it should make them more aware and cautious while for Rudraneil, "The readers should feel moved by the characters, their joy, their pain. If readers can feel them, my point is made."

But both crime fiction writers were emphatic that a perfect crime is not possible, especially in these interconnected and tech-savvy days. Rudraneil said, "I don't think there can be a perfect crime as there is surveillance and phones' exact locations can be determined. But there is a good way to get rid of bodies. Strip off clothes and anything which can be identified later, burn it and throw it in the canal. The body is likely to float up only after six to seven days, erasing all the forensics and any clues of identification. And that could possibly be by far 'the perfect murder'."

rajeshsharma1049@gmail.com

#A CONTINENT IN CRISIS

Russia, Ukraine and the European Story

Deputy Prime Minister of Poland, Radoslaw Sikorski said, "Putin wants to achieve his ultimate aim of controlling all of Ukraine and its resilience is the real problem for him"

Radoslaw Sikorski.

Navtej Sarna.

Abha Sharma

Russia Ukraine war has continued longer than anyone expected and there doesn't seem to be an immediate hope or sign of a ceasefire.

Russian President Vladimir Putin thought he would defeat Ukraine in three days and US President Trump thought his 28 point plan would end the conflict. But the conflict continues.

Discussing the evolving situation in Russia and Ukraine, Deputy Prime Minister of Poland, Rados?aw Sikorski said, "Putin wants to achieve his ultimate aim of controlling all of Ukraine and its resilience is the real problem for him. It is not just about territory; it is also about the geo-political orientation."

He was in conversation with former diplomat and accomplished author Navtej Sarna at the 19th Jaipur Literature Festival on Saturday.

Sarna cited Sikorski's essay in the New York Times where he had mentioned that Putin's long-term goals have not changed. He wants to regain the Russian empire, undermine security guarantees and weaken the US. There was a time when Russian President Vladimir Putin addressed Ukraine as dear brother, part of the same nation and now Ukraine is being bombarded every day. Sarna further asked him if there was a moment in history, perhaps in the days of Yeltsin and early Putin, that Russia would probably engage with the West-a different landscape of the United Europe.

The Russia-Ukraine war has meant loss of human lives and immense financial cost to both, he said. Some Ukrainian cities are facing a terrible time in the biting cold, where the temperature is as low as minus 20 degrees without electricity and hundreds of Ukrainians have been rendered homeless and living as refugees.

The Polish minister discussed Poland's role in responding to the crisis and said that they were lending all logistical support to Ukraine by way of tanks, fighter jets and aid to refugees as compared to many other European countries who have spent less on helping Ukraine. But Poland has so far refrained from sending any troops to Ukraine's aid, he added. He also expressed concern over Russia's hybrid warfare. He said how can Putin be trusted? When the head of a state publicly lies; when a state signs a treaty solemnly to respect the border like done in the 1994 Budapest memorandum. Russia had agreed to respect the independence, sovereignty and existing borders of Ukraine but broke the agreement by waging a full-scale invasion, he added.

"There have been fractured relations between Ukraine and India and among the European nations, India trusts Russia the most. Ukraine has opposed India in the UN at least on six occasions." When someone asked the Polish minister to comment on this, he said people have to experience Putin's trustworthiness themselves.

L-R - Radoslaw Sikorski & Navtej Sarna.

Sikorski has often talked about complete collapse of the international order in his speech at the Security Council and other platforms. When Sarna asked him if there were any chance of retrieval, he said the Security Council without India in it, which is one of the most populous countries on the earth, doesn't truly reflect all the important voices.

A young member of the audience asked Sikorski as to how can all nations collectively do something to prevent human right violations in all the conflicts that happen, he said that we all know principles and we need to stick to them. There is the UN Charter and other organizations to guide that. We need to respect freedom of press and judiciary and democracy is not just about the role of the majority but also minorities.

When asked how Poland is handling refugees walking in and how the war has changed the European economy, he said "the effects are mixed." Ukraine has shifted its fuel supply chain (petrol, diesel and natural gas) away from Russia and started relying on European partners including Poland.

Poland has seen a large influx of Ukrainian refugees needing access to social benefits and other aids, but on the other hand, their arrival has increased participation in the labour force. The Ukrainians are "exceptionally hard working people, especially women", he added.

Radoslaw Sikorski said barely three and a half decades ago, Poland embarked on a peaceful political and economic transformation - from a centrally planned system to a democratic, market-based economy. Since 1990, Poland's GDP per capita has increased more than eightfold. We have had our share of conflicts, insurrections, and wars, and we have never avoided taking up arms when necessary. Yet, the past 35 years have taught us a lesson: peace, predictability, and political order - when given a chance- can work miracles.

THE WALL

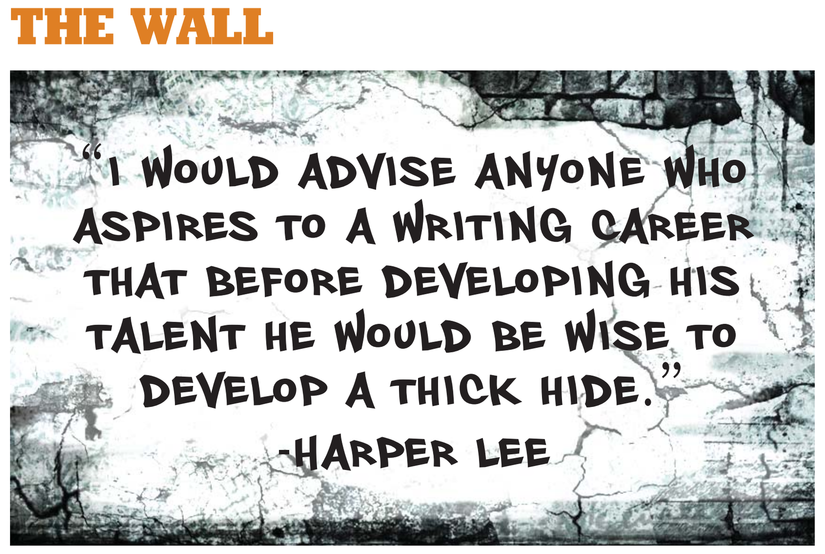

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

"अमरूद महोत्सव" का लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व कृषि मंत्री ने उद्घाटन किया

"अमरूद महोत्सव" जैसे आयोजन के जरिए लोगों को इस फल से जुड़े लाभों के बारे में जानकारी मिलेगी : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

सवाई माधोपुर, (निसं)। सवाई माधोपुर का अमरूद आने वाले दिनों में क्षेत्र के किसानों की जिंदगी में बेहतरी लाएगा। राज्य सरकार द्वारा जिले में अमरूद का प्रोसेसिंग प्लांट लगाया जाएगा, जिससे देश-विदेश में इस फल और इससे बने उत्पादों की मांग बढ़ेगी। देश में पहली बार आयोजित "अमरूद महोत्सव" इस दिशा में प्रयासों का पहला कदम है। इसके सुखद परिणाम जल्द ही दिखने लगेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्य के कृषि, उद्यानिकी, ग्रामीण विकास एवं आपदा प्रबन्धन मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने रविवार को दशहरा मैदान में "अमरूद महोत्सव" के उद्घाटन कार्यक्रम में यह बात कही। लोकसभा अध्यक्ष सवाई माधोपुर के 263वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित अमरूद महोत्सव एवं कृषि तकनीकी मेला-2026 के मुख्य अतिथि थे। कृषि, उद्यानिकी एवं ग्रामीण विकास आपदा प्रबन्धन मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा आयोजन की अध्यक्षता कर रहे थे।

सवाई माधोपुर में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने अमरूद महोत्सव और कृषि तकनीक मेले का उद्घाटन किया।

- सवाई माधोपुर में 150 करोड़ रुपये की लागत से अमरूद प्रोसेसिंग प्लांट लगाया जाएगा : मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा

बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की किसानों की आमदनी बढ़ाने की सोच के अनुसार काम करते हुए राज्य सरकार कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इन्हीं प्रयासों की कड़ी में सवाई माधोपुर में भारत में पहली बार अमरूद महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश-प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से किसानों, कृषि उत्पाद व्यापारियों और कृषि यंत्र एवं तकनीक से जुड़े विशेषज्ञों को साझा मंच उपलब्ध कराया गया है, ताकि वे अपने अनुभवों को साझा कर उन्नत कृषि को अपना सकें। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि बेशक अमरूद एक सस्ता फल है, लेकिन बहुत अधिक स्वास्थ्य-वर्धक है। अमरूद महोत्सव जैसे आयोजन के जरिए लोगों को इस फल के स्वास्थ्य से जुड़े लाभों के बारे में जानकारी मिलेगी। इससे बनने वाले अचार, जूस, पल्प, मिठाई आदि भी इस मेले में प्रदर्शित किए गए है। उन्होंने कहा कि यहां अमरूद के लाभ, इसकी खेती की नई तकनीक और उन्नत किस्मों तथा प्रसंस्करण की विधियों की जानकारी का आदान प्रदान हो रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री ने महोत्सव के दौरान सवाई माधोपुर में अमरूद का प्रोसेसिंग प्लान्ट लगाने की घोषणा की है। जब किसी कृषि उत्पाद का संवर्धन होता है, तभी किसान की वास्तविक आय बढ़ती है। इस प्रकार यह आयोजन क्षेत्र के अमरूद के किसानों की जिन्दगी बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

कृषि मंत्री डॉ. मीणा ने बताया कि राज्य सरकार जल्द ही सवाई माधोपुर की धरती पर 150 करोड़ रुपये की लागत से अमरूद का प्रोसेसिंग प्लान्ट स्थापित करेगी। राजस्थान में कुल 14 हजार हैक्टेयर अमरूद के बगीचों में से 11 हजार हैक्टेयर अकेले इस जिले में हैं। उन्होंने कहा कि सवाई माधोपुर का अमरूद यहीं पर खपने की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार की है। डॉ. मीणा ने कहा कि राजस्थान के अमरूद के किसानों की इस फल से आमदनी सालाना करीब 600-700 करोड़ रुपये है। सवाई माधोपुर में किसानों को अपना फल बेचने के लिए दिल्ली, बड़ौदा आदि जगहों पर नहीं जाना पड़े, इसलिए प्रोसेसिंग यूनिट की सख्त आवश्यकता है। प्रोसेसिंग प्लान्ट लगने से आस-पास के जिलों के साथ ही पड़ोसी प्रदेशों के अमरूद के किसानों को भी लाभ होगा। कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आने वाले समय में सवाई माधोपुर में 600 करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्य करवाएगी। उन्होंने कहा कि किसान कृषि यंत्रों, बागवानी, उत्पादों के प्रसंस्करण से जुड़े उद्यमियों और वैज्ञानिकों आदि के साथ संवाद करें और यहां लगी लगभग 250 स्टॉल्स को देखकर एक दूसरे से उन्नत कृषि की तकनीकी और किस्मों की जानकारी प्राप्त करें।

कृषि एवं आपदा राहत मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि डूंगरी बांध से केवल 9 गांव विस्थापित होंगे और उन गांवों की पूरी आबादी को सुव्यवस्थित घर, बिजली, पानी सहित सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। डॉ. मीणा ने बताया कि डूंगरी बांध इस योजना का सबसे बड़ा बांध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने इस योजना के लिए 90 हजार करोड़ रुपये का बजट रखा है। अमरूद महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम को जिला कलैक्टर काना राम, पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने भी संबोधित किया।

बीकानेर के बज्जू में 237 मामलों में 7500 बीघा भूमि का गलत आवंटन

बीकानेर, (निसं)। सीमांत क्षेत्र बज्जू में कृषि प्रयोजनार्थ भूमि आवंटन में भारी अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। राज्य सरकार की ओर से गठित कमेटी ने 342 पत्रावलियों की जांच की थी, जिनमें 237 मामलों में करीब 7500 बीघा भूमि के आवंटन में गड़बड़ियां उजागर हुई हैं। कमेटी ने सभी आवंटन खारिज होने योग्य माने हैं। इसके लिए तत्कालीन एसडीएम और एक कर्मचारी को चार्जशीट देने तैयारी की जा रही है।

- राज्य सरकार की ओर से गठित कमेटी ने 342 पत्रावलियों की जांच की थी, कमेटी ने सभी आवंटन खारिज होने योग्य माने हैं

जानकारी के अनुसार बज्जू में वर्ष 2021 से 2023 के बीच हुए कृषि भूमि के आवंटन में भारी गड़बड़ियां हुई। इनमें कोलायत में कपिल सरोवर के कैचमेंट एरिया और सीओ ऑफिस की जमीन भी गलत तरीके से आवंटित करने के मामले शामिल है। कांग्रेस के शासन में हुई इन गड़बडियों की शिकायत होने पर राज्य सरकार ने 28 मार्च 2025 को एडीएम सिटी की अध्यक्षता में कमेटी बनाई। कमेटी में उपनिवेशन विभाग के अतिरिक्त आयुक्त सतर्कता, कोषाधिकारी और जिला राजस्व लेखाकार को शामिल किया गया था। जांच के दौरान पता चला कुल 392 मामलों में भूमि आवंटन की कार्यवाही की गई थी, लेकिन 50 प्रकरण कमेटी को मिले ही नहीं, जिन्हें गायब करने की आशंका है। 34 प्रकरण कोर्ट में पेंडिंग थे। बाकी 342 प्रकरणों की जांच में 16 प्रकार की अनियमितताएं उजागर हुई हैं। सबसे बड़ा मामला बज्जू में उरमूल को आवंटित भूमि का आवंटन किसी और को करने का है। इन मामलों में तत्कालीन एसडीएम हरी सिंह शेखावत और वरिष्ठ सहायक कन्हैयालाल के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही करने की सिफारिश राजस्व विभाग से की गई है।

बताया जा रहा है कि इन गड़बडियों के पीछे रसूख वाले प्रभावशाली लोग और खनन माफिया की भूमिका होने के कारण काफी समय तक मामले दबे रहे। ऐसे लोगों ने दूसरों के नाम से जमीनें हथियाई थीं।

गौरतलब है कि इससे पहले 69 प्रकरणों में अनियमितताएं उजागर होने पर एसडीएम को 16 सीसीए की चार्जशीट मिल चुकी है। उरमूल परिसर को आवंटित भूमि में से चक 8/9 बीजेएम के मुरबा संख्या 24/14 आठ बीघा भूमि का आवंटन मनमर्जी से नोखा निवासी मांगीलाल पुत्र मोतीलाल को कर दिया गया। आवंटन के लिए इसे सलाहकार समिति के समक्ष नहीं रखा गया। परिसर में स्कूल और आवास भी बने हुए हैं। आवंटन सलाहकार समिति की अनुशंसा बिना 39 लोगों को जमीन आवंटित कर दी। टीसी आवंटन के 53 मामलों में गड़बडियां मिली। 31 मामले ऐसे भी मिले हैं, जिनमें पूर्व में आवंटित टीसी भूमि के खसरा नंबरों के स्थान पर अन्य खसरा नंबर अन्य गांवों में आवंटित कर दिए गए। सीलिंग सरप्लस जमीनों के आवंटन के लिए वर्ष 1988 के लंबित आवेदनों में उपनिवेशन क्षेत्र की बारानी भूमि की कैटेगरी बदलकर 20 लोगों को आवंटित कर दी गई, जबकि 2009 से उपनिवेशन की बारानी भूमि के आवंटन पर सरकार की रोक है। भूमिहीन श्रेणी के 662 मामलों में से केवल 31 मामलों में ही आवंटन का निणन्य लेना भेदभावपूर्ण माना गया है। पूर्व में टीसी के पुख्ता आवंटन के दो मामलों में दुबारा आवेदन लेकर डबल आवंटन कर दोहरा लाभ पहुंचाया गया।

दो मामले ऐसे भी मिले हैं, जिनमें आवंटी द्वारा अपनी पूर्व में आवंटित भूमि बेचने के बाद उक्त भूमि को अन्य व्यक्ति को आवंटित बताकर बदले में दुबारा आवंटन कर दिया गया। महाजन फायरिंग रेंज के विस्थापितों को कोलायत के कैचमेंट एरिया में दे दी जमीनें उपनिवेशन विभाग की ओर से आवंटित की गई जमीनों में भी गड़बडियां उजागर हुई हैं। ऐसे करीब 28 मामले सामने आए हैं, जिनमें महाजन फायरिंग रेंज के विस्थापितों को कपिल सरोवर के कैचमेंट एरिया और जिप्सम खनन क्षेत्र में जमीनों का आवंटन कर दिया गया। हालांकि ऐसे ज्यादातर मामले पूर्व में खारिज हो चुके हैं। इंदो का बाला, मढ़ और गोलरी गांव में भूमि आवंटन के चार मामलों में रिव्यू चल रहा है।

उपनिवेशन विभाग के तत्कालीन अफसरों ने कोलायत सीओ ऑफिस को आवंटित जमीन को भी नहीं छोड़ा। इंदो का बाला में खसरा नंबर 177 की 0.18 हेक्टेयर भूमि 2015 में सीओ ऑफिस के लिए आवंटित की गई थी। पुलिस विभाग को कब्जा भी दे दिया गया। इसी भूमि को वापस 2020 में लादूराम पुत्र रावता नायक को अलॉट कर दिया गया। जब मौके का वास्तविक निरीक्षण किया गया तो पता चला कि जमीन की तरमीम ही नहीं की गई थी। इसका रिकॉर्ड अब तक दुरुस्त नहीं हो पाया है।

रमेश देव, एडीएम सिटी बीकानेर का कहना है कि कोलायत और बज्जू के भूमि आवंटन के मामलों की जांच पूरी कर रिपोर्ट राजस्व विभाग को भेज दी गई है। जो पत्रावलियां नहीं मिली उन्हें भी जांच का हिस्सा माना है। जिला कलैक्टर ने 22(3) में आवंटन खारिज करने के प्रस्ताव पेश करने के आदेश तहसीलदार को दिए हैं।

वाहन चोर गिरफ्तार, तीन वाहन बरामद

कोटा, (निसं)। कैथूनीपोल पुलिस टीम ने स्कूटर चोरी के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया, साथ ही पुलिस टीम ने वाहन चोर के पास से कैथूनीपोल से चुराये गये स्कूटर सहित अन्य थाना क्षेत्र से चोरी किये गये दो वाहनों को बरामद किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 13 जनवरी को फरियादी ने कैथूनीपोल थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि 12 जनवरी को एक्टिवा स्कूटर से खरीदारी के लिये गया और वाहन को खड़ा करके गया था और जब वापस आया तो मौके पर स्कूटर नहीं था, जिसे कोई अज्ञात चोरी करके ले गया। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर चोरी का मामला दर्ज किया गया। मामले में आरोपी की तलाश के लिये कैथूनीपोल थानाधिकारी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। गठित टीम ने अभय कमाण्ड सेन्टर के सीसीटीवी कैमरों के फुटैज व घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटैज खंगाले। पुलिस टीम ने वाहन चोरी के मामले में सीसीटीवी फुटैज एवं मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए बालिता रोड बापू कोलोनी निवासी अर्जुन उर्फ मोटा (40) को गिरफ्तार किया गया। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी से कैथूनीपोल क्षेत्र से चोरी किये गये स्कूटर सहित अन्य दो थाना क्षेत्र से चोरी किये गये दो वाहनों को बरामद करने की कार्रवाई की गई। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

तीन घरों से पानी की मोटरें चोरी

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना शहर के छावनी क्षेत्र स्थित पुलिस के मोहल्ले में इन दिनों लगातार हो रही चोरियों से आमजन में भय बना हुआ है। वार्ड नंबर 27 में शनिवार रात चोरों ने एक ही रात में तीन घरों से पानी की मोटर चोरी कर ली। लोगों का कहना है कि रात्रि के समय क्षेत्र में आवारा युवक बेवजह घूमते रहते हैं, जिससे असामाजिक तत्वों की पहचान कर पाना मुश्किल हो जाता है। इसी का फायदा उठाकर चोर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि रात्रिकालीन पुलिस गश्त नियमित नहीं होने के कारण चोर बेखौफ होकर चोरी कर रहे हैं। पुलिस का मोहल्ला, छावनी नीमकाथाना निवासी आरटीआई विस्ट धर्मपाल सैनी ने बताया कि लगातार हो रही चोरियों से लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। यदि कोतवाली पुलिस रात्रि गश्त बढ़ाए और संदिग्ध लोगों पर नजर रखे तो चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है।

सूरजगढ़ थाना क्षेत्र में अपराधियों के ठिकानों पर दबिश दी

सूरजगढ़, (निसं)। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) और जिला पुलिस की संयुक्त टीमों ने सक्रिय अपराधियों पर सख्ती बरतते हुए बड़ा अभियान चलाया। इस दौरान झुंझुनूं जिले के सूरजगढ़ थाना क्षेत्र में अपराधियों के ठिकानों पर एक साथ दबिश दी गई। टीम ने श्रवण भालोठिया पुत्र नेकीराम जाट, निवासी स्यालू खुर्द सुरजगढ़ के घर पर छापा मारा। वहां मौजूद श्रवण भालोठिया के अलावा उसके घर पर मौजूद तीन अन्य व्यक्तियों को डिटेन कर लिया गया।

- एक बदमाश सहित तीन लोग डिटेन, एक अन्य फरार

एजीटीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त टीमों ने बदमाशों को पकड़ा।

इन सभी से गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि उनके आपराधिक नेटवर्क, पिछले कृत्यों और संभावित योजनाओं का पता लगाया जा सके। वहीं, दूसरे अपराधी नितिन पुत्र सज्जन जाट निवासी घरडू की ढाणी सूरजगढ़ के घर पर दबिश दी गई, लेकिन वह वहां मौजूद नहीं मिला। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है और उसे जल्द ही हिरासत में लेने के प्रयास जारी हैं। यह कार्रवाई अपराधियों में दहशत फैलाने और समाज में कानून का राज कायम करने की दिशा में पुलिस की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एजीटीएफ और स्थानीय पुलिस की यह संयुक्त मुहिम सक्रिय अपराधियों, गैंगस्टरों और असामाजिक तत्वों पर लगातार नकेल कसने का हिस्सा है।

चोर गिरोह का खुलासा : डूंगरपुर की सागवाड़ा थाना पुलिस ने गधा चोर गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना सहित दो आरोपियों को गुजरात से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी किए गए नौ गधे भी बरामद कर लिए हैं।

सागवाड़ा थानाधिकारी मनीष खोईवाल ने बताया कि जालोर निवासी ओबाराम रेबारी, जो वर्तमान में सागवाड़ा के प्रतापनगर में रहते हैं, उन्होंने 1 जनवरी को एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि 30 दिसंबर की रात को उनके डेरे से अज्ञात चोर नौ गधे चुराकर ले गए थे।

पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच के लिए एक टीम का गठन किया। पुलिस ने मुखबिर तंत्र और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपनी जांच शुरू की। जांच के दौरान आरोपियों के गुजरात के होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने गुजरात निवासी संजय बंजारा और पोपट उर्फ कालिया बंजारा को हिरासत में लिया और थाने लेकर आई।

बयाना : जमीन विवाद में हिंसक झड़प, पांच घायल

एक ही परिवार के दो पक्षों में विवाद हुआ

बयाना/भरतपुर, (निसं)। बयाना थाना क्षेत्र के गांव मुआवली में रविवार सुबह जमीन विवाद को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। विवाद घरेलू ईंधन के लिए लकड़ियां रखने की जगह को लेकर शुरू हुआ, जो देखते ही देखते मारपीट और पथराव में बदल गया। झगड़े के दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला किया, जिससे पांच लोग घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, निर्भय गुर्जर पुत्र भंवर और गिर्राज गुर्जर पुत्र शंकर पक्ष की महिलाओं के बीच कहासुनी के बाद विवाद बढ़ा। झगड़े में एक पक्ष से गिर्राज गुर्जर (62) तथा दूसरे पक्ष से निर्भय सिंह (54), भरत सिंह (44), निरंजन (35) और शत्रुघ्न (27) घायल हुए हैं।

सभी घायलों को बयाना उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिर्राज गुर्जर के सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची और घायलों से पूछताछ की। फिलहाल किसी भी पक्ष की ओर से रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चेक अनादरण के आरोपी को दोषमुक्त किया

तारानगर, (निसं)। तारानगर न्यायिक मजिस्ट्रेट अजयदीप सिंह ने चेक अनादरण के एक मामले में निर्णय पारित करते हुए तारानगर के निकटवर्ती गाँव पंडरेऊ टिब्बा निवासी गुलाबसिंह पुत्र रावताराम दोष मुक्त किया है।

गांव के ही राजेश कुमार पुत्र लालचंद गुलाबसिंह के विरुद्ध चार लाख रुपए के चेक अनादरण का मामला दर्ज करवाया था दोनों पक्षों की साक्ष्य के उपरांत न्यायालय द्वारा गुलाबसिंह को दोष मुक्त किया गया है। बचाव पक्ष ने अदालत में यह तर्क दिया कि परिवादी से आरोपी ने कोई ऋण नहीं लिया परिवादी ने चेक का दुरुपयोग कर मामला पेश किया है। अदालत ने साक्ष्य और गवाहों के बयानों को ध्यान में रखते हुए पाया कि परिवादी एक वैध ऋण के अस्तित्व को साबित करने में असफल रहा है। अदालत ने अपने फैसले में परिवादी द्वारा तथ्यों का लोप करते हुए सही तथ्य छिपाते हुए परिवाद न्यायालय में पेश किया जाना पाया। इसलिए अदालत ने अभियुक्त को दोषमुक्त कर दिया। गुलाबसिंह की ओर से पैरवी अधिवक्ता अनिल कुमार स्वामी तारानगर के सानिध्य में रहकर अधिवक्ता जीताराम शर्मा पंडरेऊ टिब्बा ने की।

के. के. गुप्ता के मार्गदर्शन में जोधपुर की स्वच्छता में सुधार की दिशा में ठोस पहल

उदयपुर, (कासं)। स्वच्छ भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई पहल को साकार करने के लिए दिन-रात जुटे रहने वाले राजस्थान ग्रामीण मिशन के समन्वयक और डूंगरपुर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष के. के. गुप्ता के अथक प्रयास अब सफल होते दिख रहे हैं। राजस्थान का ऐतिहासिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर जोधपुर लंबे समय से स्वच्छता व्यवस्था को लेकर चर्चा में रहा है। बढ़ती आबादी, पर्यटन दबाव, शहरी विस्तार और सीमित संसाधनों के कारण शहर की सफाई व्यवस्था कई बार सवालों के घेरे में आई है। इसी पृष्ठभूमि में जोधपुर की स्वच्छता को सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाने के लिए राजस्थान ग्रामीण मिशन के समन्वयक और डूंगरपुर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष के.के. गुप्ता से ली जा रही सलाह एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में सामने आई है। इस संबंध में तैयार की गई विस्तृत प्रगति रिपोर्ट हाल ही में राजस्थान हाईकोर्ट में प्रस्तुत की गई, जिसे न्यायालय ने गंभीरता से संज्ञान में लिया।

स्वच्छता जैसे जनहित से जुडे मुद्दों पर राजस्थान हाईकोर्ट की भूमिका समय-समय पर सक्रिय रही है। जोधपुर शहर की सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुडे मामलों में न्यायालय ने पहले भी नगर निगम और राज्य सरकार को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में, स्वच्छता विशेषज्ञ के.के. गुप्ता की सलाह पर चल रही स्वच्छता सुधार प्रक्रिया की रिपोर्ट हाईकोर्ट को सौंपी गई है। यह रिपोर्ट न केवल अब तक की प्रगति को दर्शाती है, बल्कि भविष्य की कार्ययोजना का भी खाका प्रस्तुत करती है। जोधपुर एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जहां मेहरानगढ़ किला, जसवंत थड़ा, उम्मेद भवन जैसे ऐतिहासिक स्थल देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। रिपोर्ट में बताया कि इन पर्यटन स्थलों, बाजार क्षेत्रों और प्रमुख चौराहों पर विशेष सफाई व्यवस्था लागू की गई है। नियमित सफाई, कचरा पात्रों की पर्याप्त व्यवस्था और सौंदर्यीकरण के माध्यम से शहर को स्वच्छ और आकर्षक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। स्वच्छता को केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी न मानते हुए जनभागीदारी को भी महत्वपूर्ण माना गया है। के.के. गुप्ता की सलाह पर नगर निगम द्वारा नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संगठनों और व्यापार मंडलों को इसमें शामिल किया गया है। रिपोर्ट में कहा है कि जब तक आमजन स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी नहीं मानेगा, तब तक स्थायी सुधार संभव नहीं है।

के.के. गुप्ता

- के.के. गुप्ता द्वारा तैयार की गई विस्तृत प्रगति रिपोर्ट हाल ही में राजस्थान हाईकोर्ट में प्रस्तुत की गई, जिसे न्यायालय ने गंभीरता से संज्ञान में लिया
- हाईकोर्ट ने प्रस्तुत रिपोर्ट पर संतोष व्यक्त करते हुए यह स्पष्ट किया कि स्वच्छता सुधार केवल कागजी नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर दिखाई देना चाहिए
- न्यायालय ने नगर निगम को निर्देश दिए कि विशेषज्ञ सलाह के अनुरूप तय लक्ष्यों की नियमित समीक्षा की जाए और अगली सुनवाई में अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए

रिपोर्ट में सफाईकर्मियों की भूमिका को भी प्रमुखता से रेखांकित किया गया है। विशेषज्ञ सलाह के अनुसार, सफाईकर्मियों को आधुनिक उपकरणों के उपयोग, स्वास्थ्य सुरक्षा और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्वच्छता व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया कि नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए निगरानी प्रणाली विकसित की गई है। इससे न केवल प्रशासन पर भरोसा बढ़ेगा, बल्कि स्वच्छता संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान भी संभव होगा।

हाईकोर्ट ने प्रस्तुत रिपोर्ट पर संतोष व्यक्त करते हुए यह स्पष्ट किया कि स्वच्छता सुधार केवल कागजी नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर दिखाई देना चाहिए। न्यायालय ने नगर निगम को निर्देश दिए कि विशेषज्ञ सलाह के अनुरूप तय लक्ष्यों की नियमित समीक्षा की जाए और अगली सुनवाई में अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। अदालत ने यह भी कहा कि स्वच्छता से जुड़े प्रयास सतत और दीर्घकालिक होने चाहिए, न कि केवल किसी विशेष अवधि तक सीमित।

जोधपुर की स्वच्छता को लेकर हाईकोर्ट में पेश की गई यह रिपोर्ट केवल एक औपचारिक दस्तावेज नहीं, बल्कि शहर के भविष्य की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण कदम है। इधर जोधपुर शहर की बिगड़ती सफाई व्यवस्था और कचरा प्रबंधन को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट का सख्त रुख जारी है।

इसी से जुड़े मामले में राज्य सरकार और नगर निगम ने कोर्ट को बताया है कि वे शहर को साफ रखने के लिए डूंगरपुर मॉडल के सूत्रधार के.के. गुप्ता की मदद ले रहे हैं। जस्टिस विनीत कुमार माथुर और जस्टिस चंद्र शेखर शर्मा की खंडपीठ ने गुरुवार को इस मामले पर सुनवाई की। सरकार की ओर से कोर्ट को आश्वस्त किया गया है कि शहर से गंदगी और मलबा हटाने के लिए एक ठोस योजना तैयार की जा रही है। कोर्ट ने सरकार के आग्रह पर प्रगति रिपोर्ट पेश करने के लिए समय देते हुए अगली सुनवाई तीन फरवरी को तय की है।

एक दर्जन अवैध आरा मशीनें सीज़, वन माफिया में हड़कंप

नदबई के अंतर्गत संचालित आरा मशीनों को वन विभाग की टीम ने सीज़ किया।

हलैना/भरतपुर, (निसं)। उपवन संरक्षक प्रमोद कुमार धाकड़ के निर्देशन में एवं क्षेत्रीय वन अधिकारी के नेतृत्व में रेंजर नदबई के अंतर्गत संचालित आरा मशीनों की जांच-पड़ताल की गई। जांच के दौरान अवैध रूप से संचालित पाई गई आरा मशीनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें सीज किया गया। इस कार्रवाई के दौरान हलैना क्षेत्र में नत्थन पुत्र हरभान गुर्जर निवासी झालटाला, शिवराम पुत्र सियाराम गुर्जर निवासी झालाटाला, राजेंद्र पुत्र केशव सिंह लुहार निवासी वेवर, विष्णु पुत्र राम खिलाड़ी जांगिड़ निवासी वेवर, चंद्रभान जाट निवासी जहांपुर तथा मानसिंह माली निवासी हलैना की अवैध आरा मशीनों को सीज किया गया।

वहीं नदबई क्षेत्र में सुरेश नाई निवासी नदबई, प्रहलाद लुहार निवासी लुहासा, दीवान जांगिड़ निवासी नदबई, करण जांगिड़ निवासी नदबई, परभाती जांगिड़ निवासी बैलारा एवं बाबूलाल जांगिड़ निवासी अरौदा की अवैध आरा मशीनों पर भी कार्रवाई की गई। कुल मिलाकर एक दर्जन अवैध आरा मशीनों को सीज किया गया तथा मशीनों पर पड़ी लकड़ियों को भी जब्त किया गया। इस कार्रवाई से अवैध रूप से आरा मशीन संचालन करने वालों में हड़कंप मच गया। कार्रवाई के दौरान सुमित सिंह वनपाल (नाका डहरा मोड), रेनू वाला वनपाल (नाका खेड़ी मोड़), हेमलता वनपाल (नाका हलैना), ओमेंद्र शर्मा, आकाश शर्मा, धर्मयुग, हुकम सिंह (वृक्ष पालक), रमन (वृक्ष पालक), लाखन सिंह (वाहन चालक) सहित वन विभाग का स्टाफ मौजूद रहा।

संक्षिप्त

सड़क हादसे में एक मौत

टोंक। निवाई में जयपुर-कोटा नेशनल हाईवे पर शनिवार देर शांय एक हादसे में एक युवक की मौत हो गई तथा दो अन्य घायल हो गए। हादसा निवाई हाईवे पर स्थित फिल्टर प्लांट के सामने वाले कट पर हुआ, जहां तीन युवक बाइक पर माधोलाव तालाब से मछली पकड़कर लौट रहे थे, तभी उनकी मोटरसाईकिल ट्रक से टकरा गई। हादसे की सूचना के बाद पंहुची हाईवे पुलिस ने घायलों को निवाई के राजकीय अस्पताल पहुँचाया। जहां चिकित्सकों ने सिराज उर्फ कालू नीलगर निवासी निवाई कुंडा को मृत घोषित कर दिया, वही हादसे में लोकेश खंगार और मानसिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जयपुर रेफर कर दिया है। निवाई थाना पुलिस ने मृतक के शव को मॉर्च्युरी में रखवा दिया है और ट्रक को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रदेशाध्यक्ष का स्वागत आज

दौसा। जिले भर के कांग्रेसी नेता एवं पदाधिकारी सोमवार को लालसोट बाईपास पुलिया के नीचे कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द डोटासरा को स्वागत करेगें। जिला प्रवक्ता मुकेश राणा ने बताया कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द डोटासरा सोमवार को जयपुर से भरतपुर एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे है। इस दौरान कांठोस के जिला अध्यक्ष रामजीलाल ओड के नेतृत्व में जिले भर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रात:11 बजे लालसोट बाईपास पुलिया के नीचे प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द डोटासरा का स्वागत किया जावेगा। उन्होंने सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से स्वागत में पहुंचने की अपील की है।

शातिर वाहन चोर पकड़ा

गोविन्दगढ़ /अलवर । सुधीर चौधरी आईपीएस जिला अलवर ने जानकारी देते हुए बताया कि डॉ. प्रियंका आरपीएस आतीरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जिला अलवर व कैलाश जिंदल आरपीएस वृत्त अधिकारी लक्ष्मणगढ़ जिला अलवर के निर्देशन में थाना अधिकारी गोविन्दगढ़ धर्म सिंह पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा एक चोरी मोटरसाइकिल सहित एक शातिर वाहन चोर निर्भर सिंह को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध चोरी, अवैध शराब के कुल 11 अपराधिक प्रकरण दर्ज है जिसके पास से एक मोटरसाइकिल बारामती की गई। आरोपी गिरफ्तार निर्भय सिंह उर्फ निरभी सिंह पुत्र भरत सिंह जाति रायसिख उम्र करीब 30 साल निवासी बुडली थाना सिकरी जिला डीग का निवासी है गठित टीम में गोविंदगढ़ थाना अधिकारी धर्म सिंह मोहनलाल सहायक उप निरीक्षक शरीफ कांस्टेबल 428 मुरारी लाल 2215 बृजेश कुमार 2192 पुलिस थाना गोविन्दगढ़ शामिल थे। टीम ने अठास्त प्रयासों से आरोपी को गिरफ्तार किया।

किसान महापंचायत की बैठक कल

निवाई। किसान महापंचायत के तत्वावधान में किसानों की समस्याओं को लेकर कृषि उपज मंडी में बैठक आयोजित होगी। महापंचायत के ब्लॉक अध्यक्ष दशरथ सिंह पलेई ने बताया कि किसानों की समस्याओं को लेकर कृषि उपज मंडी में स्थित भगवान श्री लक्ष्मीनारायण जी के मंदिर में 20 जनवरी को 12 बजे बैठक आयोजित होगी। जिसमें सैकड़ों किसान भाग लेंगे।

रूपवास में बसंत पशु मेले के शुभारंभ पर विवाद, विधायक व पूर्व विधायक में कहासुनी

■ **घटना के दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कुछ देर के लिए कार्यक्रम बाधित रहा। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो किसी ने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है**

बयाना भरतपुर (निस)। रूपवास में आयोजित बसंत पशु मेले के शुभारंभ समारोह के दौरान उस समय माहौल गरमा गया जब क्षेत्रीय विधायक रितु बनावत और पूर्व भाजपा विधायक बच्चू सिंह बंसीवाल के बीच मंच पर ही तीखी नोक झोंक हो गई।

विवाद भाषण देने को लेकर शुरू हुआ, जो देखते ही देखते व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप तक पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच पहले कहासुनी हुई, जिसके बाद एक-दूसरे को देख लेने और औकात बताने जैसी बातें कही गईं।

स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को बीच-बचाव कर मामला शांत कराना पड़ा। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने बताया कि कहासुनी के बाद भी दोनों नेता कुछ देर तक एक-दूसरे से उलझते रहे, जिससे कार्यक्रम की गरिमा पर भी सवाल खड़े हो गए। घटना के दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कुछ देर के लिए कार्यक्रम बाधित रहा।

इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो किसी ने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो के वायरल होने के बाद राजनीतिक हलकों में भी चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

हालांकि, कार्यक्रम के आयोजकों और प्रशासन की तत्परता से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और बाद में मेला शुभारंभ की औपचारिकताएं पूरी की गईं।

पुलिस प्रशासन ने फिलहाल किसी भी तरह की शिकायत से इनकार किया है।

घटना ने एक बार फिर सार्वजनिक मंचों पर नेताओं के आचरण और राजनीतिक मर्यादाओं को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

श्रीराम महाराज अघोरी ने राजपूत समाज की बेटी की शादी के लिए किया सहयोग

निवाई। गाँव काटोली के महाभारत कालीन माँ भद्रकाली व शिव मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीराम महाराज अघोरी के सानिध्य सैकड़ों धार्मिक आयोजन व जन कल्याण के कार्य आयोजित होते रहते हैं। पीठाधीश्वर श्रीराम महाराज अघोरी बाबा ने पूर्व में भी 161 बेटियों की शादियां करवाई गई थी। इसी प्रकार कुछ दिन पहले भी 18 बेटियों की शादी के लिए सहयोग किया था। सप्तमी व अष्टमी पर देसी जड़ी बूटियों व प्राकृतिक चिकित्सा से अब तक सैकड़ों लोगों का नशा छुड़ाया गया है। अघोरी बाबा 18 जनवरी को गंगापुर सिटी के दौरे के दौरान लोगों ने बताया कि एक बेटी की 23 जनवरी को शादी है। ग्रामीणों ने आव्हान किया कि आप गरीब बेटियों की मदद करते हो। जिस पर बाबा ने शादी में देने वाले बर्तन व कपड़े देकर राजपूत समाज की बेटी को आशीर्वाद दिया। महाराज ने कहा कि जब तक इस मायारूपी शरीर में प्राण है। तब तक मैं सर्वसमाज की मदद करता रहूंगा। इस दौरान आचार्य शम्भूदयाल शर्मा, कथा वाचक केदार शर्मा, महेंद्र मीणा, रवि मीणा, अक्षय शर्मा, केदार मीणा सहित कई लोग मौजूद थे।

'गरीबों से कुठाराघात कर रही है केन्द्र सरकार'

दौसा। दौसा विधायक डीसी बैरवा ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार मनरेगा को पूरी तरह से बंद कर गरीब एवं जरूरतमंद लोगों का रोजगार छीनन का काम कर रही है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दास्त नही किया जावेगा। दौसा विधायक डीसी बैरवा रविवार को ठााम-ठााम जनजागरण अभियान के तहत ग्राम खेडवाल, चावंडेडा, हरिपुरा, खुर्दी कला, बापी, रामपुरा उर्फ महाराजपुरा, चांदराना एवं नांगल बैरसी ठााम पंचायतों में आयोजित जनसभाओं में उपस्थित ठाामीणों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि कांठोस हमेशा गरीब, मजदूर, किसान और ठाामीण वर्ग के अधिकारों की आवाज रही है। मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर करने की किसी भी साजिश को कांग्रेस पार्टी कभी सफल नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो इस आंदोलन को और अधिक व्यापक एवं तेज किया जाएगा।

डीसी के निर्देश को सांभर पालिका ने दरकिनार किया

■ **गोरा-काला भैरव मंदिर से पूर्वियों के मोहल्ले तक नाली निर्माण का मामला**

सांभरझील, (निसं)। यहां के वार्ड 22 स्थित गोरा काला भैरव मंदिर से पूर्वियों के मोहल्ले तक आसपास से बहकर आने वाला गटर के पानी से लोगों को निजात दिलाने के लिए नाली निर्माण के लिए 5 साल से लगातार पार्षद ज्योति कुमावत की ओर से अधिशाषी अधिकारी व सहायक अभियंता को पत्राचार किए जाने के बावजूद इसका कोई समाधान नहीं निकल सका है। तमाम पत्राचार को जब पालिका ने बताया जा रहा है कि डर्टी पॉलिटिक्स के चलते दरकिनार कर दिया तो आखिरकार डिविजन कमिश्नर से इस संबंध में गुहार भी लगाई गई। तत्कालीन डिविजन कमिश्नर ने अपने पत्र क्रमांक 1285 दिनांक 18 अक्टूबर 24 व 1517 दिनांक 8 जनवरी 2025 को पार्षद के पत्र के आधार पर अधिशाषी अधिकारी को प्रकरण का नियम अनुसार

गोरा काला भैरव मंदिर से नाली निर्माण के अभाव में घरों के आगे गंदा पानी इकट्ठा हो जाता है।

निस्तारण करने हेतु निर्देश फरमाए थे लेकिन उसे भी फाइलों में दबा दिया। यह बताना जरूरी है कि गोरा काला भैरव मंदिर से जिस स्थान तक नाली निर्माण कर गंदे पानी की निकासी को झील के उस पार लेकर जाना है वह करीब 20 फीट नीचे है, यानी जब तक नाली का निर्माण नहीं होगा तब तक ऊंचाई से बहकर आने वाला तमाम तरह का गंदा पानी यहां के आसपास के रहने वाले लोगों के घरों के आगे इकट्ठा होता रहेगा। पानी सप्लाई के दौरान यह भी बताया जा रहा है कि गटर का पानी भी यहां इकट्ठा हो जाता है और पूरा मोहल्ला सडांध से भर उठता है जिसकी वजह से यहां के लोगों के फिजिकल प्रॉब्लम भी क्रिएट होने लगी है।

यहां के निवासी पूर्व पार्षद सद्दीक मोहम्मद व वार्ड वासी कुलदीप सिंह बताते हैं कि उन्होंने भी अधिशाषी अधिकारी व चेयरमैन को अनेक दफा इसके लिए अनुरोध किया था लेकिन उसके बावजूद भी उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई और पूरा मोहल्ला वासी इस समस्या से जूझ रहे हैं, खासकर उस वक्त जब पेयजल सप्लाई चालू होती है और बहकर आने वाला गंदा पानी यहां इकट्ठा हो जाता है।

जर्जर स्कूलों को मर्ज करने का विरोध

■ **दौसा विधायक डीसी बैरवा के नेतृत्व में ज्ञापन दिया जावेगा**

दौसा। दौसा विधायक डीसी बैरवा के नेतृत्व में कांग्रेसी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता 19 जनवरी को दौसा विधानसभा क्षेत्र में जर्जर विद्यालयों को मर्ज किये जाने के विरोध में मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के नाम एक ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौपा जावेगा।

दौसा विधायक डीसी बैरवा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा दौसा विधानसभा क्षेत्र के जर्जर, कण्डम घोषित राजकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों को अन्य विद्यालयों में मर्ज किए जाने के निर्णय के खिलाफ जनप्रतिनिधियों एवं ठाामीणों में रोष व्याप्त है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के नाम जिला कलेक्टर दौसा के माध्यम से ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक शिक्षा (आयोजना) विभाग, राजस्थान सरकार के 29 दिसंबर 2025 के पत्र के आधार पर दौसा विधानसभा क्षेत्र के कुल 23 विद्यालयों को जर्जर, कण्डम घोषित कर उन्हें नजदीकी विद्यालयों के भवनों में मर्ज किया गया है। इनमें मित्रपुरा, पण्डा मोहल्ला दौसा, मोहनपुरा, हरपट्टी, किशोरपुरा प्यारीवास, जीरोताकलां, देलाड़ी, झेरा, बाढ़ किशनपुरा, मुसोलाई, आनंदपुरा, बालाजी बनियाना, व्यास मोहल्ला दौसा, मोड़ा, मालगवास, रामसागर, ईटारड़ा, डाबरा की ढाणी, कानपुरा, रानीवास, ढाणी खेड़ा, दुबल्या जगरामपुरा एवं रामपुरा खुर्द सहित कई विद्यालय शामिल हैं। उन्होने बताया कि जिन विद्यालयों में बच्चों को मर्ज किया गया है, उनकी दूरी 2 से 5 किलोमीटर तक है। कई स्थानों पर बच्चों को विद्यालय जाने के लिए रेलवे लाइन या राष्ट्रीय राजमार्ग पार करना पड़ता है, जो उनकी सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। इसके अलावा जिन विद्यालयों में मर्ज किया गया है, वहां पहले से ही बैठने एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का अभाव बताया गया है।

देवली में अटल उद्यान की दुर्दशा

■ **लगभग 30 से 35 करोड़ के खर्चे से तैयार हुआ अटल उद्यान आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है**

देवली। इन दिनोंशहर के प्रमुख बाग-बगीचे और पार्क रखरखाव के अभाव में अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहे हैं। ऐसे ही हालात यहां अटल उद्यान के देखने को मिले हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले 12 वर्षों से शहर का ऑक्सीजोन कहे जाने वाले अटल उद्यान मेरखरखाव का अभाव इसलिए बना हुआ है कि । यहां कार्य से संबंधित ठेकेदार बगीचों की देखभाल मैं लापरवाही बरत रहे हैं। ऐसे में यहां जग जाहिर है कि अटल उड़ान के निर्माण से लेकर रखरखाव के कार्यों में भ्रष्टाचार की परत दर परत चढ़ी हुई खुलेआम देखी जा सकती है। ऐसे में जानकारी के अनुसार देवली पालिका प्रशासन ने अभी हाल ही में कुछ महीने पहले शहर के बगीचों के रखरखाव के नाम पर अपने चहते ठेकेदार को लगभग 40 लाख रुपए प्रति वर्ष का ठेका जारी किया है। इसके बावजूद यहां अटल उद्यान की घास सूखी हुई पड़ी है. तो वही रेलिंग टूटती चली जा रही है। साथ ही रनवे पथ की उखड़ी गिट्टीया दौड़ने वाले लोगों के पांव में चुभ कर उन्हें चोटिल कर रही है। तो वही रनवे पथ पर बने गड्ढे यहां निर्माण कार्यों में हुए भ्रष्टाचार की पोल खोल रहे हैं रखरखाव के अभाव में यहां हरी घास सुकती चली जा रही है। तो घास की जगह कटीले एवं जंगली पौधों ने अपनी जगह बना ली है। यहा समझने वाली बात तो यह है कि अटल उद्यान के देखरेख और रखरखाव के नाम पर आज भी प्रतिवर्ष लाखों रुपया खर्च किया जा रहा है। जो यहां उद्यान का रख रखाव और देखरेख की धरातल स्थिति पर नही होकर केवल कागजों तक ही सीमित बना होकर केवल मिली भगत की पूर्ति कर रहा है.। तो वही इन बाग बगीचों के रखरखाव पर अब केवल अव्यवस्थाऐ और गंदगी ही देखने को मिल रही है। ऐसे में यहा यह कहना कोई मुश्किल नहीं होगा कि कार्य से संबंधित अधिकारी और ठेकेदार मिलीभगत से सरकारी कोष को जमकर चूना लग रहा है। उल्लेखनीय है कि यहा अटल उद्यान सहित अन्य प्रमुख उद्यानों में कटीली झाड़ियाँ उग आई हैं और टॉय ट्रेन की पटरी पर कचरा बिखरा हुआ है,। तो वही पार्कों में लगी बेंचें, झूले और फव्वारे पूरी तरह से क्षितठास्त हो चुके हैं जो अपने साथ हुए भ्रष्टाचार का आइना दिखा रहे हैं। देखने वाली बात तो यह है कि यहां पर्याप्त पानी होने के बावजूद कीमती हरियाली और हर्बल के गार्डन उजड़ रहे हैं। साथ ही अटल उद्यान सहित शहर के अन्य पार्कों कीकईस्ट्रीट लाइटें खराब होकर बंद पड़ी हुई है। यहां पार्कों के इस हालातो पर स्थानीय निवासियों का आरोप है कि नगर पालिका को पार्कों की हो रही ऐसी दुर्दशा के बारे मे कई बार सूचित किया जा चुका है। इस सम्बंध में सुरेश कुमार मीणा अधिशासी अधिकारी नगर पालिका देवली टोंक का कहना है कि सर्दियों में सब जगह घास की स्थिति ऐसी रहती है कहीं एक आद जगह जंगली और कटीले पौधे अगर उग भी गये तो उन्हें हटवा दिए जाएंगे, बाकी अटल उद्यान की स्थिति ठीक है फिर भी जाकर देख लेंगे।

सार-समाचार

फर्जी आईपीएस गिरफ्तार

बहरोड/ भिवाडी। जिला पुलिस भिवाडी द्वारा गाडी के आगे पीछे पुलिस लिखे काले रंग की स्कोर्पियो सहित थाने में पहुंचे फर्जी आईपीएस सौरभ तोमर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि संदेह के आधार पर छानबीन के दौरान पता चला कि उक्त व्यक्ति फर्जी आईपीएस बनकर उक्त लोकसेवक को मिलने वाली सुविधाओं तथा रौब झाड़ने व टोल बचाने के चक्कर में फर्जी आईपीएस का कार्ड एवं वायरलेस हैंडसेट तथा पासपोर्ट एवं आधार कार्ड व चेक बुक एवं ब्लैक कलर की आगे पीछे पुलिस लिखी स्कॉर्पियो और मोबाइल फोन व लैपटॉप आदि दस्तावेजों के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। वहीं उक्त मामले में अनुसंधान जारी है।

मैच में सुपर ओवर से फैसला

निवाई। वनस्थली विद्यापीठ में पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता के छठवें दिन शाकुंतलम ठााउंड में आयोजित पहला मैच में भोपाल विश्वविद्यालय व मुंबई विश्वविद्यालय के बीच में खेला गया। विद्यापीठ के कोच उर्वेश शर्मा व प्रदीप शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में भोपाल विश्वविद्यालय ने 15 ओवर में टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 121 रन बनाए। 122 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई विश्वविद्यालय की टीम 15 ओवर में 7 विकेट खोकर 99 रन ही बना सकी। भोपाल विश्वविद्यालय ने मुंबई विश्वविद्यालय को 22 रनों से हराकर यह मैच अपने नाम किया। इसी प्रकार सयाजीराव गायकवाड यूनिवर्सिटी ऑफ बडौदा व मुंबई विश्वविद्यालय के बीच खेले गए मैच में मुंबई विश्वविद्यालय ने शानदार जीत दर्ज की। महाराजा सयाजीराव गायकवाड यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा ने पहले 15 ओवर में 79 रन बनाए। बाद में 80 रनों का पीछा करने उतरी मुंबई टीम 11.5 ओवर में ही तीन विकेट पर 83 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम 7 विकेट से विजयी रही। इसी प्रकार उदयपुर विश्वविद्यालय ने 15 ओवर में 87 रन बनाए। आखिरी ओवर तक चले रोमांचक मैच में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय ने 88 रन बनाकर तीन विकेट से जीत दर्ज की। लक्ष्मीबाई मैदान में देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर एवं राजस्थान यूनिवर्सिटी जयपुर के बीच खेला गया। इंदौर टीम ने 110 रन का टारगेट दिया। जिसे राजस्थान विश्वविद्यालय ने 14.4 ओवर में 3 विकेट खोकर यह मैच अपने नाम कर लिया। राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर ने 7 विकेट से मैच जीत लिया। अगला मैच सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी पुणे व राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के मध्य खेला गया।

नाम बदलने पर कांग्रेस की बैठक

भरतपुर,(निस)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सेवर जिला भरतपुर के तत्वधान में नगला तेरइयां में नरेगा बचाओ महासंग्राम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त प्रभारी बृजभूषण जाटव संम्भाग प्रभारी एससी प्रकोष्ठ राजेन्द्र सरस्वत अध्यक्ष जिला कांग्रेस पंचायतीराज प्रकोष्ठ ऐम लक्ष्मण सिंह कैन महासचिव पीसीसी एससी प्रकोष्ठ अतिथि के रूप में प्रस्तुत थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक सेवर के अध्यक्ष दीनदयाल जाटव ने की। जिसमें मुख्य रूप से बृजभूषण जाटव, राजेन्द्र सरस्वत, लक्ष्मण सिंह कैन ने भाग लेकर केन्द्र सरकार द्वारा नाम बदलने के विरोध में अनुसूचित जाति के लोगों को जागरूक किया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा भा.ज.पा. पार्टी गांधी के नाम से डरती है, इसलिए डरती है इसीलिए मनरेगा योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाकर जीरामजी करके उसे भी धार्मिक उन्मांद फैलाने का आधार बना दिया। जो राज्य पहले से ही अपने आधारभूत विकास के लिए केंद्र सरकार से पैसे की उम्मीद करते हैं उन्हीं राज्यों पर 40 प्रतिशत का अतिरिक्त भार डालकर मनरेगा कर्मियों के साथ धोखा और भ्रम की स्थिति पैदा करने का प्रयास केंद्र सरकार कर रही है। कांग्रेस पार्टी इसका डटकर विरोध करेगी। संचालन पवन जैन ने किया। इस मौक पर राजवीर सिंह पंच, बहादुर सिंह, भगवान सिंह, मनोज, पुष्पेन्द्र, रमेचन्द, उदय सिंह, ताराचन्द रेन्जर, लक्ष्मण अध्यापक, शिव सिंह मण्डल अध्यक्ष, धर्मसिंह अध्यापक, नवल सिंह दिवाकर, राजू अग्रवाल, बल्लू खाँ, मुकेश वालमीक आदि मौजूद थे।

भूमि पूजन

निवाई। महाराणा प्रताप बस्ती निवाई के हिंदू सम्मेलन के लिए भूमि पूजन एवं ध्वज स्थापना की गई। रविवार की सुबह हिंदू सम्मेलन को लेकर इंदिरा कॉलोनी, इंदिरा विस्तार कालोनी, जैन कॉलोनी व महावीर कॉलोनी में प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में सैकड़ो श्रद्धालु शामिल हुए जो रामधुनी करते हुए चल रहे थे। प्रभास फेरी का समापन सरस्वती विद्या मंदिर प्रांगण में हुआ।

बेदखली नोटिस सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण श्री सीताराम शर्मा व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती राशि शर्मा निवासी मकान नं. 643 चौकडी मोदीखाना बोरडी का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर का पुत्र मनीष शर्मा मेरे अभिभाष्यगण के कहने में काफी समय से नही है और वह अधिकतर घर से अलग रहता है। उसकी इन हरकतों के कारण मेरे अभिभाष्यगण उसे अपनी चल एवं अचल सम्पत्ति से बेदखल किया जाता है। आज दिनांक के पश्चात मेरे अभिभाष्यगण की चल एवं अचल सम्पत्ति में उसका कोई अधिकार एवं हिस्सा नहीं होगा यदि कोई भी व्यक्ति/फर्म/संस्था/बैंक मेरे अभिभाष्यगण के पुत्र से भविष्य में कोई लेनदेन, संव्यवहार करता है तो उसमें मेरे अभिभाष्यगण की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी तथा वह स्वयं जिम्मेदार होगा। सूचित रहे।
दिनांक-17.01.2026 (ओम प्रकाश बैरवा) एडवोकेट
R-2689/08, M. 9460866822

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
क्रमांक: 152 **आम जाहिर सूचना** दिनांक: 09.01.2026
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा अवास संख्या 2/226 जवाहर नगर जयपुर, क्षेत्रफल 113.45 वर्ग मीटर का आवंटन श्री गजराज चन्द भण्डारी को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 10020 दिनांक 20/11/1980 जारी किया गया था। उनके द्वारा आवंटन पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 26/04/1991 को करवाया गया। तत्पश्चात आवास के मूल आवंटी श्री गजराज चन्द भण्डारी की मृत्यु दिनांक 01/02/2005 हो जाने के कारण उनके वारिसों श्री सुनिल भण्डारी एवं श्री अनिल भण्डारी में से श्री सुनिल भण्डारी ने अपना हकत्याग अपने भाई श्री अनिल भण्डारी के पक्ष में कर दिया गया। उक्त हकत्याग पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर द्वितीय में दिनांक 16/6/2008 को करवाया गया। तत्पश्चात हकत्याग ग्राहिता श्री अनिल भण्डारी पुत्र स्व. श्री गजराज चन्द भण्डारी के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्रीमती उषा मेहता पत्नी स्व. श्री पदम चन्द मेहता को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर द्वितीय में दिनांक 07/07/2008 को करवाया गया। श्रीमती उषा मेहता पत्नी स्व. श्री पदम चन्द मेहता के द्वारा उक्त आवास का मूल आवंटी के नाम पंजीयन हो जाने के बाद पश्चातवर्ती अंतिम क्रेता का नाम मण्डल अभिलेख में दर्ज करने बाबत निवेदन किया गया है। अतः नाम दर्ज के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती उषा मेहता पत्नी स्व. श्री पदम चन्द मेहता का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जायेगा।
सम्पदा प्रबंधक, राजस्थान आवासन मण्डल वृत तृतीय, जयपुर

जी राज जी योजना में 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन रोजगार की गारंटी : मेहता

टोंक। जी राज जी योजना को लेकर रविवार को बीजेपी की प्रेसवार्ता आयोजित की गई, जिसमें बीजेपी नेताओं ने कांग्रेस पर पलटवार किया। यह प्रेस वार्ता मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय पर आयोजित की गई, प्रेस वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, पूर्व विधायक अजित सिंह मेहता ने जी राम जी के बारे में बताया।

इस दौरान जिलाध्यक्ष चौहान ने कहा कि कांग्रेस मनरेगा को बंद करने का भ्रम फैला रही है, जबकि सच यह है कि उसकी कमियों को दूर करके विकसित भारत के तहत जी राम जी कानून बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि अब गांव के गरीब मजदूर को 100 नहीं 125 दिन का रोजगार मिलेगा, 15 दिन में काम नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ते का भुगतान होगा। इस वार्ता में पूर्व विधायक अजित सिंह मेहता ने सम्बोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत- जी राम जी योजना में 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन रोजगार की गारंटी दी गई है, इस योजना का लक्ष्य ग्रामीण भारत का स्वर्णिम विकास करना है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत वीबी-जी-राम-जी योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इससे आम नागरिकों, युवाओं, महिलाओं और ग्रामीण क्षेत्रों को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य ग्रामीण रोजगार को केवल कल्याण योजना के रूप में नहीं, बल्कि विकास से जुड़ी गारंटी के रूप में स्थापित करना है, ताकि यह विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप हो। जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र गुर्जर, पूर्व प्रधान ममता जाट, शीला मीणा सहित अन्य मौजूद रहे।

टोंक में जी राज जी योजना को लेकर बीजेपी की प्रेसवार्ता को भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने सम्बोधित किया।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'शोध संस्थान जनहित के कार्य भी करेगा'

टोंक । मौलाना अबुल कलाम आजाद अरबी-फारसी शोध संस्थान का सेमिनार टोंक प्रोग्रेसिव कमेटी के तत्वावधान में सवाई माधोपुर हाईवे पुलिया के समीप एक होटल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व आईएएस जाकिर हुसैन ने संस्थान के महत्व को देखते हुए इसके विकास के लिए हर संभव भरोसा दिलाया तथा मौलवी सईद की सरपरस्ती में आयोजित इस सेमिनार में कई प्रबुद्धजनों ने विचार व्यक्त किए। सेमिनार की अध्यक्षता सेवानिवृत्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश अयूब खान ने की तथा उन्होंने इस संस्थान में भर्ती सहित अन्य समस्याओं के लिए कानूनी तौर पर भी सहयोग करने पर जोर दिया एवं जनहित के कार्य के लिए तत्परता से कार्य करने का भरोसा दिलाया। इस मौके प्रोग्रेसिव कमेटी के संरक्षक एवं संयोजक सरताज अहमद ने इस संस्थान के महत्व एवं वर्तमान स्थिति को अवगत कराते हुए इसके लिए ईमानदारी से प्रयास करने की आवश्यकता बताते हुए संकल्प दिलाया। वही सदर मुफ्ती आदिल नदवी ने इस शोध संस्थान को विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने की बात रखी। इस मौके पर जयपुर के समाजसेवी एवं शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े आजम बैग ने शोध संस्थान के लिए आर्थिक सहयोग देने पर जोर देते हुए इसके लिए समर्पित भाव से कार्य करने के लिए कहा।

विधायक ने ग्रामीणों से सड़क, पानी, बिजली के दर्द जाने

■ **अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश**

■ **आगामी बजट सत्र 2025-26 को ध्यान में रखते हुए विधायक धनकड ने क्षेत्र के विकास के लिए जनता से सीधा संवाद किया।**

पावटा। विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनखड़ ने रविवार अपने निज निवास भांकरी पर एक विशाल जनसुनवाई का आयोजन किया। इस दौरान विधानसभा क्षेत्र के कोने-कोने से आए आमजन ने अपनी समस्याओं और सुझावों को विधायक धनकड के समक्ष रखा। जनसुनवाई में मुख्य रूप से बिजली, पानी और जर्जर सडकों से जुडी समस्याएं सामने आईं। जिस पर विधायक धनखड़ ने प्रत्येक फरियादी की बात को संवेदनशीलता के साथ सुना। कई मामलों में विधायक ने मौके पर ही संबंधित विभागों के उच्च अधिकारियों को फोन कर वस्तुस्थिति से अवगत कराया और समस्याओं के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण समाधान के कड़े निर्देश दिए। वही आगामी बजट सत्र 2025-26 को ध्यान में रखते हुए विधायक धनकड ने क्षेत्र के विकास के लिए जनता से सीधा संवाद किया।

उन्होंने लोगों से सुझाव मांगे कि क्षेत्र की किन मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर बजट में शामिल करवाया जाए, ताकि विराटनगर का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर विधायक कुलदीप धनखड़ ने कहा, ''विराटनगर की जनता का कल्याण मेरी पहली प्राथमिकता है। क्षेत्र का कोई भी व्यक्ति अपनी समस्याओं के लिए परेशान न हो, इसके लिए प्रशासन को जवाबदेह बनाया जा रहा है। बजट सत्र में जनता की भावनाओं और क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप प्रस्ताव रखे जाएंगे।'' जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक, जनप्रतिनिधि और स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनखड़ ने भांकरी गांव में जनसुनवाई का आयोजन किया।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1187
चूंकि प्रार्थी श्री Sharad bardia, 2004 pitiyon ka chowk kothan ki gali johari bazar, jaipur ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास Terapanth yuvak parishad, Mikap bhawan kgh ka rasta johari bazar, jaipur के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 15.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइन्दा तारीख पेशी 25.03.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

पश्चिम बंगाल और पंजाब में हो रही है लोकतंत्र की हत्या : मदन राठौड़

पश्चिम बंगाल अब 'शोनार बांग्ला' नहीं, बल्कि 'खूनी खेल का बन चुका मैदान : मदन राठौड़

पाली/ जयपुर । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पाली प्रवास के दौरान पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार और पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार लोकतंत्र, प्रशासनिक ईमानदारी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने का काम कर रही है। राठौड़ ने कहा कि जादवपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 110 पर तैनात बूथ लेवल ऑफिसर ( ) अशोक दास की आत्महत्या लोकतंत्र की हत्या है। वार्ड नंबर 109 की टीएमसी नेता अनन्या बनर्जी और राजू बिस्वास द्वारा अशोक दास पर अवैध मतदाताओं–रोहिंग्या एवं घुसपैठियों– के नाम मतदाता सूची से न हटाने का दबाव बनाया गया। ऐसा न करने पर उन्हें एवं उनके परिवार को जान से मारने की धमकियाँ दी गईं। ऐसे में लगातार मानसिक प्रताड़ना और भय के वातावरण के कारण अशोक दास ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया, जिसकी भाजपा कड़ी निंदा करती है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पाली प्रवास के दौरान पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि आज बंगाल में टीएमसी का अर्थ बदल चुका है। टीएमसी मतलब तुष्टिकरण, माफिया एवं गुंडाराज और क्राइम कल्चर बन गया है। राठौड़ ने चाकुलिया (उत्तर दिनाजपुर) में बीडीओ कार्यालय में हुई हिंसा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जहां मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की सुनवाई के दौरान भीड़ ने कार्यालय में आगजनी की और मशीनों को क्षितग्रस्त किया। यह स्पष्ट रूप से लोकतंत्र की हत्या ही है। टीएमसी फर्जी आईडी रैकेट और घुसपैठियों के सहारे चुनाव जीतने के लिए चुनाव आयोग की पारदर्शी प्रक्रिया को बाधित कर रही है।

- 'पश्चिम बंगाल में बीएलओ पर अवैध घुसपैठियों के नाम ना हटाने का दबाव, पंजाब में मीडिया की आवाज दबा रही सरकार'

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि वहीं दूसरी ओर पंजाब की भगवंत मान सरकार मीडिया की आवाज़ दबाने का कार्य कर रही है। राठौड़ ने कहा कि बिना किसी नोटिस या वैधानिक आदेश के पंजाब केसरी समूह के बठिंडा एवं जालंधर (सूरानुसी) स्थित प्रिंटिंग प्रेस पर छापेमारी की गई, जहां पत्रकारों और कर्मचारियों के साथ मारपीट कर उन्हें अवैध रूप से हिरासत में लिया गया। इतना ही नहीं, पंजाब में आप पार्टी की सरकार की आलोचना करने वाले यूट्यूबर्स और डिजिटल मीडिया पर एफआईआर दर्ज की जा रही है, विपक्षी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बिजली काटना एवं सिग्नल जाम करना आम हो गया है।

राष्ट्रीय एसटीटीपी का आयोजन 10 से 14 फरवरी तक

जयपुर। नरनारायण शास्त्री इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी एंड इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस एंड साइबर सिक्योरिटी जेतलपुर, अहमदाबाद में प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर के एक सप्ताह के हाइब्रिड शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर प्रवास के दौरान आयोजन समिति सदस्य एवं संस्थान की व्याख्याता डॉ विशाली शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम के अंतर्गत 10 से 14 फरवरी 2026 तक आयोजित होगा।

कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर शास्त्री स्वामी आत्मप्रकाश एवं शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तम प्रकाशदास के सानिध्य में एक समिति का गठन किया गया है जिसके मुख्य संरक्षक संस्थान प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष धर्मेश वंडरा, संरक्षक प्राचार्य प्रो. (डॉ.) शैलेश अय्यर एवं कैंपस डायरेक्टर संजय शर्मा, संयोजक संस्थान के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ निकुंज थहिलरमाणि, आयोजन सचिव सहायक प्राध्यापक विनय असेरी, समन्वयक सहायक प्राध्यापक डॉ आकाश ठक्कर हैं एवं आयोजन समिति सदस्यों में डॉ विशाली शर्मा, डॉ कल्पेश सोलंकी, डॉ सचिन देव, मिस खुशबू गौतम, अनन्त कुमार पाटिल, मिस मीनल शाह को शामिल किया गया है

- राष्ट्रीय स्तर के एक सप्ताह के हाइब्रिड शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है

एनएसआईटी– आईएफएससीएस के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) शैलेश अय्यर ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम गुजरात सेक्शन से तकनीकी प्रायोजन प्राप्त कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर रहा है।

पौष बड़ा कार्यक्रम आयोजित

जयपुर । वैशाली नगर की महादेव नगर कॉलोनी में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान के साथ भजन संध्या और पौष बड़ा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कॉलोनी के वरिष्ठ सरजू शरण गुप्ता ने बताया कि नव वर्ष के प्रारंभ में कॉलोनी के 75 वर्ष से अधिक सुपर सीनियर सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 18 वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही पौष बड़ा और भजन संध्या भी आयोजित की गई। महादेवन समिति के अध्यक्ष करण यादव ने बताया कि 150 परिवारों के इस सामूहिक आयोजन से कॉलोनीवासियों को एक दूसरे से मिलने और विचारों को साझा करने का मौका मिला जिससे एक परिवार के रूप में पड़ोसी प्रथम के भाव प्रबल होते हैं। कॉलोनी के ऋषि मोहन यादव ने बताया कि बरसाना के विख्यात बृजेश शर्मा और टीम ने गोविंद आओ जी, कान्हा मेला में ले चालो रे, चलो बुलावा आया है ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में संवर रही नौनिहालों की किस्मत

उदयपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य के सुदूर जनजाति अंचलों में एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल (ईएमआरएस) शिक्षा, समरसता और सामाजिक सुरक्षा के क्षितिज पर सूरज की तरह चमक रहे हैं। राज्य के 31 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों में अनुसूचित जनजाति वर्ग के बच्चे नीट, आईआईटी, जेईई जैसी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, कंप्यूटर लैब, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जैसे नवाचार जनजातीय बालक–बालिकाओं के सपनों में नए रंग भर रहे हैं। इनमें 6 हजार 710 बालक और 4 हजार 909 बालिकाएं शामिल हैं। अभावों में अपने बच्चों के भविष्य को लेकर आशंकित माता–पिता की आंखों में नौनिहालों के सुनहरे भविष्य की चमक और चेहरे पर आत्मविश्वास की झलक साफ देखी जा सकती है। राज्य के ईएमआरएस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित भविष्य की गारंटी का असर है कि सत्र 2024–25 में 9 हजार 999 बच्चों के मुकाबले शैक्षिणक सत्र 2025–26 में 1 हजार 620 अधिक विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। प्रवेश परीक्षा में बैठने वाले बच्चों की संख्या भी साल दर साल बढ़ी है।राजस्थान स्टेट एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल सोसायटी द्वारा राज्य में संचालित सीबीएसई से संबद्ध 31 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल विद्यालयों में से नवीनतम 31वां विद्यालय जमवारामगढ़ (जयपुर) में जून 2025 से प्रारंभ किया गया है। सभी ईएमआरएस विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक कक्षाएं संचालित होती हैं। कक्षा 11 एवं 12 में विज्ञान और कला संकाय उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा, पाठ्यपुस्तकें, आवास, भोजन, पौष्टिक आहार, जूते–मौजे सहित दैनिक उपयोग की सामग्री उपलब्ध करवाई जाती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड वर्चुअल रिएलिटी, इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर, ब्यूटी एंड वेलनेस, एग्रीकल्चर तथा ऑटोमोटिव स्किल लैब्स में इन विद्यालयों में संचालित की जा रही हैं। इन विद्यालयों में शिक्षा के साथ–साथ खेल–कूद और सह–शैक्षिक गतिविधियों पर भी पूरा ध्यान दिया जाता है। शैक्षणिक सत्र 2025–26 में राज्य स्तरीय स्टेट स्पोर्ट्स मीट–2025 उदयपुर में से चयनित 154 विद्यार्थियों ने ओडिशा के राउरकेला में आयोजित नेशनल स्पोर्ट्स मीट–2025 में राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए 9 इवेंट्स में पदक अर्जित किए। वहीं, राज्य स्तरीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक फेस्ट–2025 उदयपुर में से चयनित 59 विद्यार्थियों ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक एवं साहित्यिक फेस्ट–2025 में भाग लिया।

- डबल इंजन सरकार के एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल जनजाति अंचल में लिख रहे सुनहरे भविष्य की नई गाथा

दुपहिया वाहन चुराने वाले दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। नाहरगढ रोड थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी के मामलों में कार्रवाई करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने इन आरोपियों के पास से एक चोरी का दुपहिया वाहन (बाइक) भी बरामद की हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। नाहरगढ़ रोड थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह के शातिर बदमाश सोनू उर्फ भरत सोनी (19) निवासी जयसिंह पुरा खोर जयपुर और विशाल नाथवानी (24) निवासी आगरा (उत्तर प्रदेश) हाल जयसिंहपुरा खोर जयपुर को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी का एक दुपहिया वाहन भी बरामद किए गए है। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस को अन्य चोरी की वारदातों के खुलासे की भी उम्मीद है।

'हमारा बेस संघ देशभक्त निर्माण की पाठशाला'

छबड़ा/जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा है कि हमारा बेस हिंदुत्व है।उन्होंने ये भी कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ केवल एक संगठन नहीं,जीवन जीने की पाठशाला है।जहाँ तपकर देश पर मरने मिटने वाले देशभक्त तैयार होते हैं।विधाभारती उसी की शाखा है।जिसका लक्ष्य ऐसे शिक्षित इंसान तैयार करना है,जो चरित्रवान हो।कुशल हो।संस्कारवान हो।जिनका जीवन भारतीय संस्कृति के अनुरूप हो।उनकी रग–रग में भारतीय संस्कृति का समावेश हो।देश के प्रति वफ़ादारी का जज़्बा हो।

- राजे छबड़ा में आदर्श विद्यामंदिर के नव निर्मित प्रथम तल के लोकार्पण समारोह में शामिल हुई

राजे छबड़ा में आदर्श विद्यामंदिर के नव निर्मित प्रथम तल के लोकार्पण समारोह में बोल रहीं थी।उन्होंने कहा विद्या भारती समाज के कमजोर परिवारों को शिक्षित कर उन्हें स्वावलंबी बनाने में जुटी हुई है।आज देश में 33 लाख विधार्थी विद्या भारती द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं में अध्यन कर रहें है। पूर्व सीएम ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब वसुन्धरा राजे मुख्यमंत्री बन सकती है तो आप क्यों नहीं ? जब प्रतिभा पाटिल और द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बन सकती है तो छबड़ा के आदर्श विद्या मंदिर की बेटियां क्यों नहीं ? कार्यक्रम को विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री शिव प्रसाद, सांसद दुष्यंत सिंह, विधायक प्रताप सिंह सिंघवी, कथावाचक प्रियंका भारती ने भी संबोधित किया।

जयपुर में मोशन एजुकेशन के नए सेंटर का शुभारंभ

जयपुर। अगर इंसान पूरे दिल, समर्पण और फोकस के साथ काम करे, तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता। यह प्रेरक संदेश मोशन एजुकेशन के संस्थापक और प्रसिद्ध शिक्षाविद नितिन विजय यानी एनवी सर ने जयपुर में मोशन एजुकेशन के नए स्टडी सेंटर के उद्घाटन अवसर पर दिया।

एनवी सर ने बताया कि मोशन एजुकेशन की शुरुआत 7 दिसंबर 2007 को एक छोटे से कमरे में फिजिक्स की क्लास से हुई थी। उस समय संसाधन सीमित थे, लेकिन उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट था–विद्यार्थियों को सही दिशा देना और उनकी मदद करना। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत, स्पष्ट लक्ष्य और छात्रों के प्रति समर्पण ने मोशन को आज लाखों छात्रों की जिंदगी बदलने वाला अग्रणी संस्थान बना दिया है।

एनवी सर ने कहा कि मोशन एजुकेशन का लक्ष्य सिर्फ अच्छे रिज़ल्ट देना नहीं, बल्कि हर बच्चे को उसकी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर देना है। यहां छात्रों की कमजोरियों को दूर करने और उनकी मजबूती को निखारने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसी वजह से कोटा में मोशन एजुकेशन अपने उत्कृष्ट सेलेक्शन प्रतिशत के लिए जाना जाता है और देशभर के छात्र यहां पढ़ने का सपना देखते हैं।

मोशन एजुकेशन के संस्थापक नितिन विजय यानी एनवी सर ने जयपुर में मोशन एजुकेशन के नए स्टडी सेंटर के उद्घाटन किया।

एनवी सर ने बताया कि आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग से अब आईआईटी–जेईई और नीट जैसी कठिन परीक्षाओं की तैयारी पहले से कहीं ज्यादा आसान और प्रभावी हो गई है। मोशन एजुकेशन का एआई आधारित सिस्टम हर छात्र की परफॉर्मेंस का विश्लेषण करता है और उसके लिए पर्सनलाइज्ड प्रैक्टिस प्रश्न तैयार करता है। जब छात्र मोशन लर्निंग ऐप पर सवाल हल करते हैं या टेस्ट देते हैं, तो सिस्टम यह पहचान लेता है कि छात्र किस टॉपिक में मजबूत है और कहां उसे ज्यादा अभ्यास की जरूरत है। इसके बाद छात्र को उसके स्तर के अनुसार आसान, मध्यम या कठिन प्रश्न दिए जाते हैं। इससे कमजोर विषयों पर बार–बार अभ्यास होता है और परीक्षा से पहले ही कमियां दूर हो जाती हैं।

'हमारी संसाधनों को पूजने वाली संस्कृति बहुत महत्वपूर्ण'

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि आज जब पूरा विश्व संसाधनों की कमी से जूझ रहा है ऐसे में हमारी संसाधनों को पूजने वाली संस्कृति बहुत महत्वपूर्ण है। आज उर्जा के स्त्रोत पैट्रोल, डीजल, कोयला, पानी, शुद्ध वायु निरन्तर कम होते जा रहे हैं। ऐसे में मानवता को बचाने के लिए उर्जा के नए स्त्रोत काम में लिए जा रहे हैं। उनमें से एक बहुत बड़ा स्त्रोत भगवान सूर्य की उर्जा का उपयोग भी है और सम्पूर्ण भारत में इसका विकास तीव्र गति से हो रहा है। स्पीकर देवनानी रविवार को यहां वी.टी. रोड ग्राउण्ड मानसरोवर में भारत रिन्यूएबल एक्सपो 2026 के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने पीएम सूर्यघर पुरस्कार प्रदान किए। स्पीकर देवनानी ने कहा कि राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा प्रदेश होने के साथ खनिज सौर उर्जा की उपलब्धता वाला बड़ा प्रदेश है। सीमावर्ती जिले बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, फलोदी इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। देवनानी ने कहा कि यह आयोजन केवल एक एक्सपो नहीं, बल्कि भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य की दिशा में एक मजबूत संकल्प और साझा प्रयास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि चिन्तन–मनन और विचार करें, पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, ऐसे समय में भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से अग्रसर है।

- देवनानी ने भारत रिन्यूएबल एक्सपो में पीएम सूर्यघर पुरस्कार प्रदान किए

स्पीकर देवनानी ने कहा है कि राजस्थान को प्रकृति ने प्रचुर सूर्य प्रकाश और विशाल भू–भाग का वरदान दिया है। यही कारण है कि आज राजस्थान देश के अग्रणी सोलर और विंड एनर्जी उत्पादक राज्यों में शामिल है। थार के मरुस्थल से लेकर राज्य के विभिन्न अंचलों तक, सोलर पार्क, विंड फार्म और हाइब्रिड प्रोजेक्ट्स न केवल ऊर्जा उत्पादन कर रहे हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और विकास के नए अवसर भी सृजित कर रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा बनाई गई प्रगतिशील नीतियाँ, निवेश के अनुकूल वातावरण और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर ने राजस्थान को रिन्यूएबल एनर्जी निवेश का एक प्रमुख केंद्र बना दिया है।

स्विमिंग ट्रेनिंग के कोच ने 11वी छात्रा से की छेड़छाड़

जयपुर। बजाज नगर थाना इलाके में स्विमिंग ट्रेनिंग देने वाले कोच ने एक 11वी क्लास की छात्रा से अश्लील हरकते की। जिसके बाद पीड़ित छात्रा ने कोच की हरकतों के बारे में परिजनों को बताया। गुस्साए परिजनों ने पीड़ित नाबालिग छात्रा को थाने ले जाकर आरोपी कोच के खिलाफ छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया। पुलिस ने पीड़ित छात्रा के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी है। वहीं मामले की भनक लगने के बाद आरोपी कोच अपना मोबाइल फोन बंद फरार हो गया।

थानाधिकारी पूनम चौधरी ने बताया कि 11 वीं क्लास में पढ़ने वाली 16 वर्षीय छात्रा की मां का आरोप है कि उसकी बेटी प्राईवेट स्कूल में पढ़ती है और स्विमिंग की ट्रेनिंग कर रहीं है। आरोप है कि करीब 2 साल से स्विमिंग ट्रेनिग के दौरान कोच उसके साथ अश्लील हरकते करता है। मामले की जानकारी मिलने के बाद गुस्साई मां ने कोच से समझाईश की । लेकिन कोच ने नाराजगी जाहिर करते हुए नाबालिग छात्रा को ट्रेनिंग देना बंद कर दिया।जिसके बाद पीड़ित मां ने आरोपी कोच के खिलाफ छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया।

सार-समाचार

शिव विवाह महोत्सव कथा आयोजित

जयपुर। टीम 39 जहां चाह वहां राह जन कल्याण ट्रस्ट द्वारा नेहरू नगर पानीपेच स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय श्री शिव विवाह महोत्सव कथा के दूसरे दिन कथावाचक धनश्रीराम जी ने बताया कि माता पार्वती को सभी देवी देवता ब्राह्मण विष्णु विवाह के लिए मनाते है, तत्पश्चात माता पार्वती अपनी सखियों को बुलाती है मेहंदी लगवाने के लिए, मेरे मेहंदी लगाओ, कथा में पार्वती का रूप धारण किया गया। टीम 39 के प्रधान ट्रस्टी विष्णु बियानी एवं मीडिया प्रभारी मनीष केडिया ने बताया कि कथा 19 तारीख तक दो से बजे तक रहेगी एवं समापन होगा। कार्यक्रम में राम प्रकाश शर्मा राजेश राजोरिया रईस खान घनश्याम शर्मा अतुल अग्रवाल दुर्गा लाल चौधरी गोपाल शर्मा जी मोहनलाल जी अग्रवाल सुधीर जी नाटाणी अशोक जी शर्मा आदि उपस्थित रहें।

मादक पदार्थ स्मैक की सप्लाई करने वाला तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। श्याम नगर थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 18.15 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जब्त की है। पुलिस के अनुसार जब्त की गई मादक पदार्थ स्मैक की बाजार कीमत 3.5 लाख रुपये आंकी गई है। फिलहाल आरोपित तस्कर से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ललित किशोर शर्मा ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत श्याम नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले सन्नी शर्मा(20) निवासी करणी विहार हाल श्याम नगर जयपुर को सुन्दर नगर बी इलाके से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके पास 18.15 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक मिली है। पुलिस आरोपित से अवैध मादक पदार्थ स्मैक की खरीद–फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है।

महापौर कुसुम यादव ने किया महिला बैच का शुभारंभ

जयपुर। रामगढ़ मोड़ स्थित रॉयल कंप्यूटर संस्थान में महिलाओं के लिए आरएससीआइटी और आरएससीएफ़ए कम्प्यूटर कोर्स बैच का शुभारंभ निवर्तमान महापौर कुसुम यादव ने फीता काटकर किया ।निवर्तमान महापौर कुसुम यादव ने विद्यार्थियों को आरएससीआइटी कंप्यूटर कोर्स के महत्व और सरकारी नौकरियों में इसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी।साथ ही कंप्यूटर का ज्ञान दैनिक जीवन में अत्यंत उपयोगी है इसलिए सभी को इसकी जानकारी होनी चाहिए।इस दौरान जयपुर शहर उपाध्यक्ष अजय यादव रॉयल कंप्यूटर संस्थान के निदेशक मुकेश यादव, नरेश शर्मा और विधार्थी उपस्थित रहे ।

स्पीकर वासुदेव देवनानी जायेंगे आज

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सोमवार को लखनऊ जायेंगे। स्पीकर देवनानी 19 जनवरी से 21 जनवरी तक लखनऊ में 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में भाग लेंगे। श्री देवनानी का बुधवार को जयपुर लौटने का ㅎ कार्यक्रम है।

मौनी अमावस्या पर गोविंद देवजी मंदिर में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ आयोजित

जयपुर। मौनी अमावस्या के अवसर पर रविवार को गोविंद देवजी मंदिर में गंगाजल से पितृ शांति अभिसींचन एवं पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में करीब तीन घंटे तक चला।

- कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने ठाकुर श्री राधा गोविंद देव जी, वेद माता एवं गुरु सत्ता के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की

गोविंद देवजी मंदिर में पितृ शांति अभिसींचन एवं पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया ।

महायज्ञ में दिवंगत पितृगणों की शांति के लिए यम गायत्री महामंत्र के साथ विशेष आहुतियां दी गईं। छह पारियों में हुए यज्ञ में 300 से अधिक श्रद्धालुओं ने सहभागिता की, जबकि 5 हजार से अधिक लोगों ने यज्ञ के दर्शन किए। प्रयागराज की त्रिवेणी से लाए गए जल से श्रद्धालुओं का अभिसींचन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने ठाकुर श्री राधा गोविंद देव जी, वेद माता एवं गुरु सत्ता के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की।

यज्ञ का संचालन गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी की ओर से गायत्री कचोलिया, हेमंत मिश्रा और अजय भारद्वाज ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कराया।

इस दौरान हेमंत मिश्रा ने सूर्य को प्रतिदिन अर्घ्य देने के धार्मिक एवं वैज्ञानिक पक्ष पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्रह्म मुहूर्त में तांबे के पात्र से सूर्य को अर्घ्य देने से शरीर का संतुलन बेहतर रहता है।

कार्यक्रम के अंतर्गत गर्भस्थ शिशु के विकास के लिए पुंसवन संस्कार तथा सात्विक आहार से संबंधित अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराए गए।

गायत्री चेतना केंद्र, जनता कॉलोनी की ओर से आयोजित बुक फेयर में आध्यात्मिक, नैतिक और जीवन उपयोगी पुस्तकों को लागत मूल्य पर उपलब्ध कराया गया।

राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय प्रतिनिधियों को भावभीनी विदाई

जयपुर। राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन के बाद भ्रमण कार्यक्रम के लिए आए अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल को रविवार को प्रातः भावभीनी विदाई दी गई। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सभी अतिथियों को गुलाब का फूल भेंट कर गरिमामय एवं पारंपरिक तरीके से जयपुर हवाई अड्डे से विदाई दी। सभी अतिथियों ने राजस्थान में मिले आतिथ्य को अभूतपूर्व बताया। कॉमनवेल्थ स्पीकर्स और पीठासीन अधिकारियों का अन्तर्राष्ट्रीय दल राजस्थान के ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों, भव्य आतिथ्य और विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों की अविस्मरणीय स्मृतियों को संजोते हुए जयपुर से रवाना हुआ। राष्ट्रमण्डल संसदों के स्पीकर और पीठासीन अधिकारियों ने स्वागत के समय भेंट किये गये दुपट्टे को जाते समय तक गले में पहने रखा। प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों ने देवनानी का यादगार आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया। देवनानी को पीठासीन अधिकारियों ने उनके सम्मान में दिये गये रात्रि भोज में राजस्थान के पारम्परिक और स्वादिस्ट व्यंजनों और आवभगत की खूब तारीफ की। उनके सम्मान में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोकनृत्य और लोक बाध्य यंत्र की मधुर ध्वनि पारम्परिक आतिथ्य और राजस्थानी संस्कृति की जीवंत झलकने विदेशी महमानों को विशेष रूप से आकृषित किया।सदस्यों ने यहां के पर्यटन स्थलों और इतिहास को समृद्ध और अद्वितीय बताया है। अल्बर्ट हॉल के भव्य संग्रहालय की दुर्लभ कला कृतियों ने कॉमनवेल्थ प्रतिनिधि मण्डल को गहराई से प्रभावित किया। सदस्यों ने हवामहल की बेजोड स्थापत्य कला की भूरी–भूरी प्रशंसा की और संध्या काल में हवामहल के मनमौहक दृश्य को अदभूत बताया। विश्व विख्यात आमेर महल की ऐतिहासिक और दिव्य भव्य छटाने प्रतिनिधियों को अभिभूत कर दिया।

- अतिथियों ने आतिथ्य की भरपूर प्रशंसा की राजस्थान यात्रा के सुखद अनुभवों के साथ संसदीय दल जयपुर से हुआ रवाना

स्मिथ ने कहा कि दोनों के बीच किसी तरह का कोई मनमुटाव नहीं है, और यह केवल गलतफहमी का मामला था। प्रसारण के दौरान दिखाए गए ट्रेनिंग फुटेज में भी दोनों खिलाड़ियों को आराम से बातचीत करते हुए देखा गया।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बाबर आजम को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वैभव सूर्यवंशी

जूनियर स्टार वैभव सूर्यवंशी ने आखिरकार बांग्लादेश के खिलाफ फॉर्म पकड़ ली ही। पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ सस्ते में आउट हुए वैभव ने बुलावायो में तलुनात्मक रूप से अपनी शैली के विपरीत धीमी और जिम्मेदारी से बैटिंग करते हुए 67 गेंदों पर 6 चौकों और 3 छक्कों से 72 रन बनाए। इसी के साथ ही, वैभव ने टूर्नामेंट के करीब 37 साल के इतिहास में वह कारनामा कर दिखाया, जो पहले कोई नहीं कर सका। इस अर्द्धशतकीय पारी के साथ भी वैभव अंडर-19 विश्व कप में सबसे कम उम्र में अर्द्धशतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए।

क्या आप जानते हैं ?... पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने इंग्लैंड के खिलाफ 2003 वनडे विश्व कप में 161.3 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से वो गेंद फेंकी थी।

पार्थ जिंदल ने मुंबई हाफ मैराथन सफलतापूर्वक पूरी की

मुंबई, 18 जनवरी। पार्थ जिंदल ने रविवार को टाटा मुंबई मैराथन में हाफ मैराथन (21 किमी) में हिस्सा लिया और 1 घंटे 56 मिनट में इसे पूरा किया। पार्थ जिंदल - जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के फाउंडर, एक उत्साही धावक और खेलों के शौकीन हैं। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के फाउंडर के तौर पर, पार्थ भारत में खेलों की कई विधाओं को बढ़ावा देने वाले सबसे बड़े कॉर्पोरेट प्रमोटर्स में से एक हैं। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के कई कर्मचारियों के साथ, वह पिछले कई सालों से मुंबई मैराथन में नियमित रूप से हिस्सा लेते रहे हैं। जैसे-जैसे कॉर्पोरेट लीडर्स पार्टिसिपेटरी स्पोर्ट्स इकोसिस्टम से जुड़ रहे हैं, टीएमएम 2026 में जेएसडब्ल्यू की मौजूदगी फिटनेस के प्रति उसकी लगातार प्रतिबद्धता और समुदाय और खेल की सामूहिक भावना के लिए उसके निरंतर समर्थन को दिखाती है।

इंग्लैंड ने जिम्बाब्वे को आठ विकेट से पीटा

हरारे, 18 जनवरी (वार्ता) थॉमस रेव (नाबाद 86) और बेन माएस (नाबाद 77) की शानदार पारियों तथा उनके बीच 167 रन की जबरदस्त अविजित साझेदारी की बदौलत इंग्लैंड ने जिम्बाब्वे को अंडर -19 विश्व कप के ग्रुप सी मुकाबले में रविवार को 132 गेंदें शेष रहते आठ विकेट से पीट दिया। जिम्बाब्वे ने कप्तान सिम्बाराशे मुडजेंगरेरे (नाबाद 45), ध्रुव पटेल (36), कियान ब्लिग्नॉट (33) और टाटेंडा चिमुगोरो (30) की जुझारू पारियों के दम पर पहले खेलते हुए नौ विकेट पर 208 रन का स्कोर बनाया जबकि इंग्लैंड ने 28 ओवर में दो विकेट पर 209 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया और ग्रुप सी में शीर्ष पर पहुंच गया। थॉमस रेव ने 66 गेंदों पर नाबाद 86 रन में सात चौके और चार छक्के लगाए जबकि माएस ने 72 गेंदों पर नाबाद 77 रन में तीन चौके और चार छक्के लगाए। थॉमस रेव को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इससे पहले आज यहां इंग्लैंड की अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 30 के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। नथानिएल हलाबंगना (शून्य) और कुपाकवाशे मुरादजी आठ रन बनाकर आउट हुये। इंग्लैंड के बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण के आगे जिम्बाब्वे के बल्लेबाज खुल नहीं खेल सके।

अथर्व तायडे का शतक, विदर्भ के 317/8

बेंगलुरु 18 जनवरी (वार्ता) अथर्व तायडे (128) की शतकीय और यश राठौड़ (54) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत रविवार को विदर्भ ने विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए सौराष्ट्र के खिलाफ आठ विकेट पर 317 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। आज यहां सौराष्ट्र ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी विदर्भ के लिए अथर्व तायडे और अमन मोखाड़े की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 88 रन जोड़े। 18वें ओवर में अंकुर पंवर ने अमन मोखाड़े (33) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये यश राठौड़ ने अथर्व तायडे के साथ मोर्चा संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 133 रनों की साझेदारी हुई। 37वें ओवर में अंकुर पंवर ने अथर्व तायडे को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। अथर्व तायडे ने 118 गेंदों में 15 चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 128 रनों की पारी खेली। 40वें ओवर में चिराग जानी ने यश राठौड़ (54) को आउट किया। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और दो छक्के लगाये।

सबालेंका ने पहले राउंड का टेस्ट पास किया

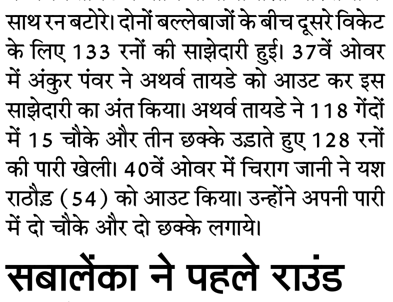

मेलबर्न, 18 जनवरी (वार्ता) वर्ल्ड नंबर 1 आर्यना सबालेंका का लगातार चौथा ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में पहुंचने का सफर रविवार को शानदार तरीके से शुरू हुआ, उन्होंने टियांत्सोआ राकोटोंमांगा राजाओनाह को हराया, जिन्होंने पहले सेट में सबालेंका को कड़ी टक्कर दी। वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी ने निश्चित रूप से अपने करियर के सबसे ऊंचे रैंक वाले प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपना सब कुछ लगा दिया, लेकिन दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन का अनुभव रॉड लेवर एरिना में 6-4, 6-1 की जीत में काम आया और रात का सेशन शुरू हुआ। सबालेंका ने पहले सेट जीतने के मोमेंटम और आत्मविश्वास का पूरा फायदा उठाया। पहले सेट के आखिर में राकोटोंमांगा राजाओनाह की सर्विस तोड़कर सबालेंका ने 1-0 की बढ़त बना ली। जल्दी ही, दूसरे सेट में यह बढ़त 3-0 हो गई। यह साफ था कि सबालेंका के शॉट के पीछे की ताकत राकोटोंमांगा राजाओनाह के लिए बहुत ज़्यादा थी, जो अक्सर रिटर्न नेट में मार देती थीं या गेंद कोर्ट से बाहर चली जाती थी। दूसरे सेट में, सबालेंका की कोर्ट पर राकोटोंमांगा राजाओनाह की मूवमेंट को कंट्रोल करने की क्षमता ने कुछ आसान विनर्स बनाए - उन्होंने उस शाम 23 विनर्स मारे - या राकोटोंमांगा राजाओनाह से गलतियां करवाईं। तुलना के लिए, सबालेंका की पहली सर्विस की औसत गति 167 किलोमीटर प्रति घंटा थी, जबकि राकोटोंमांगा राजाओनाह की 149 किलोमीटर प्रति घंटा थी। रिटर्न पर, सबालेंका ने अपने प्रतिद्वंद्वी की पहली और दूसरी सर्विस पर क्रमशः 42 और 64 अंक जीते। इसके बाद सबालेंका ने आखिरी चार गेम में से तीन जीतकर एक घंटे और 16 मिनट का मैच खत्म किया।

विराट शतक के बावजूद भारत वनडे सीरीज में हारा

इंदौर, 18 जनवरी (वार्ता) डैरिल मिचेल (137) और ग्लेन फिलिप्स (106) की शानदार शतकीय पारियों के बाद क्रिस्टियन क्लार्क और जैकरी फॉक्स ने तीन-तीन विकेट की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहली बार भारत से वनडे सीरीज जीती।

भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आखिरी तक न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर प्रहार करते हुए 124 रनों की शतकीय पारी खेली। इसके अलावा नीतीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा की जूझारू पारियों के बावजूद न्यूजीलैंड ने रविवार को तीसरे और आखिरी एकदिवसीय मुकाबले में भारत को 41 रनों से शिकस्त दी। इस जीत के साथ उसने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

338 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 71 के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा दिये। रोहित शर्मा (11), कप्तान शुभमन गिल (23), श्रेयस अय्यर (तीन) और केएल राहुल (एक) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। ऐसे संकट के समय विराट कोहली ने मोर्चा संभाला और नीतीश कुमार रेड्डी के साथ पांचवें विकेट के लिए 88 रन जोड़े। 28वें ओवर में क्रिस्टियन क्लार्क ने नीतीश कुमार रेड्डी को आउट किया। नीतीश कुमार रेड्डी ने 57 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए 53 रनों की पारी खेली। रवींद्र जडेजा छठें विकेट के रूप में 12 रन बनाकर आउट हुये। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने हर्षित राणा ने विराट कोहली के साथ सातवें विकेट के लिए 99 रन जोड़कर भारत को जीत की दहलीज तक ले गये। इसी दौरान 44वें ओवर में जैकरी फॉक्स ने पहले हर्षित राणा और फिर मोहम्मद सिराज को आउटकर भारत को एक बार फिर से संकट में डाल दिया। हर्षित राणा ने 43 गेंदों में चार चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 53 रन बनाये। 46वें ओवर में क्रिस्टियन क्लार्क ने विराट कोहली को आउटकर भारत की मैच जीतने की उम्मीद को तगड़ा झटका दिया। विराट कोहली ने 108 गेंदों में 10 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 124 रन बनाये। 46वें ओवर में कुलदीप यादव (पांच) को फिलिप्स ने रनआउटकर भारतीय पारी का 296 के स्कोर पर अंत कर दिया। न्यूजीलैंड के लिए क्रिस्टियन क्लार्क और जैकरी फॉक्स ने तीन-तीन विकेट लिये। जेडेन लेनॉक्स को दो विकेट मिले। काइल जेमीसन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मिचेल ने इस सीरीज में अपनी शानदार फार्म बरकरार रखते हुए 131 गेंदों पर 137 रन में 15 चौके और तीन छक्के लगाये। जबकि फिलिप्स ने 88 गेंदों पर 106 रन में नौ चौके और तीन छक्के मारे। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए 219 रनों की साझेदारी भारत के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए न्यूजीलैंड की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है।

आज यहां भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने महज पांच रन के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिये। हेनरी निकल्स (शून्य), डेवन कॉन्वे (पांच) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद डैरिल मिचेल ने विल यंग के साथ तीसरे विकेट के लिए 53 रन जोड़े। 13वें ओवर में हर्षित राणा ने विल यंग (30) को आउटकर भारत को तीसरी सफलता दिलाई।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये ग्लेन फिलिप्स ने डैरिल मिचेल के साथ शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 219 रनों की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने शतक पूरे किये। 44वें ओवर में अर्शदीप ने ग्लेन फिलिप्स को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। ग्लेन फिलिप्स ने 88 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 106 रनों की पारी खेली। 45वें ओवर में न्यूजीलैंड का पांचवां विकेट डैरिल मिचेल के रूप में गिरा। उन्हें मोहम्मद सिराज ने कुलदीप यादव के हाथों कैच आउट कराया। भारत ने आखिरी ओवरों में शानदार वापसी करते हुए न्यूजीलैंड के विकेट निकाले और उसे 337 स्कोर पर रोक दिया। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा ने तीन-तीन विकेट लिये। मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

स्मृति मंधाना ने हरमनप्रीत को पीछे छोड़ा
डब्ल्यूपीएल में सर्वोच्च स्कोर बनाने वाली भारतीय बनीं

मुंबई,18 जनवरी । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की। मंधाना ने 61 गेंदों पर 96 रन बनाए, लेकिन वह शतक लगाने से चूक गईं। इसके बावजूद उन्होंने बड़ी उपलब्धि अपने नाम दर्ज की और वह महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय बल्लेबाज बन गईं।

मंधाना ने अपनी पारी में 13 चौके और तीन छक्के लगाए। इसके साथ ही वह डब्ल्यूपीएल में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाली भारतीय बल्लेबाज बनीं। मंधाना ने इस मामले में मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर को पीछे छोड़ा। हरमनप्रीत ने 2024 सीजन में गुजरात जाएंट्स के खिलाफ 48 गेंदों पर नाबाद 95 रन बनाए थे जो टूर्नामेंट में किसी खिलाड़ी का सर्वोच्च व्यक्तिग स्कोर था। हालांकि, अब यह रिकॉर्ड मंधाना के नाम दर्ज हो गया है। डब्ल्यूपीएल इतिहास में कोई खिलाड़ी अबतक शतक नहीं लगा सका है। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा निजी स्कोर का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन के नाम है। आरसीबी के लिए खेलते हुए डिवाइन ने 2023 में गुजरात जाएंट्स के खिलाफ 36 गेंदों पर 99 रन बनाए थे।

टी20 वर्ल्ड कप में ग्रुप बदलने की रिक्वेस्ट पर आयरलैंड ने बांग्लादेश को दिया झटका

नई दिल्ली,18 जनवरी । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को आईसीसी से कहा कि भारत की बजाय श्रीलंका में खेलने के लिये टी20 विश्व कप में उसे ग्रुप बी में आयरलैंड की जगह शामिल कर दिया जाये। बांग्लादेश ग्रुप सी में वेस्टइंडीज, इटली, इंग्लैंड और नेपाल के साथ है और उसे लीग मैच कोलकाता तथा मुंबई में खेलने हैं। आयरलैंड ग्रुप बी में श्रीलंका, आस्ट्रेलिया, ओमान और जिम्बाब्वे के साथ है जिसे अपने मैच कोलंबो और पल्लेकेले में खेलने हैं. हालांकि, क्रिकेट आयरलैंड ने कहा कि उन्हें पक्की गारंटी मिली है कि उनके वर्ल्ड कप शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं होगा. क्रिकेट आयरलैंड ने यह भी कहा कि वे अपने सभी वर्ल्ड कप मैच श्रीलंका में खेलेंगे। क्रिकेट आयरलैंड के एक अधिकारी ने क्रिकबज को एक बयान में बताया, ''हमें पक्की गारंटी मिली है कि हम ओरिजिनल शेड्यूल से नहीं हटेंगे, हम निश्चित रूप से ग्रुप स्टेज श्रीलंका में ही खेलेंगे।

आईसीसी की दो सदस्यीय टीम भारत में सुरक्षा इंतजामात को लेकर बीसीबी को आश्वस्त करने के लिये ढाका में थी। टीम में इवेंट और कारपोरेट कम्युनिकेशंस महाप्रबंधक गौरव सक्सेना और इंटीग्रिटी ईकाई के महाप्रबंधक एंड्रयू एफग्रेव शामिल हैं. बीसीबी ने प्रतिनिधियों से मिलने के बाद एक बयान में कहा ,'' बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी पुरूष टी20 विश्व कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर आईसीसी के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। एफग्रेव बैठक में मौजूद थे जबकि सक्सेना बांग्लादेश का वीजा समय पर नहीं मिल पाने के कारण आनलाइन बैठक में शामिल हुए. बीसीबी ने कहा ,'' बातचीत के दौरान बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी से उसके मैच श्रीलंका में कराने का अनुरोध दोहराया, बोर्ड ने बांग्लादेश सरकार की राय और बांग्लादेशी टीम, मीडिया, प्रशंसकों और अन्य हितधारकों की सुरक्षा को लेकर चिंता से भी अवगत कराया। बीसीबी की ओर से अध्यक्ष मोहम्मद अमीनुल इस्लाम, उपाध्यक्ष मोहम्मद शकावत हुसैन और फारूक अहमद, क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष और निदेशक नजमुल अबेदीन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी निजामुद्दीन चौधरी मौजूद थे. समझा जाता है कि आईसीसी बांग्लादेश की मांग को स्वीकार नहीं करेगी।

स्कूल नेशनल अंडर-19 वुशू प्रतियोगिता में राजस्थान वुशू टीम ने ओवरऑल टीम चैंपियनशिप में उपविजेता टीम की ट्रॉफी जीती

जयपुर , 18 जनवरी। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के तत्वावधान में दिनांक 14 से 18 जनवरी 2026 तक इम्फाल, मणिपुर में संपन्न हुई, 69वी स्कूल नेशनल अंडर-19 (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता में राजस्थान वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 12 पदक जीत इतिहास रचा। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि दल प्रभारी श्रीराम के नेतृत्व में बालिका वर्ग में 3 स्वर्ण व 2 रजत पदको के साथ प्रथम स्थान की ट्रॉफी तथा बालक वर्ग में 2 स्वर्ण, 2 रजत व 3 कांस्य पदको के साथ दुसरे स्थान की ट्रॉफी जीत कर इतिहास रचा तथा इसके साथ ही ममता वर्मा, सचिव राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि 5 स्वर्ण, 4 रजत व 3 कांस्य कुल 12 पदको के साथ ओवरआल टीम चैंपियनशिप में उपविजेता की ट्रॉफी जीत कर इतिहास रच राजस्थान प्रदेश का नाम रोशन किया।

पदक विजेता खिलाडियों के नाम इस प्रकार है :

स्वर्ण पदक विजेता:- 52 किलो भारवर्ग में कर्मवीर, 80 किलो भारवर्ग में कार्तिक यादव, 52 किलो भारवर्ग में कुसुम सुथार, 65 किलो भार वर्ग में दिव्यांशी व 75 किलो भार वर्ग में कनक कँवर

रजत पदक विजेता:- 85 किलो भारवर्ग में केशव टेलर, 90 किलो भार वर्ग में नितेश चौधरी, 56 किलो भार वर्ग में वैशाली, 60 किलो भार वर्ग में सुर्याशी

कांस्य पदक विजेता:- 48 किलो भारवर्ग में त्रिलोक चंद, 65 किलो भारवर्ग में विनोद कुमार, 56 किलो भार वर्ग में रुद्र शर्मा।

सोनमेज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में एलेक्जेंड्रोवा को हराया

मेलबर्न,18 जनवरी। क्वालीफायर ज़ेनेप सोनमेज ने खेल भावना, हॉट शॉट्स और आखिरकार तुर्की के इतिहास का एक हिस्सा पेश किया, जब वह तीसरे सेट में 3-0 से पीछे होने के बाद नंबर 11 सीड एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा को 7-5, 4-6, 6-4 से हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले राउंड में जीत हासिल की। 23 साल की सोनमेज ने अपने करियर की दूसरी टॉप 20 जीत हासिल की (पिछले साल बीजिंग में क्लारा टौसन को हराने के बाद), और ओपन एरा में ऑस्ट्रेलियन ओपन में मैच जीतने वाली पहली तुर्की महिला बनीं। पिछले साल, वह कागला बुयुकाकके के बाद यहां मुख्य ड्रॉ में प्रतिस्पर्धा करने वाली दूसरी तुर्की महिला बनीं, जो 2017 में अपने एकमात्र मुख्य-ड्रॉ उपस्थिति में पहले राउंड में हार गई थीं। 2 घंटे, 37 मिनट का यह मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा। सोनमेज़ ने पहला सेट 5-2 से पीछे होने के बाद जीता, एक सेट प्वाइंट बचाया, और लगातार सात गेम जीते; वह दूसरा सेट 3-1 से आगे होने के बाद हार गईं क्योंकि एलेक्जेंड्रोवा ने अगले नौ में से आठ गेम जीते; लेकिन निर्णायक सेट में 3-0 से पीछे होने के बाद, सोनमेज ने फिर से लय पकडी और आखिरी सात में से छह गेम जीते।

पुरुष 70 वर्ष आयु वर्ग में दिलीप शिवपुरी और 75 में राजेंद्र गोयल एकल फाइनल में

जयपुर, 18 जनवरी। ओ.एन. दीक्षित आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स एमटी-400 टूर्नामेंट का उद्घाटन श्री अवधेश कुमार, प्रिंसिपल डायरेक्टर, इन्वेस्टीगेशन आयकर तथा राष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। टूर्नामेंट के विभिन्न आयु वर्गों में खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। पुरुष 70 वर्ष आयु वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में दिलीप शिवपुरी ने राजेंद्र सिंह को 2-6, 6-4 (10-8) से तथा वी एस सिंह नेगी ने जगत सिंह राठौड़ को 6-1, 6-4 जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।

पुरुष 55 वर्ष आयु वर्ग (प्री-क्वार्टर फाइनल) के मुकाबलों में टिकम सिंह पंवार ने जयप्रकाश निषाद को 6-0, 1-6 (10-5) से हराया। वहीं आशुतोष अविनाश पेडणेकर ने भरत सिंह को 6-4, 6-4 से, श्रीनिवास रेड्डी गुन्नाला ने योगेश कोहली को 6-4, 6-2 से तथा बाल किशन भाटिया ने आनंद मूर्ति को 6-3, 6-0 से पराजित किया। पुरुष 65 वर्ष आयु वर्ग (प्री-क्वार्टर फाइनल) में दिलीप सिंह नोंगमैथेम ने पवन जैन को 4-6, 6-1 (10-6) से हराया। ललित शर्मा ने नरेश रजोरा को 6-1, 6-0 से शिकस्त दी। बोयान गोरेनक (स्लोवेनिया) ने सुरेंद्र पाल सिंह को 6-0, 6-1 से पराजित किया, जबकि अजीत भारद्वाज ने संदीप निजहावन को 7-5, 6-0 से हराया। पुरुष 75 वर्ष आयु वर्ग (सेमीफाइनल) मुकाबलों में धवल पटेल ने अशोक जिंदल को 2-6, 6-3 (10-4) से तथा राजेंद्र गोयल ने मुकेश बजाज को 6-2, 6-3 से पराजित किया। टूर्नामेंट में देश के विभिन्न राज्यों से आए अनुभवी खिलाड़ियों की भागीदारी से मुकाबले बेहद रोमांचक बनते जा रहे हैं और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

राज सिंह डूंगरपुर अंडर 14: राजस्थान के भावेश बघेल की शानदार गेंदबाजी
राजस्थान सीनियर वीमेन टीम घोषित सुमित्रा जाट को सौंपी कप्तानी

जयपुर 18 जनवरी । इंदौर में खेली जा रही राज सिंह डूंगरपुर अंडर 14 ट्रॉफी के आज से शुरू हुए राजस्थान - उत्तर प्रदेश मैच पहले दिन राजस्थान के भावेश बघेल चमके :-उत्तर प्रदेश पहली पारी 425 / 7 घोषित। टीम के लिए अर्णव 176 , सौरव 74 व हर्ष 56 रन, राजस्थान गेंदबाज भावेश बघेल 92 / 4 , अनमोल शर्मा , गौरव पुनिया , लवमीत गुर्जर 1 - 1 प्राप्त किये।राजस्थान पहली पारी 73 / 2 विकेट। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने अनमोल शर्मा नाबाद 43 व आदित्य एस पि यादव नाबाद 24 रनो की सहायता से 2 विकेट के नुकसान पर 73 रन बना लिए थे।

राजस्थान सीनियर वीमेन टीम घोषित: 6 फरवरी, 2026 से वडोदरा में खेले जाने वाले सीनियर महिला एक दिवसीय राष्ट्रीय चैम्पियनशिप मैचों के लिए सीनियर महिला टीम का चयन:- ज्योति चौधरी, सी.जे. भाटी, आयुषी गर्ग, सुमित्रा जाट (कप्तान), तनुजा वैष्णव, संगीत कुमावत, सुमन मीना (उप कप्तान), बबीता मीना, कौशल्या चौधरी, डिंपल कंवर, रिंकू टांक, अक्षिता माहेश्वरी, सिद्धि शर्मा, सोनल कलाल, शानू सैन, प्रियंका चौधरी।

क्रीड़ा भारती की खेल कबड्डी खेल स्पर्धा का शुभारम्भ

जयपुर ,18 जनवरी । क्रीड़ा भारती जयपुर प्रांत के खेल कबड्डी खेल स्पर्धा का उद्घाटन कार्यक्रम उ.मा आदर्श विद्या मंदिर राजा पार्क जयपुर के सभागार में रविवार को आयोजित हुआ। कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए क्रीड़ा भारती के क्षेत्र संयोजक मेघसिंह चौहान ने बताया कि कबड्डी भारत का प्राचीन खेल है। 1936 में बर्लिन ओलम्पिक में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी को प्रदर्शन मैच के रूप में खेला गया था तथा टीम को पदक भी दिया गया था। भारत सरकार 2036 में ओलम्पिक खेल भारत में आयोजित करवाने का प्रयास कर रही है।कबड्डी के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्माण करने एवं 2036 के ओलम्पिक खेलों में कबड्डी सम्मिलित हो इसके लिए क्रीड़ा भारती, अखिल भारतीय स्तर पर प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में खेल कबड्डी खेल स्पर्धा आयोजित की जा रही है। जयपुर प्रांत में यह स्पर्धा 18 जनवरी से 28 फरवरी तक आयोजित होंगी। स्पर्धा में महिला व पुरुषों की चार आयु वर्ग 10 से 14 वर्ष, 14 से 19 वर्ष, 19 से 35 वर्ष एवं 35 वर्ष से ऊपर की टीमें भाग लेंगी। केवल जयपुर महानगर में ही 17 स्थानों पर 500 से अधिक टीमें खेलेंगी। अतिथियों ने जयपुर महानगर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित होने वाली कबड्डी स्पर्धाओं के पोस्टर का विमोचन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज सेवी ओ पी नैयर ने बताया कि कबड्डी में दिल, दिमाग, दम और दौड़ एवं लचक रूपी 4 एवं 1 का मूल मंत्र है। ओ पी नैयर स्वयं राष्ट्रीय स्तर के कबड्डी खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने नशे से दूर रहने एवं साधारण आहार पर ध्यान देने का आव्हान किया। उन्होंने यह भी बताया कि गोपाल सैनी , दारा सिंह और मेरे जैसे अनेक खिलाड़ी साधारण परिवारों से ही निकले हैं।

उन्होंने स्वयं भी इस स्पर्धा में खेलने की इच्छा व्यक्त की। क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल सैनी ने अपने मार्गदर्शन में कहा कि कठिन परिश्रम करके ही मजबूत टीम बनाई जा सकती है। खिलाड़ियों को अधिक सुविधाएं नहीं मांगनी चाहिए बल्कि कठिन परिश्रम करना चाहिए। उद्घाटन कार्यक्रम में महिला व पुरुषों की 19 टीमें उपस्थित थी। खोले के हनुमान जी मंदिर महंत के पुत्र अंशुमान चतुर्वेदी, प्रांतमंत्री कैलाश शर्मा, सांगानेर महानगर अध्यक्ष मोहित कुमार, जयपुर महानगर अध्यक्ष राजनारायण शर्मा, उपाध्यक्ष रजनी शर्मा, अन्तराष्ट्रीय खिलाड़ी रामचंद्र कसाना, राकेश शर्मा, सत्यनारायण, असफाक खान, रामबाबु, कोच मूलचंद सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चंबल पर 2.3 किमी एक्वाडक्ट का निर्माण जून 2028 तक पूरा होगा- भजनलाल

राम जलसेतु लिंक के प्रथम चरण में बन रहे एक्वाडक्ट पर 2,330 करोड़ रूपए खर्च होंगे

जयपुर, 18 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व और सतत् प्रयासों से प्रदेश की महत्वाकांक्षी राम जलसेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना) मिशन मोड पर आगे बढ़ रही है। जल सुरक्षा की दिशा में मील का पत्थर साबित होने वाली परियोजना के तहत चम्बल नदी पर 2.3 किलोमीटर लम्बाई में एक्वाडक्ट का निर्माण किया जा रहा है। यह जून, 2028 तक बनकर तैयार हो जाएगा।

मुख्यमंत्री शर्मा के मार्गदर्शन में परियोजना से संबंधित कार्य तीव्र गति से किए जा रहे हैं। इसके प्रथम चरण के पैकेज-2 के अंतर्गत, 2 हजार 330 करोड़ रुपये की लागत से एक्वाडक्ट बनाया जा रहा है।

यह चम्बल एक्वाडक्ट एक छोर में कोटा जिले की दीगोद तहसील के पीपलदा समेल गांव और दूसरे छोर में बूंदी जिले की इन्द्रगढ़ तहसील के गोहाटा गांव से जुड़ेगा। इसके माध्यम से कालीसिंध पर निर्मित नवनेरा बैराज से पानी पम्प हाउस से लिफ्ट कर मेज नदी में छोड़ा जाएगा। इसके बाद मैज बैराज से पम्प हाउस व फीडर के जरिए गलवा बांध तक और वहां से बीसलपुर और ईसरदा बांध में पहुंचाया जाएगा। इस एक्वाडक्ट के बनने से आमजन को

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

आवागमन के लिए अतिरिक्त मार्ग भी उपलब्ध होगा।

2280 मीटर लम्बे एक्वाडक्ट की आंतरिक चौड़ाई 41.25 मीटर और ऊंचाई 7.7 मीटर प्रस्तावित है। मई, 2025 में कार्य शुभारंभ के बाद से ही तेजी से कार्य किया जा रहा है।

निर्माण स्थल पर कैंप एवं बैचिंग प्लांट का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। एक्वाडक्ट हेतु प्रस्तावित 15 टेस्ट पाइल में से 8 टेस्ट पाइल का कार्य पूर्ण हो चुका है। कुल 5060 वर्किंग पाइल प्रस्तावित हैं, जिनमें से लगभग 860 पाइल का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। प्रतिदिन 15-20 पाइल का कार्य 12 रिग

■ इस परियोजना के प्रथम चरण में राज्य के 17 जिलों की लगभग 3 करोड़ 25 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही सिंचाई व उद्योग के लिए भी जल उपलब्ध होगा।

मशीनों की सहायता से किया जा रहा है। औसतन 500 क्यूबिक मीटर कंक्रीट कार्य प्रतिदिन किया जा रहा है। साइट पर लगातार शिफ्टों में कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ईआरसीपी को वृहद स्वरूप देते हुए राम जलसेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना) (लगभग 90 हजार करोड़ रूपए) तैयार की गई है। परियोजना के प्रथम चरण में राज्य के 17 जिलों की लगभग 3 करोड़ 25 लाख आबादी को पेयजल सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही, सिंचाई एवं उद्योगों के लिए भी जल उपलब्ध होगा। इससे प्रदेश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई दिशा मिलेगी।

केवाईसी के नाम पर क्रेडिट कार्ड का क्लोन बना लाखों की ठगी

जयपुर, 18 जनवरी। महेश नगर थाना इलाके में क्रेडिट कार्ड का क्लोन बनाकर केवाईसी के नाम से लाखों रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। थानाधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि थाना इलाके में स्थित अवधपुरी निवासी सुमन लाल महावर (41) ने मामला दर्ज कराया है कि उसके पास एसबीआई बैंक का क्रेडिट कार्ड है। क्रेडिट कार्ड की केवाईसी करवाने के नाम पर उनके पास लगातार कॉल आ रहे थे। कॉल करने वाले ने खुद को एसबीआई बैंक का प्रतिनिधी बताया और केवाईसी के लिए उसके मोबाइल पर लिंक भी भेजा। अज्ञात ठग ने बातों में उलझा कर क्रेडिट कार्ड की सारी जानकारी जुटा ली और क्रेडिट कार्ड का क्लोन तैयार कर, दो लाख 60 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़ित को मामले की जानकारी उसके मोबाइल फोन पर आए मैसेज से चली, जिसके बाद पीड़ित ने अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ धोखाधड़ी कर उसके कार्ड से पैसे निकालने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया।

सोलह लोगों को कुचलने वाला ऑडी चालक गिरफ्तार

पुलिस ने रविवार को रिंग रोड पर चलाये गये सर्च ऑपरेशन में उसे पकड़ा

जयपुर, 18 जनवरी। पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 जनवरी को मानसरोवर के खरबास सर्किल पर ऑडी कार से 16 लोगों को रौंदने वाले मुख्य आरोपी चालक दिनेश रणवा (32) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने रविवार को रिंग रोड पर चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान उसे दबोच लिया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि आरोपी दिनेश रणवा निवासी दूधवाखारा जिला चूरू हादसे के बाद से फरार था। पुलिस जांच में सामने आया कि घटना के अगले दिन वह गोनेर से पैदल ही भाग निकला। कैमरों से बचने के लिए रिंग रोड के किनारे-किनारे पैदल चलता रहा। करीब 7-8 घंटे पैदल चलने के बाद जंगल में झाड़ियों के बीच थक कर

■ आरोपी ऑडी चालक ट्रक ड्राइवर से लिफ्ट लेकर करनाल व हरिद्वार चला गया था। पैसे खत्म होने के बाद वापस लौटा था और रिंग रोड क्षेत्र में घूम रहा था।

रुक गया।

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि चोटिल होने और लगातार भागने से वह बेहद थक गया था। आस पास भेड़ चराने वालों से मांग कर खाना खाया और रात उनके पास ही सो गया। इसके बाद एक ट्रक चालक से लिफ्ट लेकर पहले करनाल (हरियाणा) और फिर हरिद्वार पहुंचा। पैसे खत्म होने पर वह वापस राजस्थान लौटा और जयपुर के पास रिंग रोड क्षेत्र में घूमता रहा। पुलिस जांच में सामने आया कि दिनेश हाईवे किनारे होटल-ढाबों और ट्रक रुकने की जगहों पर फरारी काट रहा था। उसे पकड़ने के लिए पुलिस ने करीब 100 किलोमीटर क्षेत्र में लगे 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। रिंग रोड, स्लिप रोड, ढाबों और ट्रक स्टॉप्स पर सघन सर्च ऑपरेशन चलाया गया। आरोपी के सोलर प्लांट साइट्स पर भी दबिश दी गई। आखिरकार रविवार को रिंग रोड पर वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। गौरतलब है कि 9 जनवरी को दिनेश रणवा ने तेज रफ्तार ऑडी कार को मानसरोवर के खरबास सर्किल पर सड़क किनारे लगे स्टॉलों में घुसा दिया था। हादसे में 16 लोग चपेट में आ गए, जिनमें एक युवक की मौत हो गई थी।

दिल्ली में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा

सफदरगंज में कोहरे के कारण दृश्यता शून्य रही तथा पालम में 100 मीटर दर्ज हुई

नयी दिल्ली, 18 जनवरी। राष्ट्रीय राजधानी के सफदरजंग में रविवार सुबह घने कोहरे के कारण दृश्यता शून्य हो गई, जबकि पालम में यह 100 मीटर दर्ज की गयी।

मौसम विभाग ने कहा कि दिल्ली के कुछ हिस्सों में शीतलहर जारी है और कई केन्द्रों में न्यूनतम तापमान कम दर्ज किया गया है। विभाग के आंकड़ों के अनुसार, रविवार सुबह सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस, पालम में न्यूनतम तापमान 8.0 डिग्री सेल्सियस और आया नगर में 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

विभाग ने कहा कि दिल्ली के कई हिस्सों में बहुत घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है और ऐसी स्थिति सुबह और रात के घंटों के दौरान जारी रहने के

■ मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार-पाँच दिन उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में घने कोहरे की स्थिति बनी रहेगी।

आसार हैं। मौसम विभाग ने मौजूदा स्थिति के मद्देनजर लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने के आसार हैं। इसके बाद अगले छह दिनों में तापमान धीरे-धीरे 2-3 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है। अगले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे रहने का अनुमान है। वहीं 21 और 22 जनवरी को सामान्य से नीचे और 19, 20 और 23 जनवरी को सामान्य से ऊपर रहेगा। अगले पांच दिनों तक अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने के आसार हैं, जिसके बाद यह सामान्य हो जाएगा। विभाग ने बताया है कि अगले सप्ताह के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में शीतलहर की संभावना नहीं है। मौजूदा पश्चिमी विक्षोभ 18 जनवरी तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करता रहेगा, जबकि 19 और 21 जनवरी, 2026 को उत्तर-पश्चिम भारत में दो और विक्षोभ आने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार से पांच दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में घने कोहरे की स्थिति बनी रहेगी।

'प्रतीकात्मक रूप से भी नोबेल पुरस्कार हस्तांतरित नहीं किया जा सकता'

वाशिंगटन, 18 जनवरी। साल 2025 में शांति का नोबेल पुरस्कार जीतने वाली वेनेज़ुएला की नेता मारिया मचादो द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना प्राइज ट्रांसफर करने पर नोबेल कमेटी का बड़ा बयान सामने आया है। नोबेल फाउंडेशन ने कहा कि हमारा एक मुख्य उद्देश्य नोबेल पुरस्कारों की गरिमा और उनकी प्रशासनिक प्रक्रिया की रक्षा करना है। फाउंडेशन अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत और उसके प्रावधानों का सख्ती से पालन करता है। वसीयत में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पुरस्कार उन व्यक्तियों को दिए जाएंगे, जिन्होंने "मानवजाति को सबसे बड़ा लाभ पहुंचाया हो"। कमेटी ने कहा कि यह भी निर्धारित किया गया है कि प्रत्येक पुरस्कार किस संस्था या समिति को प्रदान करने का अधिकार है।

डिफेन्स सैक्टर को हम आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं- राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक डिफेन्स एक्सपोर्ट 50 हजार करोड़ रूपए का हो जाए

नागपुर, 18 जनवरी। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बिना नाम लिए पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान और चीन पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारा पड़ोसी जरा सिरफिरा है, कब क्या हरकत कर दे, कुछ कहा नहीं जा सकता है। न जाने कब हमें हथियारों की जरूरत पड़ जाए। इसलिए डिफेंस सेक्टर में हमें आत्मनिर्भर बनना पड़ेगा। रक्षा मंत्री ने नागपुर में यह बात कही। वे आज इकोनॉमिक्स एक्सप्लोसिव कंपनी के दौरे पर पहुंचे थे।

इस दौरान रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि डिफेंस सेक्टर को हम लोग आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं, प्रधानमंत्री बार-बार इसका आग्रह कर रहे हैं। एक समय था कि पूरा का पूरा डिफेंस सेक्टर पब्लिक सेक्टर तक सीमित था, प्राइवेट सेक्टर के बारे में तो कोई सोच भी नहीं सकता था। लेकिन प्राइवेट सेक्टर की पोटेंशियल पर हमको पूरा भरोसा था, विश्वास था, हर जगह फोक्स्ड डेवलपमेंट की धारा बह रही है, शिक्षक से लेकर तकनीक तक, हर क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर अहम भूमिका निभा

■ रक्षा मंत्री ने नागपुर में कहा, हमारा पड़ोसी जरा सिरफिरा है, कब हरकत कर दे, कुछ कहा नहीं जा सकता, न जाने कब हमें हथियारों की जरूरत पड़ जाए।

रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि, प्राइवेट सेक्टर की भूमिका आने वाले समय में और तेजी से बढ़ने चाहिए और भारत में बढ़ रही है। हमारी सरकार का ध्यान आने वाले समय में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में प्राइवेट सेक्टर की भूमिका पर है। यह कम से कम 50 प्रतिशत तो होनी भी चाहिए। हमने निश्चय किया है कि हमारे प्लेटफार्म सिस्टम, सब सिस्टम धीरे-धीरे स्वदेशी बनाएंगे, पिछले 10 वर्ष में डिफेंस सेक्टर में, आत्मनिर्भरता की दिशा में, जो मेहनत की है, जो प्रयास किया है, उसका परिणाम यह है कि हमारा डोमेस्टिक डिफेंस प्रोडक्शन 2014 में 46000 करोड़ के आसपास था, आज वह डेढ़ लाख करोड़ से अधिक पहुंच गया है। इतनी जल्दी, प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी का परिणाम है कि भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट, जो 10 वर्ष पहले सिर्फ 1000 करोड़ के आसपास था, वह बढ़ कर लगभग 25000 करोड़ से ज्यादा हो गया है, हमने लक्ष्य रखा है कि 2030 तक यह 50000 करोड़ तक हो जाए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य है कि भारत हथियारों के उत्पादन का ग्लोबल हब बने। उन्होंने कहा 88 घंटे तक ऑपरेशन चला, लेकिन वो 88 घंटे शब्दों में बयां नहीं किये जा सकते, इसको शब्दों में बताना मुश्किल है, ऐसे ऑपरेशन में हर मिनट हर फैसले का महत्व होता है, जब ऑपरेशन इतना इंटेंस होता है, तो उसकी तैयारी भी इतनी व्यापक उतनी मजबूत होनी चाहिए।

मकान मालिक के 52 लाख चुराने वाला नौकर गिरफ्तार

जयपुर, 18 जनवरी। बजाज नगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मकान मालिक के घर से घरेलू नौकर द्वारा 52.50 लाख रुपए नकद चोरी करने के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपी नौकर को बिहार से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की राशि बरामद कर ली है। भारी रकम होने के कारण नकदी को जयपुर लाने के लिए हथियारबंद जवानों की विशेष टीम भेजी गई।

एसीपी विनोद शर्मा ने बताया कि देवनगर निवासी निखिल अग्रवाल ने 12 जनवरी को बजाज नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि वे परिवार सहित 1 जनवरी को बाहर गए थे, इसी दौरान

■ पुलिस ने आरोपी नौकर को बिहार से गिरफ्तार किया तथा चोरी की रकम बरामद की।

उनके घर से नकदी चोरी हो गई। उन्होंने अपने घरेलू नौकर पर संदेह जताया था। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिसमें एक व्यक्ति दीवार फांदकर घर में घुसता नजर आया। परिवादी ने फुटेज के आधार पर उसकी पहचान घरेलू नौकर मंटू उर्फ रामू उर्फ मनोज ठाकुर के रूप में की। तकनीकी विश्लेषण से आरोपी की लोकेशन बिहार में मिलने पर पुलिस टीम को बांका जिले के देवंडीह गांव भेजा गया, जहां बिहार पुलिस की मदद से चालीस वर्षीय मन्टू उर्फ रामू उर्फ मनोज ठाकुर निवासी बेलहर जिला बांका (बिहार) को हिरासत में लिया गया।

एसीपी शर्मा ने बताया कि परिवादी ने रिपोर्ट में करीब 22 लाख रुपए चोरी होने की जानकारी दी थी, लेकिन पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसने मकान मालिक के विदेश जाने के दौरान ताले तोड़कर 52.50 लाख रुपए चुराए थे। आरोपी को बांका जिले की अदालत में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर लिया गया। रकम अधिक होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से एक अलग हथियारबंद टीम को बिहार भेजा गया, जो आरोपी और नकदी को सुरक्षित जयपुर लेकर आई।

राज्य के 20 दिग्गज नेता भाजपा अध्यक्ष के प्रस्तावक बनेंगे

जयपुर, 18 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया तेज हो गई है। पार्टी के घोषित कार्यक्रम के अनुसार 19 जनवरी को नामांकन दाखिल किए जाएंगे, जबकि 20 जनवरी को परिणाम घोषित होंगे। मौजूदा समय में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन इस पद के सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं और उनके निर्विरोध चुने जाने की संभावना जताई जा रही है।

नामांकन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के प्रस्तावक के रूप में मौजूद रहने की संभावना है। इस पूरे चुनावी घटनाक्रम

■ प्रस्तावकों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अलावा, मदन राठौड़, वसुंधरा राजे, भूपेन्द्र यादव, गजेन्द्र शेखावत, अर्जुन मेघवाल, भागीरथ चौधरी, राजेन्द्र राठौड़, सतीश पूनिया, अल्का गुर्जर, अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, सीपी जोशी, घनश्याम तिवाड़ी व मंजू शर्मा शामिल हैं।

में राजस्थान की भूमिका बेहद अहम मानी जा रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव के लिए राजस्थान से पार्टी के करीब 20 वरिष्ठ और प्रभावशाली नेताओं को प्रस्तावक बनाया गया है। इन नेताओं के हस्ताक्षर युक्त प्रस्तावों की सूची 18 जनवरी को दिल्ली भेजी जाएगी। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ स्वयं यह सूची लेकर दिल्ली जाएंगे और इसे चुनाव अधिकारी को सौंपेंगे।

प्रस्तावकों की सूची में राज्य सरकार, संगठन और केन्द्र सरकार से जुड़े बड़े नाम शामिल किए गए हैं। इनमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल और भागीरथ चौधरी प्रमुख हैं।

इसके अलावा, संगठन और वरिष्ठ नेतृत्व का संतुलन साधते हुए पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, भाजपा राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, अशोक परनामी और सीपी जोशी को भी प्रस्तावक बनाया गया है। राजस्थान से राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, मंजू शर्मा सहित, कई अन्य वरिष्ठ नेताओं के नाम भी सूची में शामिल हैं। फिलहाल जयपुर और दिल्ली में मौजूद नेताओं के हस्ताक्षर जुटाने की प्रक्रिया चल रही है। सभी हस्ताक्षर पूरे होते ही प्रस्तावकों की अंतिम सूची दिल्ली में शीर्ष नेतृत्व को सौंप दी जाएगी।

कोई नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"एकनाथ शिंदे ने ताज होटल को जेल बना दिया है। वहां लगभग 25 से 29 पार्षदों को इस डर से बंधक बनाकर रखा गया है कि कोई उन्हें किडनैप कर लेगा या धमकाएगा।"

उन्होंने मांग की कि उन लोगों को तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। संजय राउत ने भाजपा और शिंदे गुट के गठबंधन में दरार होने का संकेत देते हुए बड़ा दावा किया। राउत ने कहा कि कोई नहीं चाहता कि मुंबई में भाजपा का मेयर बने, यहां तक कि खुद एकनाथ शिंदे भी ऐसा नहीं चाहते।

उन्होंने यह कहकर खलबली मचा दी कि शिंदे गुट के कई पार्षद यूबीटी शिवसेना के संपर्क में हैं। राउत ने साफ कहा, "हमारे संपर्क में कई लोग हैं।"

यूरोपीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड को हासिल करने पर आमादा हैं। हालांकि डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने अपने आत्मनिर्णय के अधिकार पर जोर देते हुए इस विचार को खारिज कर दिया है।

बढ़ते तनाव के जवाब में, डेनमार्क ने ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी है, जबकि जर्मनी, स्वीडन, फ्रांस, नॉर्वे और नीदरलैंड ने भी छोटी सैन्य टुकड़ियाँ भेजी हैं। यूरोपीय नेताओं ने चेतावनी दी है कि ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के किसी भी अमेरिकी प्रयास का नाटो और अटलांटिक के दोनों ओर की सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

पूर्णतया डॉलर पर अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खुद को खतरे में पा सकती हैं।

भारत, जो अपने कच्चे तेल का चार-पांचवां (4/5) हिस्सा आयात करता है, रूस के साथ लंबे समय से डिफेंस संबंध बनाए रखता है और वेस्ट एशिया, अफ्रीका और यूरेशिया के साथ बढ़ता हुआ ट्रेड करता है, उसके लिए बिना रुकावट वाले पेमेंट चैनल पक्का करना एक स्ट्रेटेजिक चिंता बन गया है। ब्रिक्स ब्रिज को, इंटरनेशनल बैन का उल्लंघन किए बिना, या डिप्लोमैटिक टकराव को भड़काए बिना इस कमज़ोरी को कम करने के एक तरीके के तौर पर देखा जा रहा है।

इस प्लेटफॉर्म को खुद एक डिजिटल, मल्टीलेटरल सेटलमेंट मैकेनिज़्म के तौर पर देखा गया है, जो हिस्सा लेने वाले देशों को अपनी लोकल करेंसी में क्रॉस-बॉर्डर ट्रांज़ैक्शन करने की इजाज़त देता है, जिसमें बाद के स्टेज में सेंट्रल बैंक की डिजिटल करेंसी को इंटीग्रेट करने की क्षमता है। स्विफ्ट के विपरीत, जो मुख्य रूप से फाइनेंशियल मैसेजिंग की सुविधा देता है और अभी भी वेस्टर्न बैंकों के ज़रिए डॉलर क्लियरिंग की ज़रूरत होती है, ब्रिज का मकसद फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन के बीच डायरेक्ट सेटलमेंट को मुमकिन बनाना है। थ्योरी के हिसाब से, इससे इंडियन इंपोर्टर और एक्सपोर्टर न्यूयॉर्क या लंदन के ज़रिए भुगतान भेजे बिना लेनदेन कर सकेंगे।

यह तरीका भारत की हालिया पॉलिसी ट्रैजेक्टरी से काफी मिलता-जुलता है। पिछले कुछ सालों में, रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने इंटरनेशनल ट्रेड में रुपये के इस्तेमाल को बढ़ाने के लिए सावधानी भरे कदम उठाए हैं, जैसे रुपए में सैटलमैंट की व्यवस्था, द्विपक्षीय व्यापार के लिए विशेष वोस्ट्रो खाते और डिजिटल रुपए का पायलट प्रोजेक्ट। इसलिए ब्रिक्स ब्रिज भारत की फाइनेंशियल स्ट्रैटेजी से कोई बड़ा बदलाव नहीं है, बल्कि करेंसी डाइवर्सिफिकेशन की दिशा में इसके धीरे-धीरे और सोच-समझकर किए गए प्रयासों का एक लॉजिकल एक्सटेंशन है।

ब्रिक्स फाइनेंशियल इनिशिएटिव में भारत की भागीदारी हमेशा से संयम से पहचानी गई है। चीन या रूस के विपरीत, नई दिल्ली दुनिया की रिज़र्व करेंसी के तौर पर डॉलर को बदलने की कोशिश नहीं कर रहा है और न ही वह डी-डॉलराइज़ेशन को पश्चिम के साथ जियोपॉलिटिकल मुकाबले के तौर पर देखना चाहता है। इसके बजाय, भारत का मकसद रिस्क मैनेजमेंट है। दूसरे पेमेंट सिस्टम को सपोर्ट करके, वह यह पक्का करना चाहता है कि ऊर्जा, उर्वरक, रक्षा उपकरण और अन्य जरुरी वस्तुओं का व्यापार भू-राजनीतिक तनाव के समय भी जारी रह सके। रुस से रियायती तेल की बढ़ी हुई खरीद के दौरान यह साफ दिखा, जब बैन से जुड़ी रुकावटों के बावजूद ट्रेड को चालू रखने के लिए नए सेटलमेंट मैकेनिज़्म बनाने पड़े। ट्रेड से जुड़े साफ़ फायदे भी हैं। ब्रिक्स मेंबर्स और बड़े ग्लोबल साउथ के साथ भारत का इकोनॉमिक जुड़ाव लगातार बढ़ा है, और इनमें से कई अर्थव्यवस्थाओं को डॉलर की लगातार कमी या ग्लोबल लिक्विडिटी तक, अस्थिर एक्सेस का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय मुद्रा में सेटलमेंट का प्लेटफॉर्म ट्रांज़ैक्शन कॉस्ट कम कर सकता है, डॉलर के उतार-चढ़ाव का रिस्क कम कर सकता है और भारतीय बिज़नेस, खासकर छोटे और मीडियम एक्सपोर्टर्स, जो नए मार्केट में एंट्री करना चाहते हैं, के लिए सेटलमेंट साइकिल को छोटा कर सकता है।

साथ ही, भारत ब्रिक्स के अंदर के समीकरणों को लेकर बहुत ज़्यादा सतर्क है। चीन डी-डॉलराइज़ेशन का सबसे मुखर समर्थक बनकर उभरा है और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों को, युआन को इंटरनेशनलाइज़ करने के एक टूल के तौर पर देखता है। हालांकि, भारत ऐसे किसी भी फ्रेमवर्क से सावधान है, जो युआन-डोमिनेटेड इकोसिस्टम में बदल सकता है। यही वजह है कि नई दिल्ली ब्रिक्स ब्रिज के लिए बहुमुद्रा और नियम आधारित ढांचे पर जोर देती है और तेज विस्तार के बजाय धीरे-धीरे आगे बढ़ना पसंद करती है। भारतीय पॉलिसी बनाने वाले भी इस प्लेटफॉर्म की सीमाओं को समझते हैं। ब्रिक्स ब्रिज स्विफ्ट का विकल्प बनने से बहुत दूर है। कई सदस्य देशों में गहरे और लिक्विड फाइनेंशियल मार्केट की कमी, असमान रेगुलेटरी स्टैंडर्ड, करेंसी में उतार-चढ़ाव और साइबर सिक्योरिटी और डेटा गवर्नेंस से जुड़े अनसुलझे सवाल, ये सभी इसकी तुरंत उपयोगिता को सीमित करते हैं। भारत का अपना कैपिटल अकाउंट भी पूरी तरह से कन्वर्टिबल नहीं है, जिससे यह सीमित हो जाता है कि रुपये को कितनी आक्रामकता से ग्लोबल मंच पर आगे बढ़ाया जा सकता है।

फिर भी भारत के लिए, यह पहल एक और महत्वपूर्ण मकसद पूरा करती है। यह रुपये की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय भूमिका का टेस्ट करने के लिए एक कंट्रोल्ड माहौल प्रदान करती है, जिसके लिए रिजर्व-करेंसी का दर्जा पाने की इच्छा रखने के बजाय, खुले कैपिटल मार्केट और लगातार करंट-अकाउंट सरप्लस की आवश्यकता होती है। भारत व्यापार और सेटलमेंट में रुपये के फंक्शनल उपयोग को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इस दिशा में मामूली फायदे भी विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम करते हैं और मैक्रोइकोनॉमिक लचीलेपन को मजबूत करते हैं।

आखिरकार, ब्रिक्स ब्रिज को डॉलर के लिए एक बड़े चैलेंज के रूप में कम और लंबे समय के इरादे के संकेत के रूप में अधिक देखा जाना चाहिए। भारत की रणनीति क्रांतिकारी नहीं, बल्कि विकासात्मक है। यह मौजूदा ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम में मजबूती से बने रहते हुए चुपचाप विकल्प बनाने के बारे में है।

डॉलर शायद, दशकों तक नहीं, तो सालों तक अपना दबदबा बनाए रखेगा। लेकिन भारत, कई उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं की तरह, अब नहीं चाहता कि उसका सारा फाइनेंशियल फ्लो एक ही गेटकीपर से होकर गुजरे। ब्रिक्स ब्रिज, भले ही अभी सीमित और शुरुआती चरण में हो, लेकिन यह फायनैंस में रणनीतिक स्वायत्तता की भारत की व्यापक कोशिश को दर्शाता है, जैसा उसका रवैया कूटनीति और रक्षा में भी रहा है, जहां लचीलापन, संतुलन और विकल्प, विचारधारा या टकराव से ज्यादा मायने रखते हैं।

त्रिवेणी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

श्रद्धालुओं का साथ दिया और खिली-खिली धूप में लोग स्नान करते रहें। प्रशासन की तरफ से बताया गया कि आज शाम पांच बजे तक चार करोड़ से ज्यादा लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई। स्नान करने वाले लोगों पर हेलीकाप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई।

मौनी अमावस्या का स्नान सबसे बड़ा स्नान पर्व होता है। मेला प्राधिकरण का अनुमान था कि आज के दिन तीन से साढ़े तीन करोड़ लोग स्नान करेंगे लेकिन दो बजे तक ही तीन करोड़ लोगों ने स्नान कर लिया था।

लिहाज़ा ये आकड़ा और बढ़ेगा, श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार कल देर रात 12 बजे से ही घाट पर डटे रहे और खुद ही पूरी व्यवस्था की निगरानी करते रहे।

ट्रंप ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रस्ताव पर भारत की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। यदि भारत इस पहल में शामिल होता है, तो यह पश्चिम एशिया में शांति प्रक्रिया में उसकी भूमिका को और मजबूत कर सकता है।

संयुक्त अरब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रदान से मिली मज़बूत गति पर आधारित है, जिसमें सितंबर 2024 में अबू धाबी के शहजादा शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की यात्रा और पिछले वर्ष अप्रैल में अमीरात के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री तथा दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम की यात्रा शामिल हैं। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच घनिष्ठ और बहुआयामी संबंध हैं, जो मज़बूत राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों पर आधारित हैं। दोनों देश एक-दूसरे के शीर्ष व्यापार और निवेश साझेदारों में से हैं, जिन्हें व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते, स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली और द्विपक्षीय निवेश संधि से बढ़ ावा मिला है। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच मज़बूत ऊर्जा साझेदारी भी है, जिसमें दीर्घकालिक ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था शामिल है।

तृणमूल सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री ने बालागढ़ में बनने वाले एक्सटेंडेड पोर्ट गेट सिस्टम (समुद्री बंदरगाह के गेट को बंदरगाह से बढ़ाना) का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे हुगली और आसपास के क्षेत्रों में नए आर्थिक अवसर पैदा होंगे।

कोलकाता शहर पर ट्रैफिक और लॉजिस्टिक का दबाव कम होगा और गंगा जलमार्ग के जरिए कार्गो मूवमेन्ट में तेजी आएगी।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार बहुस्तरीय संपर्क और हरित चालन (ग्रीन मोबिलिटी) पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि बंदरगाह, नदी जलमार्ग, राजमार्ग और हवाई अड्डे एक-दूसरे से जुड़ें और किराया लागत तथा समय दोनों में कमी आए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि तृणमूल सरकार केंद्र की योजनाओं को जानबूझकर लागू नहीं होने देती। उन्होंने राजधानी दिल्ली का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी एक सरकार आयुष्मान भारत योजना को रोक रही थी, लेकिन जनता ने उसे सत्ता से बाहर कर दिया और अब दिल्ली में गरीबों को मुफ्त इलाज मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि बंगाल में भी भाजपा की सरकार जरूरी है, ताकि आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ सीधे गरीबों तक पहुंचे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908